नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 14
अंक : 40
सोमवार, 04 से 10 नवंबर 2024
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

कांग्रेस पार्टी ने 'आप' के खिलाफ 'दिल्ली न्याय यात्रा' की शुरूआत की 03
बीजेपी सरकार यदि अटल जी का नजरिया अपनातीतो कश्मीर की स्थिति अलग होती 08

NCR समाचार

सैमसन के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका 10
ब्रोकली की खेती कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

नोरा फतेही को करियर के शुरुआत में ही लेनी पड़ी थेरेपी 12

एक हैं तो सेफ हैं, झारखंड में बोले प्रधानमंत्री मोदी

ओबीसी की एकजुटता को तोड़ना चाहती है कांग्रेस : मोदी

एनसीआर समाचार

बोकारो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को तोड़कर उन्हें छोटी-छोटी जातियों में बांटना चाहती है। उन्होंने झारखंड की जनता को एकजुट रहने का संदेश देते हुए 'एक हैं तो सेफ (सुरक्षित) हैं' का नारा भी बुलंद किया। झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बोकारो में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस ने देश की आजादी के बाद समाज के इस बिखराव का चुनावी फायदा उठाया और केंद्र में सरकारें बनाती रही।

उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा से एससी (अनुसूचित जाति), एसटी (अनुसूचित जनजाति) और ओबीसी की एकजुटता की घोर विरोधी रही है। आजादी के बाद जब तक एससी, एसटी और ओबीसी समाज बिखरा रहा, कांग्रेस 'बांटो और राज करो' के सिद्धांत के जरिये केंद्र में सरकारें बनाती रही। लेकिन जैसे ही ये समुदाय एकजुट हुए, कांग्रेस फिर पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र में अपनी सरकार नहीं बना पाई।

मोदी ने लोगों से इस 'गणित' को समझने का अनुरोध किया और कहा कि 1990 में ओबीसी समुदाय को जब आरक्षण मिला तब इस समाज की अलग-अलग जातियों का संख्या बल एक साथ जुड़ गया।

उन्होंने कहा कि इसके बाद से कांग्रेस अब तक लोकसभा में 250 सीट भी नहीं जीत पाई है। मोदी ने कहा, इसलिए कांग्रेस ओबीसी की इस सामूहिक ताकत को तोड़ना चाहती है और समुदाय को सैकड़ों अलग-अलग जातियों में बांट देना चाहती है। प्रधानमंत्री ने बोकारो और धनबाद सहित उत्तरी छोटा नागपुर में रहने वाले लोगों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सवा सौ से अधिक ओबीसी जातियां हैं और आज ये सभी ओबीसी के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि यही उनकी पहचान और ताकत है।

उन्होंने यादव, कुर्मी महतो, तेली, कोइरी, कुशवाहा, नोनिया, बिंद, राजभर और प्रजापति कुम्हार सहित अन्य ओबीसी जातियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनकी एकजुटता देश के विकास की बड़ी ताकत है लेकिन कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) इन्हें आपस में उलझाए रखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्यकोई नहीं चाहता है कि समाज बिखरे, समाज छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए। इसलिए हमें यह हमेशा याद रखना है कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। मोदी ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली के संबंध में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रस्ताव पारित किए जाने को लेकर भी कांग्रेस और इसके सहयोगियों पर हमला किया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस और इसके सहयोगी जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस लाना चाहते हैं ताकि हमारे सैनिक एक बार फिर आतंकवाद की आग का सामना करें। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्यमोदी ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को दफन कर दिया। सात दशकों तक वहां आंबेडकर का संविधान लागू नहीं था। मोदी ने कहा कि यह पहली बार हुआ है जब जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने भारतीय संविधान के नाम पर शपथ ली।

भाजपा के खिलाफ कांग्रेस पहुंची चुनाव आयोग

कांग्रेस ने भाजपा के एक विज्ञापन को लेकर रविवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस का आरोप है कि इस विज्ञापन में झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन के नेताओं को निशाना बनाया गया है। शिकायत में कहा गया कि विज्ञापन में उन नेताओं पर निराधार आरोप लगाए गए हैं। यही नहीं इसमें इन नेताओं की नकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की गई है ताकि गलत विमर्श फैलाया जा सके। निर्वाचन आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आग्रह किया कि आयोग विज्ञापन के सभी वीडियो को तत्काल हटाने के निर्देश जारी करे। कांग्रेस नेता ने भाजपा और झारखंड के उसके आधिकारिक फेसबुक हैंडल के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की भी मांग की है। कांग्रेस नेता ने आयोग को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा कि भाजपा की झारखंड यूनिट के भाजपा4झारखंड पेज पर प्रकाशित विज्ञापन आदर्श आचार संहिता और अन्य चुनावी कानूनों का घोर उल्लंघन है। रमेश ने कहा कि 9 नवंबर को प्रकाशित विज्ञापन में झामुमो, कांग्रेस और राजद के नेताओं पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। इसमें नेताओं को नकारात्मक और झूठे प्रकाश में चित्रित किया जा रहा है। इसका मकसद उनके खिलाफ झूठा और निराधार प्रचार करना है। एक आरोप यह है कि ये नेता आदिवासी विरोधी हैं, जो अपने निजी एजेंडे को पूरा करने के लिए आदिवासी समर्थक होने की आड़ में एक साथ आ रहे हैं।

महाराष्ट्र चुनाव : एमवीए का घोषणापत्र जारी

'महाराष्ट्रनामा' में जनता को दी 5 गारंटी

एनसीआर समाचार

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बाद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए रविवार को अपना घोषणापत्र 'महाराष्ट्रनामा' जारी किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाविकास अघाड़ी का घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत, एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले, कांग्रेस महासचिव केसी. वेणुगोपाल और अन्य नेता भी मौजूद रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एमवीए का घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा कि महाराष्ट्र का चुनाव देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। ये चुनाव देश का भविष्य बदलने वाला चुनाव है। हम यहां महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाएंगे, तभी राज्य प्रगति करेगा। किसान, महिला, युवा समेत प्रदेश का हर वर्ग खुशहाल होगा।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणापत्र के जरिए महाराष्ट्र की जनता को 5 गारंटी दी। जिसमें महिलाओं को 'महालक्ष्मी' के तहत 3 हजार रुपये देने का ऐलान किया है, वहीं किसानों को 3 लाख रुपये तक कर्ज माफ और कुटुंब रक्षा के तहत 25 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा देने की घोषणा की है।

इसके साथ ही एमवीए ने जातिगत जनगणना का वादा भी किया है।(महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने अपने घोषणा पत्र में महालक्ष्मी के अलावा महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा देने का वादा किया है। एमवीए ने कुटुंब रक्षा के तहत महाराष्ट्र की जनता को 25 लाख रुपए तक स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त दवा देने का ऐलान किया है।

महाविकास अघाड़ी ने बेरोजगारों को हर महीने 4 हजार रुपए की मदद देने की घोषणा की है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन ने समानता की गारंटी के तहत अपने घोषणा पत्र में जातिगत जनगणना कराने का ऐलान किया है। साथ ही 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटाने की बात भी कही है। इसके अलावा एमवीए ने कृषि समृद्धि के माध्यम से किसानों का 3 लाख रुपये तक कर्ज माफ करने का वादा किया है और नियमित कर्ज चुकाने पर 50 हजार का प्रोत्साहन देने की भी घोषणा की है।

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होंगे, जबकि चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

प्रेस क्लब के चुनाव में गौतम लाहिरी पैनल ने दर्ज की एकतरफा जीत

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। देश के पत्रकार संगठनों की सर्वोच्च संस्थान प्रेस क्लब ऑफ इंडिया(पीसीआई) के चुनाव में गौतम लाहिरी पैनल ने सभी पदों पर शानदार सफलता हासिल कर एक बार फिर इतिहास रचने का काम किया है।

इस चुनाव में अध्यक्ष के तौर पर गौतम लाहिरी को सबसे अधिक 1045 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर संगीता बरुआ को 927 वोट, महासचिव पद पर नीरज ठाकुर को 913 वोट , संयुक्त सचिव के रूप में अफजल इमाम को 782 जबकि कोषाध्यक्ष के पद पर मोहित दुबे को भी 782 वोट मिले।

अध्यक्ष पद पर परचम लहराने वाले गौतम लाहिरी ने कहा कि मीडिया की आजादी को बरकरार रखने के साथ साथ मीडिया संस्थानों की स्वायत्तता बनाये रखने के लिए हमारी टीम निरंतर कोशिश करती रही है और आगे भी करती रहेगी। स्वतंत्र मीडिया स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद है और इसे सुरक्षित करना हमारा दायित्व है। पत्रकारों की समस्याओं को आने वाले दिनों में भी मुखरता से उठाते रहेंगे।

इसके साथ ही इस पैनल के सोलह प्रबंध समिति के सदस्यों ने जीत दर्ज की जिसमें राष्ट्रीय संवाद समिति यूनीवार्ता के मोहम्मद आजाद, एनएडीवी की अदिति राजपूत, टाइम्स ऑफ इंडिया की मेघना धूलिया, कारवाँ की सुरभि कंगा, स्वतंत्र पत्रकार प्रज्ञा सिंह, नेटवर्क 18 के शंकर आनंद, वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ राय चौधरी, ऑल इंडिया रेडियो के अभिषेक कुमार सिंह, असमिया प्रतिदिन के आशीष गुप्ता, टाइम्स ऑफ इंडिया के आनिंदो चट्टोपाध्याय, एशिया टाइम्स उर्दू के अशरफ अली, वरिष्ठ पत्रकार नलिनी रंजन मोहंती, रिपोर्टर लाइव के पी आर सुनील, साउथ इंडिया टाइम्स के पब्बा सुरेश बाबू, वरिष्ठ पत्रकार सुनील नेगी और सीएनएन न्यूज 18 के रविंद्र कुमार शामिल है।

उल्लेखनीय है कि प्रेस क्लब के वार्षिक चुनाव में शनिवार को 1357 वोट पड़े थे।

दिल्ली वायु प्रदूषण में मामूली गिरावट

335 दर्ज किया गया औसत एक्यूआई

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वायु प्रदूषण में पिछले कुछ दिनों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बाद मामूली गिरावट देखने को मिली। रविवार को यहां पर औसत औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 335 दर्ज किया गया। हालांकि यह अभी भी बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है।

केंद्रीय नियंत्रण एवं प्रदूषण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह 7:30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 335 दर्ज किया गया। दीपावली से लगातार 350 के आस-पास या इससे ऊपर रहने के बाद एक्यूआई में पहली बार गिरावट देखने को मिला। दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 166, गुरुग्राम में 240, गाजियाबाद में 226, ग्रेटर नोएडा में 250, नोएडा में 206 एक्यूआई दर्ज किया गया।

राजधानी दिल्ली के अधिकांश इलाके में एक्यूआई 300 से 400 के बीच में दर्ज किया, जिसमें अलीपुर में 356, आनंद विहार में 351, अशोक विहार में 353, आया नगर में 343, बवाना में 383, बुराड़ी क्रॉसिंग में 331, मथुरा रोड में 323, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 348, डीटीयू में 311, द्वारका सेक्टर 8 में 341, आईजीआई एयरपोर्ट में 326 और आईटीओ में 328 एक्यूआई दर्ज किया गया।

इसके अलावा जहांगीरपुरी में 370, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 323, लोधी रोड में 307, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 357, मंदिर मार्ग में 387, मुंडका में 358,नजफगढ़ में 341, नरेला में 356, नेहरू नगर में 363, नॉर्थ कैंप में 328, एनएसआईटी द्वारका में 333, ओखला फेस टू में 339, पटपड़गंज में 345, पंजाबी बाग में 352, पुषा में 332, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 368, रोहिणी में 366, शादीपुर में 342, सिरी फोर्ट में 345, विवेक विहार में 354 और वजीरपुर में 366 एक्यूआई बना हुआ है। अगर एक दिन पहले दिल्ली के एक्यूआई की बात करें तो शनिवार को केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में सुबह 6:15 बजे तक औसत एक्यूआई 363 अंक बना हुआ था। वहीं, शुक्रवार को 383 दर्ज किया गया, जो बेहद की खराब श्रेणी में माना जाता है।

महाराष्ट्र की जनता भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की उस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की जिसमें उन्होंने राहुल गांधी पर संविधान की 'लाल कवर वाली' प्रति दिखाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और देश की जनता 'संविधान विरोधी और आरक्षण विरोधी' भारतीय जनता पार्टी को करारा जवाब देगी। उनकी यह टिप्पणी फडणवीस द्वारा यह पूछे जाने के बाद आई कि राहुल गांधी संविधान की लाल कवर वाली प्रति दिखाकर क्या संदेश देना चाहते हैं।

संपत्ति सृजनकर्ताओं पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए: धनखड़

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि वाणिज्य और व्यवसाय से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए, क्योंकि वे ही नौकरी और संपत्ति के सृजनकर्ता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'आर्थिक राष्ट्रवाद' का सिद्धांत कुछ व्यक्तियों के वित्तीय लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है।

धनखड़ ने यहां एक निजी शैक्षणिक संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने हमेशा इस बात की वकालत की है कि व्यापार, वाणिज्य, उद्योग से जुड़े लोगों पर व्यवस्था की मार नहीं पड़नी चाहिए। उन्हें समाज में सम्मान मिलना चाहिए। उपराष्ट्रपति का मानना है कि यह वर्ग नौकरी और संपत्ति का सृजन करता है और सामाजिक सद्भाव में योगदान देता है। उन्होंने कहा, 'वे अर्थव्यवस्था के चालक हैं उन्होंने इस देश में समाज को कुछ वापस

नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर वेबिनार आयोजित करेगा पंचायती राज मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा सोमवार को यहां आयोजित होने वाले वेबिनार में जमीनी स्तर पर सेवाओं की प्रभावी और कुशल डिलीवरी सुनिश्चित करने तथा समग्र शासन को बढ़ाने के लिए नागरिक-केंद्रित सेवाओं को प्राथमिकता देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वेबिनार का उद्देश्य ग्रामीण शासन में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देना है, विशेष रूप से ग्रामीण नागरिकों को आवश्यक सेवाओं की समय पर और प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करना। पंचायती राज मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ह्यह्यजमीनी स्तर पर कार्यरत पंचायती राज संस्थाएं शासन में अग्रणी भूमिका निभाती हैं तथा यह सुनिश्चित करती हैं कि सरकारी योजनाएं, कल्याणकारी कार्यक्रम और नागरिक सेवाएं ग्रामीण भारत के हर कोने तक पहुंचें। बयान के मुताबिक, जल आपूर्ति, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा से लेकर डिजिटल साक्षरता और बुनियादी ढांचे के विकास तक की ये सेवाएं ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास को आकार देने और लाखों नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव : अमित शाह ने भाजपा का 'संकल्प पत्र' किया जारी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी राज्य महाराष्ट्र के लिए अपना 'संकल्प पत्र' रविवार को जारी कर दिया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और दिग्गज भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने इसको विकसित भारत और विकसित महाराष्ट्र का रोडमैप बताया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मुंबई में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी का 'संकल्प पत्र' जारी कर दिया है। इस दौरान देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा का यह संकल्प पत्र भारत और महाराष्ट्र के विकास का रोडमैप है। भाजपा जो कहती है, उसको पूरा भी करती है।

भाजपा के संकल्प पत्र की कुछ महत्वपूर्ण वादों की बात करें तो पार्टी ने किसानों के कर्ज माफी का वादा किया है। साथ ही महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए देने, वृद्धा पेंशन योजना के अंतर्गत 1,500 के बजाय 2,100 रुपए देने और महाराष्ट्र में 25 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया गया। पार्टी ने 2028 तक महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

संकल्प पत्र जारी करने के दौरान अमित शाह ने महाविकास अघाड़ी को घेरते हुए उनके नेताओं पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बनावटी मुद्दे, लंबे समय तक नहीं टिकते, उनकी चुनावी घोषणाएं लालच के लिए हैं। वहीं, भाजपा का घोषणा पत्र को लोगों की उम्मीदों का संकल्प है। हमारा संकल्प पत्र पत्थर पर खींची लकीर है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। जिनके लिए एक ही चरण में 20 नवंबर के दिन मतदान प्रस्तावित है। सभी निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजे एक साथ 23 नवंबर को सामने आएंगे। विपक्षी महागठबंधन महाविकास अघाड़ी में शामिल कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी), सत्ता पर काबिज महायुति सरकार को हटाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में
विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

एक नजर

ब्रिटिश क्वीन कैमिला की तबीयत बिगड़ी, सभी सार्वजनिक कार्यक्रम किए रद्द

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश क्वीन कैमिला के स्वास्थ्य को लेकर एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। बकिंघम पैलेस ने आज बताया कि रानी एक छाती के संक्रमण से ग्रस्त हैं और इस कारण उन्होंने इस सप्ताह के अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द का निर्णय लिया है। 77 वर्षीया कैमिला, किंग चार्ल्स III की पत्नी के रूप में यूनाइटेड किंगडम और 14 अन्य राष्ट्रमंडल क्षेत्रों की रानी हैं। पैलेस के एक प्रवक्ता ने बताया, क्वीन कैमिला वर्तमान में छाती के संक्रमण से पीड़ित हैं, जिसके लिए उनके डॉक्टरों ने उन्हें थोड़े समय के लिए विश्राम की सलाह दी है। उन्होंने यह भी कहा, इसलिए, रानी को इस सप्ताह के कार्यक्रमों से हटना पड़ा है, जिससे उन्हें बहुत दुख हुआ है। हालांकि, क्वीन कैमिला ने आशा व्यक्त की है कि वह इस सप्ताहांत हो रहे रिमेंबरेंस कार्यक्रमों में सामान्य रूप से भाग लेने में सक्षम होंगी। प्रवक्ता ने कहा, रानी इस बात की आशा करती हैं कि वह जल्दी ठीक हो जाएं ताकि वह रिमेंबरेंस कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकें। अपने स्वास्थ्य समस्या के कारण रानी ने उन सभी लोगों के प्रति खेद व्यक्त किया है जो उनके कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद कर रहे थे। प्रवक्ता ने कहा, रानी उन सभी लोगों से खेद व्यक्त करती हैं जो इस स्थिति के कारण कोई असुविधा या निराशा का सामना कर सकते हैं। बता दें कि कैमिला का पालन-पोषण इंग्लैंड के ईस्ट ससेक्स और साउथ केंसिंग्टन में हुआ और उनकी शिक्षा इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड और फ्रांस में हुई है।

यू.एस. इतिहास में पहली बार है जब दो अश्वेत महिलाएँ एक ही समय में सीनेट में सेवा देंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। डेलावेयर की यू.एस. प्रतिनिधि लिसा ब्लंट रोचेस्टर और मैरीलैंड की प्रिंस जॉर्ज काउंटी की कार्यकारी एंजेला अलसोब्रुक्स ने मंगलवार रात को अपने-अपने यू.एस. सीनेट चुनावों में जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। यू.एस. इतिहास में पहली बार है जब दो अश्वेत महिलाएँ एक ही समय में सीनेट में सेवा देंगी।अलसोब्रुक की सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने ऐसे राज्य में जीत हासिल की है जहाँ डेमोक्रेट्स का दबदबा है। उनकी जीत ने सीनेट में ब्लंट रोचेस्टर के साथ-साथ अश्वेत महिलाओं की मौजूदगी को मजबूत किया है। काउंटी कार्यकारी के रूप में अपने कार्यकाल से पहले, अलसोब्रुक प्रिंस जॉर्ज काउंटी के लिए राज्य की अटॉर्नी और पूर्व सहायक अमेरिकी अटॉर्नी थीं। कांग्रेस में डेलावेयर का प्रतिनिधित्व करने वाली ब्लंट रोचेस्टर ने रिपब्लिकन चैलेंजर एरिक हैनसेन, को हराया। ब्लंट रोचेस्टर, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए उनकी वकालत के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने पहले सदन में डेलावेयर के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में चार कार्यकाल पूरे किए। ब्लंट रोचेस्टर की जीत डेलावेयर के लिए ऐतिहासिक है। वह सदन में डेलावेयर का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली अश्वेत महिला हैं।

अबकी बार अमेरिका में भी फेल हो गये सारे चुनावी सर्वेक्षण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अबकी बार ट्रंप सरकार बनने का रुझान सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा है। स्विंग स्टेटस में ट्रंप को मिलती बढ़त देखकर कमला हैरिस के समर्थक काउंटिंग सेंटरों को छोड़कर जाने लगे हैं। दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक पूरे अमेरिका में नाचते गाते दिख रहे हैं। इस चुनाव की खास बात यह भी रही कि अमेरिका में भी चुनाव सर्वेक्षण विफल साबित हुए हैं। पहले सबने अनुमान लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर रहने वाली है और इस बार का चुनाव अमेरिकी इतिहास में सबसे करीबी मुकाबले के रूप में देखा जायेगा। लेकिन ट्रंप ने जिस तरह की निर्णायक बढ़त हासिल की है वह दर्शा रही है कि सारे अनुमान गलत साबित हुए और मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन से तंग आ गये थे। जिस तरह कमला हैरिस तगड़े चुनाव प्रचार के बावजूद करारी हार झेल रही हैं उससे यह अनुमान भी सहज ही लगाया जा सकता है कि यदि ट्रंप के मुकाबले जो बाइडन मैदान में उतरे होते तो उन्हें कितनी तगड़ी हार झेलनी पड़ती। हम आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप शुरुआती मतगणना में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस से आगे हैं। ट्रंप ने 247 निर्वाचक मंडल वोट जबकि हैरिस ने 210 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए हैं। हम आपको बता दें कि 270 या उससे अधिक निर्वाचक मंडल वोट जीतने वाला उम्मीदवार राष्ट्रपति चुना जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप के आने से इजरायल होगा ताकतवर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपना अगला राष्ट्रपति लगभग चुन लिया है। डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर के बीच डोनाल्ड ट्रंप की जीत लगभग तय है।

इस चुनाव के बाद इसका बड़ा असर चीन, ईरान जैसे कई देशों पर पड़ सकता है। चीन को अमेरिका का सबसे बड़ा आर्थिक प्रतिद्वंदी माना जाता है। अब ट्रंप पहले ही चीन के खिलाफ ट्रेड वॉर की बात कह चुके हैं। उन्होंने पिछले कार्यकाल में 250 बिलियन डॉलर के टैरिफ चीनी आयात पर लगाए थे। इस साल ट्रंप ने कहा था कि अगर वह जीत जाते हैं, तो चीनी माल पर टैरिफ 60 से 100 फीसदी बढ़ा देंगे। साथ ही डेमोक्रेट सरकार आने पर भी जो बाइडेन के कार्यकाल में लागू टैरिफ से पीछे हटने की संभावनाएं कम हैं। रूस और यूक्रेन - सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि ट्रंप प्रशासन और रिपब्लिकन नेताओं का एक वर्ग का रुझान यूक्रेन के और सैन्य सहायता देने में कम हो सकता है। ऐसे में रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन की क्षमताओं पर असर पड़ सकता है। रिपोर्टस के अनुसार, कीव युद्ध जारी रखने के लिए बड़े स्तर पर विदेशी सहायता पर निर्भर है। साथ ही ट्रंप पहले कह चुके हैं कि वह 24 घंटे में युद्ध खत्म कर सकते हैं। उनके बयान से माना जा रहा है कि वह रूस के साथ समझौते के लिए मजबूर करने के लिए यूक्रेन को मिलने वाली फंडिंग पर रोक लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि अमेरिका की मदद के बगैर यूक्रेन जमीन का बड़ा हिस्सा गंवा सकता है। ईरान -रिपोर्ट में रॉयटर्स की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया

है कि क्षेत्रीय और पश्चिमी अधिकारी मानते हैं कि ट्रंप का जीतना ईरान के लिए बुरी खबर हो सकता है। कहा जाता है कि वह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने जैसे कदमों के लिए हरी झंडी दे सकते हैं, जिसका बाइडेन ने विरोध किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, हैरिस जीतने की स्थिति में बाइडेन के तनाव कम करने के रुख को अपना सकती हैं। उन्होंने अक्टूबर में इजरायल के हमले के बाद ईरान को दिए संदेश में जवाबी कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा था और क्षेत्र में तनाव करने की बात पर जोर दिया था।

जीत के बाद ट्रम्प की रैली, कहा- भगवान ने मेरी जान इसीलिए बचाई थी

चुनाव में जीत तय होने के बाद ट्रम्प ने अमेरिका के लोगों को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा, हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। ट्रम्प ने कहा कि वे देश की सभी समस्याओं को दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाएंगे।अलास्का, नेवादा और एरिजोना में जीत हासिल करना मेरे लिए बड़ी बात है। यह अविश्वसनीय है। ट्रम्प ने कहा कि मैं अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लड़ूंगा। अगले 4 साल अमेरिका के लिए अहम हैं। ट्रम्प ने कहा भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। ट्रम्प ने कहा कि मैं अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लड़ूंगा। ट्रम्प ने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है। ट्रम्प इलॉन मस्क की तारीफ करते हुए कहा - इलॉन एक स्टार हैं। चुनाव प्रचार में उन्होंने रॉकेट की तरह उड़ान भरी है।

अमेरिकी चुनाव में भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति की जीत, लगातार दूसरी बार विजयी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनाव जारी हैं। इसी बीच खबर है कि भारतीय मूल के डेमोक्रेट उम्मीदवार राजा कृष्णमूर्ति ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल कर ली है। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार को बड़े अंतर से हराया। ताजा आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि डेमोक्रेट राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस 205 पर आगे चल रही हैं। वहीं, रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप ने 270 के जादुई आंकड़े से कुछ दूरी पर ही हैं। कृष्णमूल्ति ने इलिनॉय के 8वें कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट से लगातार दूसरी बार चुनाव जीता है। वह अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने 57.1 फीसदी वोट हासिल कर चुनाव जीता है। जबकि, रिपब्लिकन पार्टी के मार्क राइस को 42.9 फीसदी वोट मिले थे। कृष्णमूर्ति ने पहली बार साल 2016 में चुानव जीता था।

कौन हैं राजा कृष्णमूर्ति : राजा कृष्णमूर्ति का जन्म भारत में हुआ, लेकिन वह अमेरिका के बफेलो में पले-बढ़े। कांग्रेस में शामिल होने से पहले इलिनॉय के डिप्टी स्टेट ट्रेजर का पद संभाल चुके हैं। वह इलिनॉय के स्पेशल असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के पॉलिसी डायरेक्टर भी रह चुके हैं। कृष्णमूर्ति मध्यवर्गीय परिवारों के लिए नीतियों की वकालत करते हैं, जिनमें शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा शामिल है।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री गैलेंट को अचानक बर्खास्त कर काट्ज को सौंपी कमान

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार की रात एक चौंकाने वाली घोषणा की, जिसमें उन्होंने देश के प्रमुख रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को बर्खास्त करने का निर्णय लिया। यह कदम गाजा में जारी युद्ध के संदर्भ में उठाया गया है, जहां नेतन्याहू और गैलेंट के बीच कई बार मतभेद सामने आए थे। नेतन्याहू ने कहा कि गैलींट पर उनके भरोसे में कमी आई है, और इस संदर्भ में उन्होंने रक्षा मंत्री का कार्यकाल समाप्त करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा, पिछले कुछ महीनों में मेरा भरोसा समाप्त हो गया है। इसके मद्देनजर, मैंने आज उनकी बर्खास्तगी का निर्णय लिया। नेतन्याहू के इस फैसले के बाद पूरे देश में बवाल मच गया और लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए। इस बदलाव के साथ, इजराइल के विदेश मंत्री इसराइल कैट्ज को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया जाएगा। साथ ही, कैट्ज की जगह गिदोन सा'र को विदेश मंत्री बनाया जाएगा। गैलेंट की बर्खास्तगी से पहले, नेतन्याहू ने पिछले साल मार्च में उन्हें हटाने का प्रयास किया था, जिसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन किए गए थे। मंगलवार रात की घोषणा में, नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री के रूप में मेरा सर्वोच्च कर्तव्य देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। युद्ध के दौरान, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच पूर्ण विश्वास होना आवश्यक है। गैलेंट ने अपने बर्खास्त होने के तुरंत बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इजरायल की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमेशा उनके जीवन का मिशन रहेगा।

मुस्लिमों के विरोध से मिशिगन में हार गईं कमला हैरिस, ट्रंप ने हासिल की शानदार जीत

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में मिशिगन एक महत्वपूर्ण राज्य है। इसमें 15 इलेक्टोरल वोट्स हैं। यहां ऐतिहासिक रूप से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के बीच नजदीकी लड़ाई देखी जाती रही है। इस चुनाव में यहां डोनाल्ड ट्रंप बाजी मारते दिख रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि भारतीय अमेरिकी, मुस्लिम और अफ्रीकी अमेरिकी आबादी ने इस चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया है। इससे पहले यहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को समर्थन मिला था। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 में भी मिशिगन जीत लिया था, लेकिन जो बाइडेन ने 2020 में इसे फिर से डेमोक्रेट्स के पक्ष में कर लिया। वर्तमान में पारंपरिक डेमोक्रेटिक वोटरों विशेष रूप से भारतीय-अमेरिकी और मुस्लिम समुदायों में ट्रंप के समर्थन देखा जा रहा है। इस समुदाय के लोग इस बदलाव के लिए आर्थिक मुद्दों और कमला हैरिस से असंतोष को कारण बताते हैं। आपको बता दें कि दुनियाभर में ऑटो निर्माण केंद्र के रूप में प्रसिद्ध डेट्रॉइट, मिशिगन की अर्थव्यवस्था को दिशा देता है। यहां के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, खासकर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में कई नौकरियां उत्पन्न होती हैं। यहां के श्रमिकों की अपनी चुनावी महत्ता है। मिशिगन में मुस्लिमों की अच्छी खासी आबादी है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में खेल पलटते ही एलन मस्क ने कर दिया नया धमाका, सोशल मीडिया पर मच गई खलबली

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वो चाहते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ही अमेरिकी राष्ट्रपति बने। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर अमेरिका में अर्थव्यवस्था की हालत बहुत ही खस्ता हो जाएगी। अब एलन मस्क ने एक तस्वीर पोस्ट की है। इसमें वो ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। इस तरह की कई सारी तस्वीरें इस चुनाव के दौरान देखने को मिली थी। आज जब वोटों की गिनकी हो रही है तब भी इस तरह की तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया और पेंसिल्वेनिया के प्रमुख युद्ध के मैदानों में डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को पछाड़ दिया, और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के करीब पहुंच गए। एलन मस्क ने एक फोटो ट्वीट की है। मस्क की शेयर की गई फोटो में वो ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे हैं। ट्रंप अपने समर्थकों के साथ नतीजे देख रहे हैं। इससे पहले एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वो चाहते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ही अमेरिकी राष्ट्रपति बने। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर अमेरिका में अर्थव्यवस्था की हालत बहुत ही खस्ता हो जाएगी। अब एलन मस्क ने एक तस्वीर पोस्ट की है। इसमें वो ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। इस तरह की कई सारी तस्वीरें इस चुनाव के दौरान देखने को मिली थी। आज जब वोटों की गिनकी हो रही है तब भी इस तरह की तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क

लगातार ट्रंप के पक्ष में बोलते नजर आएं हैं। उन्होंने कहा कि ये जीत अमेरिका में होनी बहुत जरूरी है और ये लोकतंत्र के लिए व देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद जरूरी है। जैसे जैसे ट्रेंड सामने आने लगे शेयर बाजार में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। सेंसेक्स 80 हजार के आंकड़े को पार कर चुका है। अब इसे बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के नतीजे और ट्रेंड को देखने के बाद का वो रिफलेक्शन है। तो अंतरराष्ट्रीय बाजार किस ओर जाएगा और इसका भारतीय शेयर बाजार पर कितना होगा इन बातों पर भी सबकी नजर है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्विंग राज्य जॉर्जिया में जीत हासिल की। ट्रंप की इस जीत के साथ 16 निर्वाचक मंडल वोट रिपब्लिकन पार्टी की झोली में फिर से आ गए। 'स्विंग' राज्य उन्हें कहा जाता है जहां मतदाताओं की राय बदलती रहती है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2020 में जॉर्जिया में बेहद कम अंतर से जीत हासिल की थी। हालांकि 1996 के बाद से हर दूसरे राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी जॉर्जिया में जीतती आई है। ट्रंप ने जॉर्जिया में अपनी 2020 की हार को पलटने की कोशिश की थी जिससे एक राजनीतिक और कानूनी संघर्ष शुरू हो गया और राज्य में उनके खिलाफ अभियोग चलाया गया।

अमेरिकी चुनाव में गूगल को बनाएं विश्वसनीय स्त्रोत: सुंदर पिचाई

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। व्हाइट हाउस की रेस निर्णायक मतगणना चरण में प्रवेश कर चुकी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच इस मुकाबले को लेकर गूगल की भूमिका अहम बनी हुई है। इसी बीच अल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कंपनी के कर्मचारियों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि हमारे द्वारा बनाए गए उत्पाद जानकारियों के विश्वसनीय स्त्रोत पर आधारित हों। ताकि गूगल के हर यूजर तक सही जानकारियां पहुंच सके। कर्मचारियों को भेजे गए मेमो में पिचाई ने कहा कि मतदाता जिस पर भी वोटर्स भरोसा जताते हैं, आइए एक बार अपनी भूमिका को याद करें, जिसे हम उत्पादों के जरिए अपने कार्य के साथ निभाते हैं। हमें अलग-अलग बैकग्राउंड और बिलीफ से आने वाले लोगों के लिए सूचनाओं के एक विश्वसनीय स्त्रोत के रूप में काम करना होगा। उन्होंने मेमो में आगे लिखा, हमें अपना काम बेहतर बनाए रखना होगा और इस कड़ी में यह बेहद जरूरी है कि सभी लोग कम्युनिटी गाइडलाइन्स और

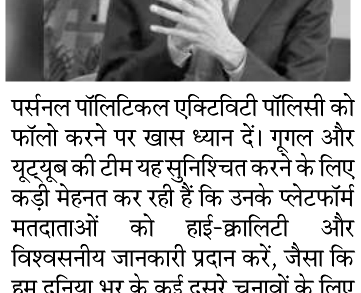

पर्सनल पॉलिटिकल एक्टिविटी पॉलिसी को फॉलो करने पर खास ध्यान दें। गूगल और यूट्यूब की टीम यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं कि उनके प्लेटफॉर्म मतदाताओं को हाई-क्वालिटी और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करें, जैसा कि हम दुनिया भर के कई दूसरे चुनावों के लिए करते आए हैं। पिचाई ने आगे कहा, वास्तव में, इस वर्ष दर्जनों देशों में बड़े और महत्वपूर्ण चुनाव हुए हैं, फ्रांस से लेकर भारत, ब्रिटेन से लेकर मैक्सिको तक और कई अन्य देशों में, 2024 में एक अरब से अधिक लोग वोट डालेंगे। दूसरे चुनावों की तरह, इस चुनाव का परिणाम दुनिया भर में रहने वाले लोगों के लिए उनके लिविंग रूम और दूसरी जगहों पर चर्चा का एक प्रमुख विषय होगा। निश्चित रूप से, इस चुनाव के नतीजों के बाद के परिणाम भी बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं। पिचाई ने विस्तार से बताया, चुनाव के बाद भी हमारा काम दुनिया भर की जानकारियों को व्यवस्थित करने और इन्हें सभी लोगों की पहुंच तक बनाए रखना होगा। इस कड़ी में एआई ने हमें इस खास मिशन के लिए प्रगति करने, बेहतरीन उत्पाद बनाने, साझेदारी बनाने और इनोवेशन को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान देने का एक शानदार अवसर दिया है। हम इस पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक सर्वश्रेष्ठ स्तर पर अपनी कंपनी को देखते हैं। इससे पहले, मेटा ने 5 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद भी फेसबुक और इंस्टाग्राम पर नए राजनीतिक विज्ञापनों पर प्रतिबंध बढ़ाने की घोषणा की थी। अपने राजनीतिक विज्ञापन नीति अपडेट में, मेटा ने नए राजनीतिक विज्ञापनों पर प्रतिबंध को मंगलवार तक बढ़ा दिया है।

इजरायली ठिकानों पर किए 6 ड्रोन अटैक, इराकी मिलिशिया का दावा

बगदाद, एजेंसी। इराक में शिया मिलिशिया ग्रुप इस्लामिक रेजिस्टेंस ने मंगलवार को इजरायली ठिकानों पर छह ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली। बयानों के अनुसार, ग्रुप के लड़ाकों ने उत्तरी इजरायली शहर हाइफा में महत्वपूर्ण स्थलों पर तीन ड्रोन हमले किए, इसके अलावा तीन अन्य स्थानों को भी निशाना बनाया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बयानों में लक्षित स्थलों के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई और न ही किसी हताहत की सूचना दी गई। ग्रुप ने कहा कि हमले फिलिस्तीन और लेबनान में हमारे लोगों के साथ एकजुटता में किए गए। इसने दुश्मन के गढ़ों को बढ़ती गति से निशाना बनाना जारी रखने का संकल्प लिया। 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के शुरू होने के बाद से, इराक में इस्लामिक रेजिस्टेंस ने गाजा में फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन दिखाने के लिए इस क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर बार-बार हमला किया है। 23 सितंबर को लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल द्वारा हमले तेज करने के बाद मिलिशिया ने इजरायल पर अपने हमले तेज कर दिए। बता दें 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे

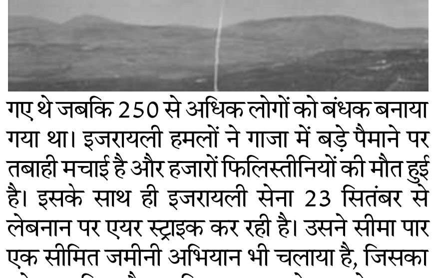

गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है। इजरायली हमलों में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह समेत कई कमांडरों की मौत हो गई और उसके कई ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि लेबनानी ग्रुप भी इजरायल पर मिसाइलें दाग कर पलटवार कर रहा है। 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे। नवीनतम घटनाक्रम इसी संघर्ष का विस्तार है।

लेबनान को मानवीय मदद पहुंचाना जारी: संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां और साझेदार, लेबनान में संकटग्रस्त लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाना जारी रखे हुए हैं। यह जानकारी यूएन चीफ के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दी। नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए यूएन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने सोमवार को लेबनान के टायर में बुर्ज शिमाली फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में मेडिकल सप्लाई और जनरेटर के लिए ईंधन पहुंचाया। एक मानवीय काफिले ने बालबेक-एल हर्मेल क्षेत्र में स्थित लैबवेह के एक हेल्थ केयर सेंटर में मेडिकल सप्लाई, दवा और हाइजीन किट भी पहुंचाई।

इस बीच, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) अपनी आपातकालीन सहायता के साथ-साथ नियमित पहलों के जरिए देश में 2 मिलियन से अधिक कमजोर लोगों तक पहुंच चुका है। डब्ल्यूएफपी सीमा पार करके सीरिया में भाग रहे लेबनानी और सीरियाई लोगों को भी खाद्य सहायता प्रदान कर रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर लगभग 387,000 लेबनानी बच्चों को धीरे-धीरे शिक्षा की ओर वापस लाने में मदद कर रहा है, जिनमें शेल्टर और युद्ध से प्रभावित समुदायों में रहने वाले बच्चे भी शामिल हैं।

यह पहल आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शेल्टर के रूप में उपयोग नहीं किए जाने वाले 326 सार्वजनिक स्कूलों को खोलना और संचालित करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लेबनान में स्कूली बच्चों की शिक्षा तक पहुंच हो।

मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने चेतावनी दी है कि देश में मानवीय स्थिति 2006 के युद्ध की गंभीरता से भी अधिक गंभीर स्तर पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लगातार हमलों का सामना कर रहा है, सुविधाएं, कर्मचारी और संसाधन गोलीबारी में फंसे हुए हैं। लेबनान के पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य ढांचे पर और दबाव पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता ने कहा, हमारे मानवीय सहयोगियों को डर है कि बढ़ती शत्रुता और मानवीय स्थिति के बिगड़ने के बीच, भोजन, दवा, शेल्टर और अन्य जरूरी सप्लाई की मांग बढ़ रही है। उन्होंने मदद को जारी रखने के लिए तत्काल धन की आवश्यकता पर बल दिया। अक्टूबर की शुरुआत में 426 मिलियन डॉलर की मानवीय अपील शुरू की गई थी, जिसका अभी तक सिर्फ 19 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि अभी तक सिर्फ 80 मिलियन डॉलर ही मिले हैं। प्रवक्ता ने देशों से न सिर्फ वचन देने बल्कि वचन को जल्द से जल्द नकद में बदलने की अपील की। इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है। इजरायली हमलों में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह समेत कई कमांडरों की मौत हो गई और उसके कई ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि लेबनानी ग्रुप भी इजरायल पर मिसाइलें दाग कर पलटवार कर रहा है। 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे। नवीनतम घटनाक्रम इसी संघर्ष का विस्तार है।

कांग्रेस पार्टी ने 'आप' के खिलाफ 'दिल्ली न्याय यात्रा' की शुरूआत की

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तरह ही विधानसभा चुनावों से पहले दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में आज से दिल्ली में न्याय यात्रा का आगाज हुआ। दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में कांग्रेस ने आज एक महीने तक चलने वाली दिल्ली न्याय यात्रा की राजघाट से शुरू की। यात्रा दिल्ली अलग-अलग क्षेत्रों में जाएगी। यात्रा की शुरूआत से पहले प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने झंडा फहराया और सेवादल की टीम के साथ वंदेवातरम गायन भी हुआ और दिल्ली न्याय यात्रा का थीम सांग भी लॉच किया गया।

श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि बापू ने सिखाया है अन्याय के खिलाफ लड़ना और उन्हीं के दिखाए रास्ते पर हम चलेंगे। श्री यादव ने कहा कि यात्रा का मकसद दिल्ली वालों की समस्याओं को उजागर करके उनके स्थायी उपाय के लिए रास्ता प्रशस्त करना, जिसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ता यात्रा के जरिए पूरी दिल्ली के घर के दरवाजे तक दस्तक देगा और भ्रष्टाचारी आम आदमी पार्टी की विफलता को उजागर करेंगे। हजारों कांग्रेस कार्यकताओं के साथ कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखु, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौपड़ा, चौ. अनिल कुमार, पूर्व सांसद डॉ. उदित राज, कांग्रेस सचिव दिल्ली प्रभारी दानिश अबरार और सुखविन्दर सिंह डैनी बदाला, कांग्रेस एस.एसी. विभाग के चेयरमैन राजेश लिलौठिया सहित सभी पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पार्षद, मुख्य रुप से मौजूद थे। दिल्ली न्याय यात्रा राजघाट से शुरू हुई और दिल्ली गेट होते हुए आसफ अली रोड़, तुर्कमान गेट, सीताराम बाजार, हौज काजी चौक, कटरा बारियान से होते फतेहपुरी पहुँचकर यात्रा का समापन हुआ। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा का एकमात्र उद्देश्य दिल्ली के लोगों को न्याय दिलाना और 11 वर्षों के अरविन्द केजरीवाल सरकार के कुशासन, झूठ और भ्रष्टाचार के बारे में बताना है। उन्होंने कहा कि 15 वर्षों में कांग्रेस सरकार के शासन के दौरान दिल्ली को विश्व स्तरीय शहर बनाया था आम आदमी पार्टी ने राजधानी दिल्ली को बर्बाद कर दिल्लीवासियों को पूरी तरह से बदहाल बना दिया है। केजरीवाल सरकार ने महिलाओं, युवाओं, छात्रों, बुजुर्गों, किसानों, व्यापारियों, गरीबों, दलितों, वंचितों, पिछड़ों, निम्न तथा मध्यम वर्ग के साथ अन्याय किया। मुख्यमंत्री रहते हुए केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के कीर्तिमान बनाएं है और शराब घोटाले के कारण स्वयं अरविन्द केजरीवाल, उनके उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, मंत्री सत्येन्द्र जैन और सांसद संजय सिंह को जेल में डाल दिया गया, इसके अलावा लगभग 30 आम आदमी पार्टी विधायकों को विभिन्न आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ा और कई जेल भी गए। श्री यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन और जनलोकपाल की बात करने वाले अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को नशे का बाजार बना दिया। श्री यादव ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक निवासी को यात्रा से जोड़ने का प्रयास करेगी। दिल्लीवालों की समस्याओं को की उनसे चर्चा कर आम आदमी पार्टी की विफलाताओं को जनता के बीच उजागर करेगी। कांग्रेस पार्टी दिल्ली की जनता के विकास और समृद्धि को वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। आम आदमी पार्टी के शासन में जहां महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं पर अत्याचार, ध्वस्त कानून व्यवस्था, बिगड़ती परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था ने रिकार्ड तोड़े है वहीं जल और वायु प्रदूषण ने दिल्ली वालों को जहरीली वातावरण में जीने के लिए मजबूर कर दिया है। एक्यूआई गंभीर स्तर से भी अधिक पहुँच रहा है और सरकार लाचार नजर आती है। आम आदमी पार्टी के पास दिल्ली की ज्लवंल और सामान्य समस्याओं का कोई स्थाई हल नही है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने अपने शासन में राजधानी को किरोसीन मुक्त करने के साथ पूरी परिवहन व्यवस्था को सीएनजी युक्त करके विश्व में एक मिसाल पैदा की थी और पूरे 15 वर्ष लगातार ग्रीन कवर बढ़ाकर पर्यावरण को शुद्ध करके प्रदूषण पर नियंत्रण रखा था। अजय माकन ने कहा कि दिल्ली न्याय यात्रा महिला के खिलाफ अत्याचार, बदहाल कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार के खिलाफ न्याय की लड़ाई, दिल्लीवालों की आवाज उठाने के लिए निकाली जा रही है। आम आदमी पार्टी के 11 वर्षो ने बनी बनाई दिल्ली को भ्रष्टाचार, बदहाली और जनता के प्रति निष्क्रियता के चलते राजधानी को बर्बाद कर दिया है। ईमानदारी की बात करने वाले, 10 रुपये का पैन और हवाई चप्पल पहनने वाले अरविन्द केजरीवाल ने जहां दिल्ली को नशे की राजधानी बना दिया वहीं अपनी सुविधा अनुसार शीश महल बनाकर दिल्ली की जनता 171 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि डीटीसी, जल बोर्ड, बिजली, पीडब्ल्यूडी, शिक्षा, स्वास्थ्य और शराब घोटाला करके दिल्ली पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में महंगाई और बेरोजगारी से परेशान दिल्ली की जनता को न्याय दिलाने के न्याय यात्रा निकाली जा रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मेट्रो का कितना काम हुआ है केजरीवाल के पास इसका कोई जवाब नही है जबकि दिल्ली में मेट्रो परियोजना शुरू करके कांग्रेस ने दिल्लीवालों को एक सुगम परिवहन व्यवस्था की सौगात दी है।

धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व, भाजपा प्रवक्ता अनुजा कपूर ने की क्षेत्रवासियों संग पूजा अर्चना

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। देशभर में छठ महापर्व का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ किया गया। दिल्ली के मॉडल टाउन के संगम पार्क स्थित रामलीला मैदान में भी क्षेत्रवासियों ने धूमधाम से इस पावन पर्व का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं, विशेष रूप से महिलाओं ने हिस्सा लिया। छठ पूजा के दौरान वहां उपस्थित लोगों में खासा उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता अनुजा कपूर ने भी संगम पार्क के क्षेत्रवासियों के साथ पूरे रीति-रिवाज और जोश के साथ छठ महापर्व मनाया। वहां उपस्थित महिलाओं ने उन्हें छठ मैया के पर्व का महत्व बताया और उन्हें सिंदूर लगाकर आशीर्वाद दिया। अनुजा कपूर ने भी पूजा-अर्चना कर सभी को आशीर्वाद दिया और क्षेत्र की उन्नति की कामना की। इस मौके पर अनुजा कपूर ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिवाली और छठ जैसे हिन्दू त्योहारों को भी राजनीति से जोड़ दिया है, जिससे लोगों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की नाकामी का आलम यह है कि छठ जैसे महापर्व पर भी लोगों को पार्क में पानी के टैंकर मंगवाकर पूजा करनी पड़ रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता यहां के विधायक और सरकार को बदलने का मन बना चुकी है।

छठ महापर्व के समापन पर सीएम आतिशी ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। छठ महापर्व शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही समाप्त हो गया। इस महापर्व को मनाने के लिए दिल्ली में भी सरकार ने जगह-जगह छठ घाट बनाए थे और तैयारी की थीं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार शाम को शाम को छठ मनाने वाले व्रतियों के साथ पूजा की थी। शुक्रवार सुबह भी आतिशी ने इस महापर्व के समापन पर सभी को बधाई दी है। आतिशी ने सोशल मीडिया के जरिए कई तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, सूर्योदय के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर 4 दिन का छठ महापर्व संपन्न हुआ। इस दौरान कालकाजी विधानसभा के विभिन्न घाटों पर भव्यता से आयोजित हो रहे इस महापर्व में शामिल होकर श्रद्धालुओं के बीच जो श्रद्धा और आस्था देखी, वह अविस्मरणीय है। छठी मैया सभी की मनोकामनाएं पूरी कर उनके जीवन को सुख-समृद्धि और खुशियों से भर दें। जय छठी मैया की। गौरतलब है कि दिल्ली की सीएम आतिशी ने गुरुवार शाम को बाल मुकुंद खंड, गिरी नगर में पूर्वांचली बंधुओं के साथ छठी मैया की पूजा की थी और सभी के सुख-समृद्धि,अच्छे स्वास्थ्य की कामना की थी। उस समय उन्होंने कहा था, ह्लदिल्ली सरकार ने दिल्ली के हर हिस्से में भव्य घाट बनाए ताकि पूर्वांचली भाई-बहनों को कभी ऐसा ना लगे कि वो अपने घर, अपने गांव से दूर हैं। दिल्ली भी उनका ही घर है। आतिशी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता अपने-अपने विधानसभा इलाकों में छठ पूजा में शामिल हुए और लोगों के साथ पूजा अर्चना की। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा के लिए अलग-अलग जगह पर करीब 1000 से ज्यादा घाट बनाए थे। जिनमें पहुंचकर लोगों ने छठ पर्व को मनाया।

विशाल एलईडी स्क्रीन पर रात भर रही छठ गीतों भोजपुरी फिल्मों की धूम

मनोज तिवारी के गीतों पर झूमे लोग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। सोनिया विहार के ढाई पुस्ता यमुना तट पर उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी की ओर से छठ वृतियों के सहायता सेवा शिविर का आयोजन किया गया। सेवा शिविर का आयोजन भाजपा नेता आनंद त्रिवेदी ने किया।

इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी के अलावा जिला अध्यक्ष पूनम, उपाध्यक्ष योगेंद्र राजोरा चौहान, मंडल अध्यक्ष राजेश राज, जयदत्त शर्मा, भाजपा नेता अनुपम पांडे, सुरेंद्र साहू, लक्ष्मण सिंह, बोला ठाकुर, विक्रम सिंह, अधिवक्ता अनिल पांडे, सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष केपी सिंह सहित कई सामाजिक संस्थाओं के लोगों ने भाग और छठ वृतियों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी ने कई छठ गीत गाकर मौजूद छठ वृत्तियों से जुड़ने का सार्थक प्रयास किया। इस अवसर पर रात्रि विश्राम करने वाले सैकड़ो वृतियों और छठ घाट पर उपस्थित हजारों लोगों को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आज जब सारे संसार में महापर्व छठ की व्यवस्था कर प्रशासनिक संस्थाएं करोड़ों भारतीयों से आशीर्वाद लेकर जन कल्याण की कामना कर रही है, तब दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार राजनीतिक हित साधने के लिए महापर्व छठ को ही निशाना बना रही है। उन्होंने कहा दिल्ली के पास कई किलोमीटर लंबा यमुना का छठ घाट है फिर भी कृत्रिम घाटों का निर्माण कर नासिर पैसे की बबार्दी की जा रही है बल्कि सरकार भ्रष्टाचार की गुंजाइश पैदा कर रही है।

दिल्ली सरकार के जन सुविधा परिसर बदहाली के शिकार, बीमारियां फैलने का खतरा : विजेंद्र गुप्ता

नेता प्रतिपक्ष ने कृष्णा नगर विधानसभा की स्लम बस्तियों में बने जन सुविधा परिसर का किया औचक निरीक्षण

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार के ह्यदिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) द्वारा संचालित जन सुविधा परिसरों की दुर्दशा पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया है। दिल्ली की स्लम बस्तियों और झुग्गी झोपड़ी वाले क्षेत्रों में वहां के लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए ये जन सुविधा केंद्र भारी अव्यवस्था, गंदगी और लापरवाही का शिकार हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कृष्णा नगर विधानसभा में स्थित 'जन सुविधा परिसर' का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस परिसर में बने शौचालय की स्थिति इतनी भयंकर और बदबूदार है कि नाक पर रुमाल लगाए बिना दो मिनट भी यहां खड़ा होना मुमकिन नहीं है। ऐसे में कल्पना कीजिये कि गरीब लोग कैसे इस परिसर का इस्तेमाल करते होंगे। गुप्ता ने बताया कि परिसर में लगे नलों में पानी तक नहीं है, सीवर जाम पड़ा है, महिला शौचालय में दरवाजा तक नहीं है, वाश बेसिन टूटा पड़ा है, हाथ धोने की व्यवस्था नहीं है, पानी की टंकी नहीं है। इस परिसर में शौच और नहाने आदि की व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाती है, लेकिन यहां की स्थिति इतनी नारकीय हो चुकी है कि यहां के निवासी इसका इस्तेमाल ही नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डूसिब द्वारा दिल्ली की स्लम बस्तियों में बनाये गए सभी जन सुविधा परिसरों की स्थिति बहुत खराब है। नेता प्रतिपक्ष ने आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि दिल्ली की जनता के टैक्स के पैसे पर ऐशोआराम की जिंदगी जीने के लिए केजरीवाल ने अपने शीशमहल में रिमोट से चलने वाली 12-12 लाख की कमोड सीटें लगवा ली, लेकिन गरीबों के लिए बनवाये गए शौचालयों की दुर्दशा पर न तो केजरीवाल, न ही उनका कोई मंत्री और न ही कोई अफसर ध्यान दे रहा है। ये शौचालय इतने गंदे हैं कि इनका इस्तेमाल करना ही संभव नहीं है। महिलाओं के लिए रात में इनका प्रयोग बिल्कुल असुरक्षित है। इसके सीवर का ऑउटफाल सेप्टिक टैंक में है, लेकिन सैप्टिक टैंक की सफाई ना होने के कारण सीवर ओवर फ्लो होकर परिसर में भारी बदबू और गंदगी का सबब बन रहा है।

बेहद सकारात्मक है कविता के प्रति युवाओं में उत्साह: प्रो. बलराम पाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय कल्चर काउंसिल एवं हिन्दवी द्वारा स्वरचित हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता कैम्पस कविता कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को उत्तरी परिसर स्थित कांफ्रेंस सेंटर में हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह के प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणी ने जीवन में कविता के महत्व को रेखांकित करते हुए इस विशेष कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कल्चर काउंसिल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कविता के प्रति युवाओं में इस तरह का उत्साह बेहद सकारात्मक है। कल्चर काउंसिल के अध्यक्ष अनूप लाठर ने जीवन में सृजनात्मकता की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों से रचनाशील बने रहने और पूरे विश्वास के साथ लेखन का अभ्यास करने का आह्वान किया। कल्चर काउंसिल के अधिष्ठाता प्रो. रविंदर कुमार ने अपने स्वागत उद्बोधन में 'कैम्पस कविता' प्रतियोगिता की पूरी प्रक्रिया और उसके महत्व को स्पष्ट करने के साथ ही कल्चर काउंसिल की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से भी परिचित कराया। उन्होंने कविता के वर्तमान परिदृश्य और उसमें युवाओं की इतनी बड़ी भागीदारी को बेहद खास बताया। समारोह के दूसरे सत्र की अध्यक्षता दक्षिणी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने की। उन्होंने कहा कि कविता संस्कृति एवं राष्ट्र की प्रोन्नति में बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस संदर्भ में उन्होंने कविता में देश राग, लोक तत्त्व आदि के महत्व पर विस्तार से अपनी बातें रखीं।

आप सरकार ने दिल्ली में किया भव्य छठ पूजा का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने भाजपा की तमाम बाधाओं को विफल करते हुए दिल्ली में चार दिन की भव्य छठ पूजा का आयोजन किया. आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह का कहना है कि भाजपा की कोशिश थी कि पूर्वांचली दिल्ली में अच्छे से छठ न मना पाएं. इन्होंने कई जगह छठ घाट बनने से रोका, पूर्वांचलियों पर लाठी चार्ज कराई, लेकिन केजरीवाल के नेतृत्व में आप सरकार ने छठ पूजा के शानदार इंतजाम किए. सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह त्योहार सिर्फ पूर्वांचल और उत्तर भारत तक सीमित नहीं रह गया है. बल्कि देश के अलग-अलग कोनों में छठ का महापर्व मनाया जाता है. मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार के द्वारा दिल्ली में जिस प्रकार से दस साल से छठ घाटों, छठ पूजा का इंतजाम कराया गया. उसके कारण उत्तर प्रदेश, हरियाणा के भाई-बहन भी दिल्ली के घाटों में आकर छठ पूजा में शामिल हुए. संजय सिंह ने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल की सरकार दिल्ली में नहीं बनी थी. उस वक्त छठ की पूजा करने के लिए यहां सिर्फ 60 घाट होते थे. लेकिन पिछले दस सालों में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रयास से आज 1800 घाट ऐसे बने हुए हैं, जहां छठ पूजा संपन्न हो रही है. 2014 में दिल्ली में 60 घाट थे और आज 1800 घाट हैं. आप सरकार पिछले 10 साल से छठ पूजा का आयोजन कर रही है. संजय सिंह ने कहा, "आप कल्पना कीजिए कि हमने इस पूर्वांचलियों के स्वाभिमान, सम्मान और उनके सबसे बड़े पर्व को कितने अच्छे ढंग से आयोजित करने का इंतजाम दिल्ली में किया. मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि यह छठ की पूजा भाजपा की तमाम बाधाओं के बावजूद अच्छे ढंग से दिल्ली में संपन्न हो गई. लगभग 150 ऐसे घाट हैं, जहां पर सरकार के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया. हम लोग सभी धर्मों, वर्गों का सम्मान करते हैं. देश की राजधानी दिल्ली में रहने वाले उत्तर भारतीयों, पूर्वांचलियों का सम्मान करते हैं. आम आदमी पार्टी सही मायनों में सबकी पार्टी है, जो सबके हितों के हिसाब से काम करती है."

एक नजर

छठ पर दिल्ली में देखी गई अव्यवस्था की जांच जरूरी : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि 4 दिन के छठ महोत्सव के दौरान दिल्ली के छठ घाटों पर देखी की अव्यवस्था पहले कभी नही देखी गई और इस सब की जांच आवश्यक है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा की आज अनेक अखबारों ने चित्र छापे जिनमे छठ व्रती झागदार पानी मे उतर कर पूजा कर रहे या दूसरी ओर समाचार है की अनेक अस्थाई घाटों में बनाये तालाबों मे पूरा पानी भी नही भरा गया। इन दृश्यों को देखकर दिल्ली वाले शर्मिंदा हैं। दिल्ली भाजपा ने कहा कि कल शाम हमे शिकायत मिली की वजीरपुर सहित अनेक विधानसभाओं में विधायकों के भ्रष्टाचार के चलते कुछ घाटों को बिजली कनेक्शन नही मिले तो वहीं अधिकांश विधानसभाओं से छठ समितियों की शिकायतें आ रही हैं की टेंट ठेकेदारों ने पूरा सामान नही दिया तो पेयजल संकट की तो दिल्ली सरकार ने किसी भी स्थाई अस्थाई घाट पर व्यवस्था ही नही की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा की जो अव्यवस्था इस वर्ष छठ घाटों पर देखी गई वैसी ही अव्यवस्था हमने इस वर्ष कांवड़ शिविरों में दिल्ली सरकार की ओर से देखी थी।

हत्या के मामले में भगोड़ा हल्द्वानी से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंद्रपुरी थाना में हत्या के मामले में वांछित भगोड़ा घोषित बदमाश को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान इंदरपुरी निवासी विक्रम के रूप में हुई है जो वर्ष 2022 से फरार था। उसे उत्तराखंड के हल्द्वानी से गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त सतीश कुमार ने बताया कि 25 अप्रैल 2022 को विक्रम ने साथियों के साथ मिलकर इंद्रपुरी के परवेश की मामूली कहासुनी पर चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। इस मामले में इंदरपुरी में रिपोर्ट दर्ज की गई और स्थानीय पुलिस ने पांच संदिग्ध को गिरफ्तार किया और मास्टरमाइंड आरोपित विक्रम 2022 से फरार था। आरोपित को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की टीम का गठन किया गया।

कांग्रेस नेता बताए कैसे यकीन करें की वह फिर से आम आदमी पार्टी से गठबंधन नही करेंगे : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख एवं प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता जिस तरह आज न्याय यात्रा निकाल कर आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार कुशासन के विरूद्ध बोल रहे हैं उसको देख दिल्ली वाले स्तब्ध हैं। दिल्ली वाले अभी भूले नही हैं की दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव वो नेता हैं जिन्होने लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन करवाया था और चुनाव प्रचार में रात दिन अरविंद केजरीवाल का गुणगान किया था पर चुनाव में दिल्ली वालों द्वारा नाकारे जाने के बाद इन्होने फिर "आप" पार्षद आरोप लगाना शुरू कर दिया। दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख ने कहा कि दिल्लीवाले न्याय यात्री कांग्रेस नेताओं से जानना चाहते हैं की वह कैसे यकीन करें की वह फिर से आम आदमी पार्टी से गठबंधन नही करेंगे। श्री कपूर ने कहा कि दिल्ली वाले 2025 के चुनाव में भाजपा को चुनने का मन बना चुके हैं चाहें अब कांग्रेस केजरीवाल अलग अलग लड़ें चाहें गठबंधन में, अब आयेगी तो भाजपा।

सड़क हादसे में स्कूटीसवार की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। नंद नगरी इलाके में मंडोली जेल के गेट संख्या दो के पास एक अज्ञात वाहन ने स्कूटीसवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आरोपी वाहनचालक मौके से फरार हो गया। जबकि घायल को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में गत शनिवार चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी 40 वर्षीय राजकुमार के रूप में हुई है। पुलिस मामला दर्ज करने के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर व स्थानीय लोगों से पूछताछ कर आरोपी वाहन व चालक के पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार को नंद नगरी थाना पुलिस को मंडोली जेल के पास सड़क हादसे की सूचना मिली। इसी बीच इलाके में गश्त पर मौजूद पुलिस मौके पर पहुंची तो एक स्कूटीसवार अचेत हालत में पड़ा मिला। उसे तत्काल ईआरवी वैन से अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके साथ ही दुर्घटनास्थल पर क्राइम व एफएसएल की टीमों को भी जांच के लिए बुलाया गया इनकी टीमों ने मौके से सभी जरूरी सुराग जुटा लिए। हालांकि तब तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी, लेकिन उसकी उम्र करीब 40 साल बताई गई। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कूटी को जब्त कर लिया। बाद में मृतक का भाई जय कसाना पुलिस के पास पहुंचा और उसने मृतक की पहचान राजकुमार के रूप में की। फिलहाल पुलिस आरोपी अज्ञात वाहनचालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

जबरन वसूली को लेकर गोलीबारी में बदमाश रंगे हाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। गोकलपुरी पुलिस ने गुरुवार को जबरन वसूली में एक शख्स के घर के बाहर गोलीबारी करने वाले बदमाश को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राकेश पावरिया ने बताया कि आरोपी की पहचान सैकुल उर्फ सैकुल के रूप में हुई है। इस पर हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। इसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल तमंचा व मोबाइल फोन के अलावा एक कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को थाने में चमन पार्क स्थित एक घर में गोलीबारी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार की टीम मौके पर पहुंची और शिकायतकर्ता मोहम्मद अरशद से मिली। अरशद ने बताया कि उसके एक परिचित सैकुल ने बुधवार को उसे कॉल कर धमकाया था। इसके गुरुवार को वीडियो कॉल कर 40 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। इसके साथ ही धमकाने के लिए अरशद को वीडियो कॉल पर उसका घर व गली दिखाई। इसी बीच अरशद का भाई अनस खिड़की से थूकने के लिए मुंह बाहर निकाला तो आरोपी ने तीन राउंड गोलियां चला दीं। इसी बीच हेड कांस्टेबल दयानंद मौके से गुजर रहा था और भीड़ देखकर तत्काल आरोपियों का पीछा कर सैकुल को पिस्टल समेत रंगे हाथ दबोच लिया। फिलहाल पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण से हो रही पाचन संबंधी बीमारियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में अब वायु प्रदूषण भयावह रूप धारण करता जा रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, यहां रहने वाले लोगों में इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) और इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज (आईबीडी) जैसी पाचन संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं। बुधवार को दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी 301 से 400 के बीच रही, जो कई जगह गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, सुबह 7:30 बजे तक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 था। बवाना (412), मुंडका (419), एनएसआईटी द्वारका (447) और वजीरपुर (421) जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 400 को पार कर गया, जो गंभीर स्तर है। वायु प्रदूषण से श्वसन से लेकर हृदय संबंधी, चयापचय और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य तक की समस्याएं हो सकती हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकता है। नई दिल्ली स्थित एम्स में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. हर्षल आर. साल्वे ने बताया, लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने से मुक्त कण सक्रिय होते हैं, जिससे इंफ्लेमेटरी प्रतिक्रियाएं होती हैं।

विधानसभा में अनुच्छेद 370 पर बवाल, गहरी हुई राजनीतिक खाई, NC, BJP और PDP में खींचतान बढ़ी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 की बहाली पर लाए गए प्रस्ताव पर सत्तापक्ष और विपक्ष में हंगामा हुआ, बढ़ती खाई ने जम्मू और कश्मीर के बीच विभाजन को और गहरा किया।

विधानसभा में अनुच्छेद 370 की बहाली पर लाए गए प्रस्ताव पर मचे बवाल से जम्मू और कश्मीर में खाई गहरी होती नजर आ रही है। विधानसभा में उमर सरकार के विशेष दर्जे के प्रस्ताव के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में हंगामा जारी है। हालांकि अनुच्छेद 370 और 35 ए से बचते हुए नेकां ने विशेष दर्जे का प्रस्ताव लाकर कश्मीर केंद्रित वोटरों में अपनी जगह बनाने की कोशिश की है तो भाजपा इसे अनुच्छेद 370 और 35 ए से जोड़कर जम्मू संभाग में डंका बजा रही है।

आगामी पंचायती और स्थानीय निकाय चुनाव में भी सभी प्रमुख दल अपने वोट बैंक को बनाकर रखना चाहते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ इसे सिर्फ राजनीति मान रहे हैं। उनका कहना है कि विधानसभा में जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर दोनों प्रमुख दलों को आपसी संवाद और सहमति से काम करना जरूरी है। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ पत्रकार राजू केरनी का कहना है कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार के इस पहले विधानसभा सत्र को ऐतिहासिक माना जा रहा था, लेकिन पूरे सत्र में जनता से जुड़े मुद्दों पर कोई गंभीर चर्चा होती नहीं दिखी है।

नेकां ने अपने चुनावी वादों को पूरे करने के लिए अनुच्छेद 370 और 35 ए को पीछे छोड़कर विशेष दर्जे का प्रस्ताव पारित करवाकर कश्मीर की अवाम के सामने अपना काम पूरा करने का दावा किया है, जबकि भाजपा ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपना एजेंडा बना लिया है जो नेकां के प्रस्ताव में शामिल ही नहीं है। उधर, पीडीपी ने भी स्मार्ट चाल खेलकर अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली का प्रस्ताव लाकर कश्मीर में अपनी खोई हुई जमीन को बचाने की कोशिश की है।

राजनीतिक विशेषज्ञ डॉ. एलोरा पुरी का कहना है कि अनुच्छेद 370 के मुद्दे ने दोनों संभागों में एक बार फिर खाई गहरी करने का काम किया है। चूंकि दोनों संभागों के भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक परिदृश्य अलग हैं, ऐसे में दोनों संभागों में सोच और विचारधारा का भी अलग होना लाजमी है। विधानसभा का असली उद्देश्य जनता के हितों को सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

ऐसे में ऐसे संवेदनशील मुद्दों को परे रखते हुए वास्तविक मुद्दों पर सरकार और विपक्ष को गंभीरता से सोचना चाहिए। इसके लिए दोनों पक्षों में आपसी संवाद जरूरी है।राजनीतिक विशेषज्ञ प्रो. हरि ओम का कहना है कि जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को देखते हुए केंद्र सरकार को असाधारण स्थिति के समाधान के लिए भी असाधारण होना पड़ेगा। इसका एकमात्र समाधान है कि जम्मू को कश्मीर से अलग किया जाए और कश्मीर को चंडीगढ़ जैसा केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए।

मध्य प्रदेश: छठ पूजा के कार्यक्रमों की हुई शुरूआत

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: सूर्य भगवान सभी की मनोकामना पूरी करते हैं, इस कामना को लेकर बिहार के रहने वाले परिवारीजन जो पोरसा में रह रहे हैं। उनमें से लगभग एक दर्जन से अधिक भक्त छठ पूजा का व्रत करेंगे छठ पूजा के कार्यक्रम की आज से हुई शुरूआत आज लौकी की सब्जी बनाकर पूजा करने के बाद भोजन करके, छठ पूजा की हुई शुरूआत 6 नवंबर को पूरे दिन उपवास रखकर रात्रि को 8:00 बजे खीर के साथ भोजन करने के बाद 2 दिन तक कुछ भी नहीं खाया जाएगा। 7 तारीख को सूर्यास्त के समय जल में खड़े होकर सूर्य पूजा की जाएगी तथा रात्रि जागरण भी किया जाएगा एवं 8 तारीख को सुबह उगते सूर्य की पूजा करने के बाद व्रत खोला जाएगा यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से चल रहा है।

बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि लगभग 50 वर्ष होने को हैं शासन ने अभी तक पूजा करने के लिए बिहारी बस्ती के लोगों को उपवास के लिए जो गड्ढा खोदा जाता है वह स्थाई गड्ढा नहीं बना पाया है।

एक यादगार भक्तिमय साम गुरुदेव के साथ

ज्ञानचंदानी कुणाल मनोहर

एक यादगार भक्तिमय शाम वैश्विक आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी नेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की उपस्थिति में अभूतपूर्व 16,000 से अधिक प्रतिभागी दिव्य सत्संग के लिए सूरत के राज नीलगिरि ग्राउंड लिंबायत में अस्वरवाद मोहोत्सव में एकत्र हुए। माननीय सांसद और कैबिनेट मंत्री श्री सीआर पाटिल, माननीय विधान सभा सदस्य सुश्री संगीता पाटिल और श्री प्रवीणभाई घोघरी भी उपस्थित थे। उपस्थित लोग भक्ति संगीत की पवित्र तरंगों और गुरुदेव की गहन सूक्ष्मता में तल्लीन थे। *"जब आप ध्यान का अभ्यास करते हैं, तो आप भय, दुःख और चिंता से मुक्त हो जाते हैं," गुरुदेव ने कहा, "एक गुरु आपकी चिंताओं को दूर करने के लिए आपके शहर या कस्बे में आते हैं। चिंताओं को अपने सिर पर न लें। घर लौट आएं आपके चेहरे पर मुस्कान के साथ।"*

जैसे-जैसे सत्संग संगीत और ज्ञान के मिश्रण से आगे बढ़ता गया, कई प्रतिभागियों ने उत्साहित, हल्का और खुश महसूस किया। *गुरुदेव ने आगे कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने देश भर में 70 नदियों और नालों के पुनरुद्धार के साथ जल क्रांति शुरू की है, संस्था ने शहरों और गांवों को जल-सकारात्मक बनाने के लिए कैसे काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप कई शहर टैंकर मुक्त हो गए हैं, जबकि कई बोरवेलों में पानी का स्तर 2500 फीट से गिरकर 10-12 फीट तक पहुंच गया है. गुरुदेव ने कहा, "शांति से क्रांति लानी है (शांति के माध्यम से क्रांति आनी चाहिए)"* इससे पहले, गुरुदेव ने कल भव्य अन्नकूट समारोह को आशीर्वाद दिया, जहां 100 महिला स्वयंसेवकों ने केवल 6 घंटों में 2081 प्रकार के शाकाहारी व्यंजन तैयार किए। इससे पहले, 1 नवंबर को, गुरुदेव ने "सीड द अर्थ" कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें 5000 आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवकों ने वासद में एक प्रमुख वनीकरण पहल में 2.5 लाख सीडबॉल लगाकर एक अनूठा विश्व रिकॉर्ड बनाया। गुरुदेव वर्तमान में गुजरात के पांच दिवसीय दौरे पर हैं, जिसकी शुरूआत अहमदाबाद के कर्णावती क्लब में एक भव्य दिवाली उत्सव के साथ हुई, जिसमें 7000 उपस्थित लोग शामिल हुए। पांच दिवसीय यात्रा का उद्देश्य आध्यात्मिकता, आत्म-ज्ञान और पर्यावरण संरक्षण के अनूठे मिश्रण के माध्यम से गुजरात में हजारों लोगों को एकजुट करना, सभी के लिए एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के लिए सद्भाव, कृतज्ञता और प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना है।

उत्तर प्रदेश: कुशीनगर के छठ घाट पर गन्दगी का संकट

पवन तिवारी

उत्तर प्रदेश: सफाई से लेकर सुंदरीकरण कराने में पडरौना क्षेत्र के जंगल बनबीरपुर के सिधुआ बाजार सेनानियों गांव से जुड़े जिम्मेदारों की लापरवाही तो नहीं इस बार वजह ?

कुशीनगर में वैसे तो तालाब,पोखरा और नदियों का संबंध इंसान से बहुत पुराना है। तालाब का महत्व प्यास बुझाने, सिच्चाई से लेकर धार्मिक आस्था तक जुड़ी हुई है। जहां इस मौके पर भारी भीड़ पहुंचती है। लेकिन पडरौना तहसील क्षेत्र के दो-दो स्वतंत्रा संग्राम सेनानी से जुड़े जंगल बनवीरपुर गांव के स्थित सिधुआ ऐतिहासिक छठ घाट का हाल बेहाल है।

छठ घाट पर एक तरफ जहां अतिक्रमणकारी हावी हैं,वहीं दूसरी तरफ स्थानीय प्रशासन की उपेक्षा का दंश झेल रहा है। छठ घाट नहर के भीतर कचरा और बाजार मिलकर आ रही गंदी पानी से पटा हुआ है। गंदी नालियों की पानी इस छोटी नहर में गिराया जा रहा है। छोटी नहर के किनारे छठ वेदी के पास किनारे घास लगी हुई है और लेकिन छोटी नहर पूरा गंदगी और कचरे से भरी पड़ी है। ऐसी स्थिति में छठ व्रत्तियों को वहां पहुंचकर छठ करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

छठ हिंदुओं का महान पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व में तालाबों व पोखरों पर भारी संख्या में भीड़ उभरती है। मगर आज इस तालाब को कचरे से भरने और बाजार से निकलकर आने वाली नहर में गंदे पानी का सिलसिला जारी है। हालांकि शहर के कई छठ घाटों की साफ-सफाई नगरपालिका परिषद पडरौना और स्थानीय प्रशासन द्वारा कराया गया है। लेकिन पडरौना शहर से सटे सिधुआ बाजार का छठ घाट आज भी कचरे और गंदगी से भरी पड़ी है। ऐसा नहीं है कि यह सब कुछ अनजाने में हो रहा है।

सूत्रों की मानें तो स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के चलते यह छठ घाट का अतिक्रमण किया जा रहा है। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए गांव के वकील कुशवाहा, कमलेश शाह,मोहन कुशवाहा, आदि लोगों ने छठ पर्व के एक दिन पहले ही निजात दिलाने की मांग की है। उधर खंड विकास अधिकारी पडरौना सुशील कुमार अग्रहरी ने बताया कि इससे जुड़े समस्या को निजात दिलाने के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दे दिया गया है।

आज सुबह से लेकर दोपहर शाम तक छठ घाट को बेहतर ढंग से पुर्ण करने और जलनिकासी आदी गंदगी को दुर कर यहा की सफाई कार्य कर दिया जाएगा जिससे किसी भी प्रकार की महिलाओं को दिक्कत नहीं होगी।

पति से नाखुश होकर पत्नी ने काट डाला प्राइवेट पार्ट

कुणाल

दिल्ली: उत्तर दिल्ली में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने झगड़े के बाद उसका प्राइवेट पार्ट काटने की खबर सामने आयी थी। पीड़ित को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गयी है। पुलिस ने आरोपी महिला की तलाश जारी करदी है। यह घटना शक्ति नगर क्षेत्र में हुयी है। उत्तरी दिल्ली में एक शख्स ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने उनके बीच हुए झगड़े के बाद उसका प्राइवेट पार्ट काट को काट दिया था।

एक पुलिस अधिकारी द्वारा बताया गया है कि पीड़ित को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार 31 अक्टूबर और 1 नवंबर की दरम्यानी रात को रूप नगर पुलिस थाने में घटना के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। आरोपी महिला महिला की जांच शुरू करदी है, प्रशाशन काफी ज्यादा अलर्ट होकर चल रहा है।

बिहार: भागलपुर में दिव्यांग व्यक्ति को गाड़ी से टक्कर

बिहार: भागलपुर 8 नवंबर 2024 इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर में, आशीष मंडल, गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। माननीय बिहपुर विधायक, इंजीनियर श्री शैलेंद्र जी, भाजपा के प्रतिनिधि के परिवार से जुड़े व्यक्ति द्वारा दिव्यांग को गाड़ी से टक्कर मारना एक अत्यंत दुखद और गंभीर घटना है। ऐसी स्थितियों में, एक सच्चे इंसान और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए तत्काल सहायता प्रदान करना हमारा कर्तव्य है।

मौके से भागने के बजाय घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाना इंसानियत की सच्ची पहचान होती। चाहे दुर्घटना में शामिल व्यक्ति कोई भी हो, कानून सबके लिए समान है और न्याय सुनिश्चित होना चाहिए। हमारी सहानुभूति उस दिव्यांग व्यक्ति और उसके परिवार के साथ है। मैं इस हादसे में घायल व्यक्ति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ और प्रशासन से आग्रह करता हूँ कि इस मामले की पूरी जांच कर दोषियों को उचित सजा दी जाए।

मध्य प्रदेश: मृत्यु भोज की जगह दान में दी राशि

गोवर्धन कुंभकार

मध्य प्रदेश: महान समाज सेवी, समाज सुधारक आर्य समाज के वरिष्ठ प्रचारक ठाकुर,शिव सिंह आर्य (जी साहब)का निधन विगत दिनों 24 अक्टूबर को हो गया था। जिनकी आत्म शांति को लेकर प्रतिदिन वेद आधारित यज्ञ चल रहा था। जिसकी पूर्ण आहुति मंगलवार को वेद मंत्रो के साथ हुई। वही श्रद्धांजलि कार्यक्रम और यज्ञ कि पूर्ण आहुति मे भाजपा के राष्ट्रीय नेता सत्यनारायण जटिया, मध्य भारतीयआर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान प्रकाश आर्य, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायण सिंह पंवार, सोंधिया राजपूत समाज के पदाधिकारी उदय सिंह झिरी, प्रताप सिंह, हरिसिंह, गोविंद सिंह बरखेड़ी, ईश्वर सिंह चौहान, राजगढ़ जिला पंचायत अध्यक्ष चन्दर सिंह सोंधिया,प्रताप सिंह आर्य बोलखेड़ा, जितेंद्र सिंह जनपद अध्यक्ष आगर, राधे ठाकुर जनपद उपाध्यक्ष बड़ोद,आर्य वीर दल के प्रान्त संचालक और पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालक ललित नागर उज्जैन ने किया।

आपको बता दे कि शिव सिंह आर्य, बाल्य काल से ही आर्य समाज से जुड़ कर समाज सुधार के कार्य से लग गए थे। उन्होने अपना पूरा जीवन युवाओ को सुधारने मे लगा दिया। आर्य ने विवाह नहीं कर ब्रह्चारी जीवन जिया। मंगलवार को श्रद्धांजलि के आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली,भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रतलाम,आगर, राजगढ़, धार, देवास आदि जगह से आर्य समाज से जुड़े और अन्य गणमान्य लोगो मौजूद थे।

यज्ञ कि हुई पूर्ण आहुति - 12दिनों से चल रहे वेद आधारित यज्ञ कि पूर्ण आहुति का समापन मंगलवार को हुआ। जिसमे आर्य परिवार के साथ अन्य लोगो ने यज्ञ मे आहुति डाल कर श्रद्धांजलि दी।

नहीं किया मृत्यु भोज- आर्य समाज के प्रचारक और महान समाज सुधारक शिव सिंह आर्य जिन्हे समाज मे जी सहाब के नाम से जाना जाता था। आर्य ने अपने जीवन काल मे अनेक प्रान्त मे घूम घूम कर वेद प्रचार तो किया ही,साथ मे उन्होने सभी समाज को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास भी किया। जिसमे खास कर यूवाओ के लिए नशा मुक्ति का प्रचार कर समाज कि मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया साथ ही समाज मे मृत्यु भोज कि चली आ रही परंपरा का भी पुरजोर विरोध किया था। आर्य समाज सुधारक थे तों उनके परिवार के सभी लोगो ने उनका अनुसरण कर मृत्यु भोज नहीं कर समाज मे एक अलग सन्देश देने का काम भी किया हे।

सभी ने कहा कि ऐसे महापुरुष समाज सुधारक कि जीवनी को स्कूल कॉलेज मे पड़ाया जाना चाहिए। साथ ही उनके नाम से विद्यालय और महाविद्यालय का नाम भी रखा जाए।ताकि आने वाली पीडी भी उनके बताए मार्ग पर चले और उनकी बातो का अनुसरण कर सके।

आपको बता दे कि शिव सिंह आर्य राष्ट भक्त होने के साथ आर्य समाज के सस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती के अनुयाई थे। उन्ही के बताए मार्ग पर जीवन जिया। और जीवन भर आर्य समाज के प्रचारक के रूप मे कार्य किया।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: रायबरेली में नेता प्रतिपक्ष व सांसद राहुल गांधी का हुआ आगमन

प्रदीप/उत्तर प्रदेश: हरचंदपुर थाना क्षेत्र में कांग्रेसियों ने जोरदार स्वागत किया। चंद मिनटों में रायबरेली शहर में प्रवेश करेंगे राहुल गांधी दिशा कि, बैठक में लेंगे हिस्सा अलर्ट मोड पर प्रशासन रायबरेली कलेक्टर सभागार में सम्मिलित में बैठक अधिकारियों के साथ आज मीटिंग होगी, जिससे आज हरचंदपुर होते हुए लेकर सांसद राहुल गांधी अपने सभी कार्यकताओं से मिलते हुए और रुके हुए काम कार्यकताओं का स्नेहा लेते हुए बड़े बुजुर्गों का प्यार लेते हो लखनऊ से चलकर किधर रायबरेली कलेक्टर सभा घर में जाएंगे जहां पर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक है। बैठक में रायबरेली की सारी समस्याओं का उजागर करना और उन रुके हो रुके हुए कामों को आगे बढ़ने का काम कांग्रेस कर के सांसद राहुल गांधी करने का चुनाव अपने सर पर लेते हैं। आपको बताते चले जिस हिसाब से शुरूआत हरचंदपुर गंगागंज रायबरेली डिग्री कॉलेज चौराहा क्या जगह पर इनका भव्य स्वागत किया है। जहां पर राजू राहुल गांधी से मिलने उनके कार्यकताओं का एक अलग ही जोश नजर आया और आम आदमी जो है।

उत्तर प्रदेश: गाजियाबाद में फाटक से लोग हुए परेशान

मोनू वर्मा/उत्तर प्रदेश: गाजियाबाद शहर मोदी नगर के फाटक नंबर 14 से लोगो को रोज बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस फाटक से कई गई गाड़ियां पास होती है। आए दिन इस फाठक पर कुछ ना कुछ कार्य भी चलता रहता है। जिस कारण लोगों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ता है और जाम की स्थिति हर समय बनी रहती है।

यहां से गुजराना कोई आसान बात नहीं है पता नहीं लोगों का जीना भी दुश्वार हो गया है क्या इस पर सरकार कोई कड़ी कार्रवाई करेगी या इस समस्या का कोई हल निकल पाएगा। जो की इन आम लोगों को इस मुसीबत से निजात दिला पाए और एक फटाक से गुजर कर काफी कॉलोनी के लिए रास्ता जाता है। कई गांव इस फाटक से जुड़े हैं फिर भी प्रशासन देखकर अनदेखा कर रही है। जल्द ही एक फटाक से मिजाज मिल पाएगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा यहां के विधायक भी देखकर अंधे का कर रहे हैं। जो अब तक कोई निर्णय नहीं ले पाई है।

जनता को पागल बना महिला केटेगरी में जीत लिया गोल्ड

याशिका वर्मा/दिल्ली: इमान रिंग में एक महिला के सामने एक मर्द को उतार दिया। आपके मनोरंजन के लिए एक पुरुष सबके सामने एक महिला को पिट रहा था। कुछ याद आया ? अगस्त में अल्जीरिया की बॉक्सर इमान खलीफ ने पेरिस ओलंपिक 2024 में गोल्ड मेडल जीता था, लेकिन उस टाइम भी वो बहुत चर्चा में थी और अब वापस चर्चा में है। क्यूँकि ओलंपिक के दौरान इमान के जेंडर को लेकर विवाद हुआ था जिसका खुलासा अब हो चूका है मतलब उनकी मेडिकल रिपोर्ट्स आ चुकी है, जिसमे बताया गया है कि इमान खलीफ कथित तौर पर एक पुरुष है। इनके अंदर टेस्टिस और माइक्रोपेनिस है अगर टेस्टिस है तो मेल है। साथ ही साथ होमोर्नेस भी है जो सिर्फ एक मेल में होते है। क्रेमलिन-बिसेट्रे हॉस्पिटल और अल्जीयर्स हॉस्पिटल ने यह रिपोर्ट्स मिलकर तैयार की है।

उत्तर प्रदेश: अज्ञात कारणों के चलते युवक ने नदी में लगाई छलांग

मदन/उत्तर प्रदेश: अज्ञात कारणों के चलते युवक ने नदी में लगाई छलांग, चार पहिया गाड़ी से पहुँचा पुल के ऊपर, गाड़ी खड़ी करी और नदी में कूदा, स्थानीय लोगो ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश नदी में शुरू करी। गाड़ी के अंदर मिले कागजो के आधार पर शिव प्रताप सिंह जारी गांव का निवासी है युवक,पुलिस ने स्थानीय और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी किया। मामला तिंदवारी थाना के बेंदा पुल का है।

उत्तराखंड: चुनाव को लेकर जनता में हलचल

हरीश उपाध्याय/उत्तराखंड: पिंपरी चिंचवड़ आमदार की कलेक्शन प्रति 4 चालू है राहुल दादा कलाटे शरद पवार घाट आमदार जी का आरक्षण टिकट भेट में मिला है। हम राहुल दादा को सपोर्ट कर रहे हैं। लोगों से भी विनती है कि राहुल दादा कैल आते को मेरा पूरा समर्थन करें उस्मान नसीम सादी उस्मानी का राहुल दादा को पूरा समर्थन और लोगन से भी विनती करता हूं। दलित हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो, राहुल दादा कलाते को मेरा पूरा समर्थन बाकि लोगो से भी विनती करता हूं। दादा को फुल बहुमत में चुनकर लाए और उनके लिए काम करें पिंपरी चिंचवड़ फुल बहुमत में राहुल दादा को चुन के लाओ अच्छा आदमी है और अच्छा काम करता है।

मध्य प्रदेश: सरकार फिर से रेवड़ी व लुभाने वादों की कर रही घोषणा

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: उस समय में जब देश में अपार गरीबी बेरोजगारी महंगाई तथा कृषि शिक्षा स्वास्थ सड़क बिजली साफ पानी एवं कानून व्यवस्था जैसी बुनियादी जरूरत के जबरदस्त अभाव से करोड़ों लोगों का जीवन त्रस्त है लेकिन इसके बावजूद भाजपा व कांग्रेस एवं उनकी सरकार ज्यादातर आरोप प्रत्यारोप तथा महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा आम चुनाव के मध्य नजर फिर से रेवड़ी व लुभाने वादों घोषणाओं में ही व्यस्त है जबकि लोग जीवन के जंजालो से मुक्ति के लिए स्वाभाविक तौर पर रेवड़ी नहीं बल्कि रोजगार की मांग कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की जनता से वादा खिलाफी जंग जाहिर जबकि उत्तर प्रदेश समेत भाजपा सरकारें ज्वलन्त मुद्दों पर से ध्यान भटकने

के लिए अनेकों प्रकार की जुगाड़ की राजनीति कर रही है।

वे कम को ही धर्म नहीं मानकर धर्म के ही कार्यक्रमों में ज्यादातर व्यस्त नजर आती है जो जनहित व जन कल्याण तथा चुनावी वादा खिलाफी नहीं तो और क्या है इसलिए बीएसपी चुनाव में जनता को गुमराह करने वाला अपना कोई घोषणा पत्र कभी जारी नहीं करती है बल्कि गरीबों मजलूमों बेरोजगारों आदि के प्रति ईमानदार कर्म को ही अपना संवैधानिक दायित्व व राजनीति धर्म मानकर कार्य करती है और फिर सरकार बन जाने पर जनहित व जनकल्याण के ऐतिहासिक व बेमिसाल कार्य करके दिखाती है जिसकी यूपी में अब तक चार बार रही बीएसपी की सरकार अपनी मिसाल आप है।

बीएसपी प्रमुख सुश्री मायावती जी लखनऊ 4 नवंबर 2024 सोमवार ऐसे समय में जब देश में व्यापक स्तर पर छाई हुई अपार गरीबी बेरोजगारी महंगाई तथा कृषि शिक्षा स्वास्थ्य सड़क बिजली साफ पानी एवं कानून व्यवस्था जैसी बुनियादी जरूरत के ज्यादातर आरोप प्रत्यारोप महाराष्ट्र एवं झारखंड राज्य विधानसभा आम चुनाव के मद्देनजर फिर रेवड़ी व वादों की घोषणा ओं में ही अभी भी व्यस्त है जबकि लोगों को तमाम जनजालों से मुक्ति के लिए रोजगार की शक्ति जरूरत है। यही उनकी पहली मांगती है देश के ऐसे हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बहुजन समाज पार्टी बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व सांसद सुश्र मायावती जी ने कहा कि इन जन समस्याओं पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने की वजह भाजपा व कांग्रेस ज्यादातर आरोप प्रत्यारोप की नेगेटिव राजनीति में ही अभी भी व्यस्त है तथा चुनाव में मिथ्या प्रचारकों व वादों की भरमार लगा रखी है जबकि जनता खुली आंखों से देख रही है कि उनके द्वारा किए गए पिछले चुने वादों का क्या बुरा हाल हो रहा है देश के विभिन्न राज्यों में चाहे।

कांग्रेस की सरकार हो या भाजपा की इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे ईमानदारी से नहीं निभाई जा रहे हैं क्योंकि उनके वादे होते ही लोगों को गुमराह करने व सरकार बन जाने पर उन्हें भुला देने के लिए यही कारण है कि खासकर हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक की कांग्रेस सरकार वादा खिलाफी का आरोप अब झेल रही तथा यूपी सहित भाजपा की विभिन्न सरकारें सरकार बन जाने पर वास्तविक ज्वलन्त मुद्दों पर से ध्यान भटकने अनेकों प्रकार की जुगाड़ की राजनीतिक करती नजर आती है वह कम को धर्म नहीं मानकर धर्म के ही कार्यक्रमों में ज्यादा व्यस्त नजर आती है जो क्या जनहित व जनकल्याण से वादा खिलाफी नहीं तो और क्या है इसलिए यही वह करण है जिसके बिना पर बीएसपी चुनाव में जनता को गुमराह करने वाला अपना कोई घोषणा पत्र जारी नहीं करती बल्कि करोड़ों गरीबों मजलूमों वह बेरोजगार लोगों के प्रति ईमानदार कम को ही अपना संवैधानिक दायित्व और वह राजनीतिक धर्म मानकर कार्य करती है।

ऐसे में फिर सरकार बन जाने पर जनहित व जनकल्याण तथा पिछड़े पान को दूर करने के ऐतिहासिक बेमिसाल कार्य करके दिखती है जिसकी यूपी में अब तक चार बार रही बीएसपी सरकार अपनी मिसाल आप है बीएसपी सरकार ने सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर जितने रोजगार मुहैया कराए उतने ही रोजगार उसके बाद की सपा सरकार और भाजपा सरकार मिलकर भी अब तक नहीं दे पाई है इस प्रकार कांग्रेस व भाजपा सरकार के पिछले सभी अनुभवों के मद्देनजर देश की करोडों जनता द्वारा दोनों ही पार्टियों इसके साथ ही खासकर महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा आम चुनाव के दौरान लोगों की यही भी मांग शत प्रतिशत जायज है कि उन्हें रेवड़ी नही रोजगार चाहिए।

गुजरात: श्रृंगार आरती में भगतो ने उठाया लाभ

पटेल कनियाला करशनलाल

गुजरात: आज सुबह पुजारी स्वामी द्वारा मंगला आरती की गई। शृंगार आरती शास्त्री हरिप्रकाशदास स्वामी ने किया।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस आरती का लाभ उठाया। सालंगपुरधाम में पूरा मंदिर परिसर दादा के भक्तों से खचाखच भरा हुआ था क्योंकि नए साल में लाखों लोग दादा के दर्शन और आशीर्वाद के लिए आए थे।

अन्न आयु ब्रह्म कष्टभंजनदेव नूतन भोजनालय का मुख्य आधार है। दर्शन के लिए आने वाले हर भक्त को दादा की प्रसादी मिलेगी, यही इस नए भोजनालय की श्रद्धा है। इसी क्रम में गुजरात के सबसे बड़े श्री कष्टभंजनदेव भोजनालय-सलंगपुरधाम में पांच दिनों तक करीब 7 लाख लोगों ने लड्डू, शाक, रोटली, शीरो, दालभात,

छास आदि के महाप्रसाद का लाभ उठाया. साथ ही करीब 25 लाख लोगों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

राजकोट, दिनांक 6: गुजरात के सबसे बड़े श्री कष्टभंजनदेव भोजनालय में पिछले पांच दिनों में लगभग 7 लाख लोगों ने महाप्रसाद का लाभ उठाकर स्वयं को धन्य महसूस किया है। इतने दिनों में लगभग 25 लाख लोगों ने दादा के दर्शन किये।

श्री स्वामीनारायण मंदिर वड़तालधाम प्रबंधित पौराणिक तीर्थ सालंगपुरधाम श्री कष्टभंजनदेव हनुमानजी मंदिर में स्वामी हरिप्रकाशदासजी (अठानावाला) की प्रेरणा से और कोठारी विवेकसागरदासजी स्वामी के मार्गदर्शन में दिवाली के पावन पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दादा के दर्शन कर नए साल की शुरूआत कर रहे हैं.

आज श्रीकष्टभंजन देव हनुमानजी ने दिव्य वाघ और दादा के सिंघाड़ों को 200 किलो से अधिक दादा के गलगोटन और गुलाब के फूलों से सजाया, श्री हरि मंदिर में आज सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।

राजस्थान: केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने किया नाकों व मतदान केंद्रों का निरीक्षण

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थान: निर्वाचन आयोग द्वारा नागौर के खींवसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त सामान्य, पुलिस एवं व्यय पर्यवेक्षक महोदय द्वारा सोमवार को खींवसर विधानसभा क्षेत्र के अधीन पुलिस नाके (लालावास और जेएसके होटल के पास) तथा मतदान केन्द्रों (क्रमांक 129, 130, 131, 132, 133) का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित स्टाफ को आवश्यक व्यवस्था संबंधित निर्देश दिए गए एवं सतर्क रहकर चुनाव कार्य एवं ड्यूटी करने हेतु निर्देशित किया गया।

पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी एवं जिला परिषद अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि व्यय

पर्यवेक्षक द्वारा उम्मीदवारों द्वारा व्यय विवरण जो प्रस्तुत किया गया उसका अवलोकन किया गया एवं उपस्थित उम्मीदवारों एवं उनके अभिकताओं को व्यय संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए एवं आदर्श आचार संहिता की पालना करते हुए व्यय का ब्यौरा सही संधारित करते हुए प्रस्तुत करने का निर्धारित आगामी तारीख 08 नवंबर 2024 एवं 12 नवंबर 2024 को प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान सामान्य पर्यवेक्षक महोदय द्वारा उम्मीदवारों / अभिकर्ता की उपस्थिति में ईवीएम मशीनों का द्वितीय रेण्डमाईजेशन किया गया।

हेमा मालिनी के गालो जैसी सड़क बनेंगी अब दिल्ली में

याशिका वर्मा

दिल्ली: भाजपा सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो के बारे में बता रही थी।

विधायक नरेश बाल्यान ने कहा उत्तम नगर की सड़के अब हेमा मालिनी के गालो जैसी बना दी जाएंगी। ऐसे ही शब्द विधायक नरेश बाल्यान कथित तौर पर कहते सुने गए। जिसमे उन्होंने कहा कि इस महीने की 35 तारीख तक सभी काम पूरा हो जाएंगे और सड़के हेमा मालिनी के गालो जैसी बना दी जाएंगी उसके बाद तो भाजपा गरम हो गयी, आखिर क्यों न हो ? महिलाओ का सम्मान अगर नेता ही नहीं करेंगे तो आम जनता तोह बहुत दूर की बात है।

भाजपा ने केजरीवाल से मांग की कि इसको पार्टी से बहार कर देना चाहिए ऐसे अपमानजनक शब्द किसी महिला के लिए बोल रहे है। इस मामले पर नरेश बाल्यान से जब फोन पर संपर्क किया गया तो उनकी तरफ से कोई भी जवाब नहीं मिला।

उत्तर प्रदेश: भगवती चरण वर्मा पार्क मे हुई भव्य कलश यात्रा

दीपक कुमार

उत्तर प्रदेश: उन्नाव जिले के सफीपुर कस्बे मे स्थित बाबू भगवती चरण वर्मा पार्क मे रसाचार्य डॉ स्वामी देवकीनंदन जी महाराज राधाश्री राधा बल्लभ रासलीला मंडल धाम वृंदावन की अगुराई मे आज पहले दिन रास लीला व राम लीला म्होत्सव मे आज भगवान रामचंद्र जी की ढोल लगाड़ो के साथ भव्य कलस यात्रा सफीपुर मे निकली गई। भक्ति भाव से रस पान करते हुए कलस यात्रा मे भारी संख्या मे श्रद्धालु मौजूद रहे सफीपुर मे मौजूद लोगो ने अपने अपने घरों की छत के ऊपर से निकलती यात्रा मे शामिल लोगो पर पुष्प वर्षा भी की पुष्प वर्षा के साथ साथ जगह जगह पर आरती उतारने के साथ अंग वस्त्र भी भेट किये। इस मौके पर भक्तजनों की काफी भीड़ मौजूद रही जिसमे पुरुष श्रद्धालुओ के साथ साथ महिलाये भी मौजूद रही इस कलस

यात्रा मे सफीपुर कास्बे मे काफी चहेल पहेल का माहौल रहा सभी श्रद्धालू भगवान के भजन कीर्तन मे मग्न रहे।

इसमे श्रद्धालुओ की सैकड़ो के हिसाब से मजमा देखने को मिला रासलीला एवं रामलीला सेवा समिति की ओर से आज पहले दिन राम लीला महोत्सव मे राम भगवान की सफीपुर मे भव्य बारात निकली गई।इस मौके पर कई सैकड़ा श्रद्धालुओ मे शामिल महिलाओ समेत आयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार के साथ चेयरमैन पति सौरभ बाजपेई, समाज सेवी वरिष्ठ पत्रकार राजेश अग्निहोत्री,रिंकू गुप्ता, संकेत गुप्ता, अलोक कुमार, अजीत कुमार,दीपक कुमार, विमलेश, सरवन कुमार,के साथ शामिल श्रद्धालुओ मे विनय स्वीट हॉउस गुप्ता,सहित सैकड़ो लोगो ने कलश यात्रा निकाल जय श्री राम के गगनभेदी जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया कलश यात्रा का भव्य आयोजन सफीपुर मे किया गया झाकियों के साथ।इस भव्य कलश यात्रा मे सफीपुर कोतवाली की पुलिस भी मौजूद रही पुलिस बल के साथ कलश यात्रा बड़े ही धूम धाम के साथ निकली गई।

राजस्थान: चितौड़गढ़ में अतिक्रमण हटवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

गजेन्द्र सिंह

राजस्थान: ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटवाए जाने की कार्रवाई करने के लिए उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया कपासन उपखंड क्षेत्र के गांव उमड के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर चितौड़गढ़ को अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामचंद्र खटीक के माध्यम से अतिक्रमण हटवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में बताया कि उपखण्ड कपासन के गांव उमण्ड में मुंशी शाह फकीर तथा अकबर खां ने आबादी क्षेत्र उमंड मे माता जी का चौक पर कब्जा कर रखा हैं। जो की हिन्दुओं के धार्मिक स्थल हैं। इन दोनों ने अवैध कब्जा कर कच्चा निर्माण कर लिया। जो कि गांव का मुख्य मार्ग होकर वहां धार्मिक कार्य व अनुष्ठान किये जाते हैं।

इस अतिक्रमण के सामने ही इसका आवासीय मकान हैं। उसकी चार दीवारी बिच रास्ते तक बनाकर आगे चबुतरियों का निर्माण कर लिया हैं।जिससे मुख्य मार्ग भी अवरूद्ध हो गया हैं। उक्त अतिक्रमी आपराधिक प्रवृति के होकर पूर्व में हत्या के केस न्यायालय में विचाराधीन है तथा झगडालु व आपराधिक प्रवृति के है।ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटवायें जाने की कार्यवाही करने हेतु पूर्व में उपखण्ड अधिकारी कपासन को रिपोर्ट पेश की गयी थी। उपखंड अधिकारी के आदेशानुसार सम्बन्धित ग्राम पंचायत के पदाधिकारी,पटवारी और ग्राम विकास अधिकारी की कार्यवाही के दौरान जाँच में पाया गया की उक्त आपराधिक प्रवृति के लोगों ने नाजायज कब्जा कर अवैध निर्माण कर रखा हैं।जहा पूर्व में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र था।

उत्तर प्रदेश: यातायात माह का जनपद में हुआ शुभारंभ

राधा कृष्ण

उत्तर प्रदेश: यातायात शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक मा श्री मनोज कुमार प्रजापति जी के द्वारा जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा जी की उपस्थिति में फीता काटकर यातायात माह का शुभारंभ परेड ग्राउंड से किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना के द्वारा सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

माननीय विधायक श्री मनोज कुमार प्रजापति जी के द्वारा सड़क सुरक्षा प्रचार वाहन तथा छात्र-छात्राओं की सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए वापस पुलिस लाइन पर समाप्त हुई। इस रैली में छात्र छात्राएं सड़क सुरक्षा स्लोगन युक्त तख्तियां लेकर चल रहे थे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री चंद्रशेखर शुक्ला, एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक श्री मनोज गुप्ता , एआरटीओ प्रवर्तन श्री अमिताभ राय ,एआरटीओ प्रशासन श्री आरपी सिंह ,सीओ सदर राजेश कमल , सी ओ ट्रैफिक श्री आशीष यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम में शहर के विद्यालयों के छात्र-छात्रा, शिक्षक गण, प्रबंधक, ऑटो, टैक्सी, बस के चालक परिचालक यूपी पुलिस के आरक्षी, परिवहन, ट्रैफिक विभाग के स्टाफ, पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

एक नजर

'दलित-आदिवासी एकता के कारण समर्थन आधार खो रही कांग्रेस', नांदेड़ में गरजे पीएम मोदी

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को नांदेड़ में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, आज पूरे महाराष्ट्र में महायुति और भाजपा के पक्ष में लहर है। आज देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है और देश की जनता जानती है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल इसके लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं। यही वजह है कि जनता बार-बार भाजपा और राजग (एनडीए) सरकार को चुन रही है।

ट्रैफिक हवलदार को कार से घसीटते हुए ले गए युवक

कुणाल/दिल्ली: दिल्ली के बेर सराये में सड़क दुर्घटना में ट्रैफिक हवलदार की हालत काफी जयदा घम्बिर बताई जा रही है। दिल्ली में बेर सराय के पास एक हिट एंड रन घटना में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी घायल हो गया। जब एक कार ने लाल बत्ती पार कर उन्हें टक्कर मारी थी। भगाने का पर्यास किया था। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ हत्या के प्रयास और सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया था। यह घटना शनिवार शाम को हुई थी, जब एक कार ने लाल बत्ती पार की और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हुए भागने से पहले दो पुलिसकर्मियों को घसीटते हुए ले गए थे। करीब 20 मीटर तक घसीटने के बाद कार चालक उन्हें टक्कर मारकर फरार हो गए थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो में देखा जा सकता है, कि दबंगों में दिल्ली पुलिस का कोई खौफ नही बच्चा हैं।

ससुराल में जमाई की हुयी दर्दनाक मौत

कुणाल/दिल्ली: दिल्ली के खजूरी खास इलाके में भाई दूज के अवसर पर दो बहनोइयों के बीच तीखी बहस में गोली मारकर दूसरे की हत्या करदी थी। आरोपी अजय ने हेमंत को सिर और सीने में दो गोलियां मार दी। आरोपी गोली मारकर भाग निकला। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुयी है।

नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के खजूरी खास इलाके में एक युवक ने अपने ही साढू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी और पीड़ित दोनों अपनी पत्नियों के साथ साले के घर भाई दूज के मौके पर आया हुआ है। तभी उनके बीच हुए विवाद में फायरिंग हो गई थी। खजूरी खास थाने को शाम 6 बजकर 20 मिनट पर फायरिंग की सूचना मिली थी।

'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम !, महाकुंभ में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर बोले शंकराचार्य : दे डाली ये सलाह

(अभिषेक दुबे, वाराणसी) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले वर्ष महाकुंभ का आयोजन 12 साल बाद होने जा रहा है। महाकुंभ की तैयारियां अभी से तेज हो गई हैं। कई संतों ने मांग कर डाली है कि गैर हिंदुओं का प्रवेश महाकुंभ में वर्जित होना चाहिए। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी इसके समर्थन में उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब गैर मुस्लिम सऊदी अरब जाते हैं तो मक्का से 40 किलोमीटर पहले ही रोक दिया जाता है। अगर आप हिंदू हैं तो मक्का नहीं जा सकते। मुस्लिमों का कहना है कि ये हमारा तीर्थ है, यहां हिंदुओं का क्या काम? हम भी यही कह रहे हैं कि यह हिंदुओं का महाकुंभ है। यहां गैर हिंदुओं का क्या काम, इसमें गलत क्या है? इसकी शुरूआत तो आपसे ही हुई है।

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर जिलाधिकारी ने छठ पूजा की व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने का दिया निर्देश

गोविंद सेठ/उत्तर प्रदेश: मीरजापुर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आगामी पर्व छठ पूजा की तैयारियों के दृष्टिगत आज फतहा घाट व बरिया घाट का भ्रमण कर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर गोवा लाल को निर्देशित करते हुए कहा कि घाटों पर पर्याप्त बैरीकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई, महिलाओं के वस्त्र बदलने हेतु चेंजिग रूम सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं छठ पूजा से पूर्व कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापु गोवा लाल उपस्थित रहें।

संपादकीय

मदरसे अवैध नहीं

सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ-साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। दरअसल यह फैसला ऐसे देश में मौलिक और महत्वपूर्ण है, जहां अत्यधिक शैक्षिक संस्थान धार्मिक संस्थाओं, संगठनों से संबद्ध हैं। यह अल्पसंख्यक अथवा बहुसंख्यक समुदाय का सवाल नहीं है। यह शिक्षा के बुनियादी दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा मामला है। तो फिर मदरसों पर आपत्ति जताते हुए, उनसे संबद्ध कानून को, 'असंवैधानिक' कैसे करार दिया जा सकता है? न्यायिक पीठ ने आकलन करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की है-चूंकि शिक्षण संस्थान या मदरसा किसी अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ा है और उसकी मजहबी शिक्षाओं को भी पढ़ाया जा रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वह संस्थान 'शिक्षा' की परिधि से बाहर कर दिया जाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को अधिकार दिए गए हैं कि वे अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित कर सकते हैं। उसी के तहत मदरसे लगातार खुलते रहे हैं। दरअसल मदरसों को 'आतंकवाद के अड्डे' और 'इस्लाम के प्रचारक संस्थान' करार दिया जाता रहा है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि राज्य सरकार मदरसों के पाठ्यक्रम को नियमित और संशोधित कर सकती है। कुरान के साथ-साथ गणित और विज्ञान जैसे विषय भी पढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन मदरसे 'कामिल' और 'फाजिल' (स्नातक, स्नातकोत्तर) की जो डिग्रियां बांटते रहे हैं, वे 'अवैध' हैं, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम के खिलाफ है। आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ही ऐसी डिग्रियां देने को अधिकृत हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज किया है, क्योंकि उच्च न्यायालय ने अधिनियम को 'असंवैधानिक' माना था और उप्र के सभी मदरसों को बंद करने का आदेश दिया था। इस सर्वोच्च फैसले से मदरसों में पढ? वाले 12, 34, 388 छात्रों का शैक्षिक भविष्य सुरक्षित रह सकेगा और 13, 364 मदरसों के अस्तित्व कायम रह सकेंगे।

अनुच्छेद 370 पर आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा

> अनुच्छेद 370 को हटाने कि पैरवी करते हुए प्रधानमंत्री जी और उनका कटक [फौज] एक ही तर्क दे रहा है कि जम्मू-काश्मीर में बाबा साहब अम्बेडकर का संविधान लागू है और वो ही रहेगा। अब सवाल ये है कि क्या संविधान का अनुच्छेद 370 का प्रावधान अमेरिका के संविधान से लिया गया था? ये प्रवधान सौ फीसदी उसी संविधान का हिस्सा था जो बाबा साहब अम्बेडकर कि अगुवाई में रचा गया था। हमारा संविधान लचीला है,उसे देश-काल के हिसाब से बदला जाता रहा है।

-राकेश अचल-

भारतीय राजनीति में जड़ता टूटने का नाम ही नहीं ले रही। सभी प्रमुख दलों का सुर एक जैसा है,यानि मेरा टेसू यहीं अड़ा। बात महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा चुनावों की नहीं बल्कि उस जम्मू-कश्मीर विधानसभा की है जिसमें संविधान के अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए रखे गए प्रस्ताव पर मुंहवाद ही नहीं हुआ बल्कि लात-घूंसे भी चले। जम्मू-काश्मीर से मीलों दूर महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने समवेत स्वर में कहा कि -मोदी के रहते इस प्रावधान की वापसी कभी नहीं होगी। हालाँकि महाराष्ट्र और झारखण्ड के विधानसभा चुनावों का अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना नहीं है

अनुच्छेद 370 को हटाने कि पैरवी करते हुए प्रधानमंत्री जी और उनका कटक [फौज] एक ही तर्क दे रहा है कि जम्मू-काश्मीर में बाबा साहब अम्बेडकर का संविधान लागू है और वो ही रहेगा। अब सवाल ये है कि क्या संविधान का अनुच्छेद 370 का प्रावधान अमेरिका के संविधान से लिया गया था? ये प्रवधान सौ फीसदी उसी संविधान का हिस्सा था जो बाबा साहब अम्बेडकर कि अगुवाई में रचा गया था। हमारा संविधान लचीला है,उसे देश-काल के हिसाब से बदला जाता रहा है। कांग्रेस के समय भी और भाजपा के समय भी,इसलिए कोई ये दम्भ और दावा कैसे कर सकता है कि जम्मू-काश्मीर को दोबारा अनुच्छेद 370 का संरक्षण नहीं मिल पायेगा।

आज का जम्मू -काश्मीर,कल के जम्मू काश्मीर से एकदम अलग है। आज के कश्मीर के पास राज्य का वैभव नहीं है। ये वैभव उसे आजादी के बाद बाबा साहब के संविधान से ही हासिल हुआ था। आज वो खंड-खंड हो चुका है। केंद्र के अधीन क्षेत्र भर है आज का जम्मू-काश्मीर। उसे उसका राज्य का दर्जा भी वापस चाहिए और संविधान के अनुच्छेद 370 का संरक्षण भी। अब ये कब और कैसे होगा? होगा भी या नहीं होगा? ये कहना कठिन है। भाजपा ने जम्मू-काश्मीर विधानसभा में और देश के दूसरे हिस्सों में जिस तरह से अनुच्छेद 370 को लेकर प्रतिक्रिया दी है उसे देखकर ये तो तय है कि जम्मू-काश्मीर की जनता के साथ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा कि सरकार ने वादा खिलाफी की है। जम्मू-काश्मीर के लोगों को इस सरकार के रहते न राज्य का वैभव वापस मिलेगा और न अनुच्छेद 370 का छाता।

संविधान के अनुच्छेद 370 को लेकर माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी और उनके हनुमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोलें तो समझ में भी आता है, लेकिन जब बाबा योगी आदित्यनाथ बोलते हैं तो हंसी आती है। वे आजकल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा का नया माउथपीस बने हुए है। वे बटोगे तो कटोगे का नारा देने के बाद अब कहते फिर रहे हैं कि देश में अब कांग्रेस का हाल भी संविधान के अनुच्छेद 370 जैसा होगा,यानि कांग्रेस भविष्य में कभी केंद्र कि सत्ता में नहीं लौटेगी। योगी बाबा के नारे को लेकर भाजपा गठबंधन में फूटे विरोध के स्वर देखते ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस नारे को नया मुखौटा लगाने की चतुराई दिखाई है। उनका नया नारा है कि-एक रहोगे तो सेफ रहोगे ये हिंदी और अंग्रेजी का खिचड़ी नारा है। इस नारे से न मराठी मानुष प्रभावित होने वाला है और न झारखण्ड का आदिवासी समाज।

एक सामान्य पत्रकार होने के नाते मै माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी कि वाडी लेंग्वेज देखकर ये बात दावे के साथ कह सकता हूँ कि दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बाद भी माननीय मोदी जी के स्वभाव में कोई तब्दीली नहीं आयी है। वे नारा अवश्य सबका साथ,सबका विकास का लगा रहे हैं लेकिन हकीकत ये है कि वे इस देश के अल्पसंख्यकों को न एक रहने देंगे और न सेफ। उन्हें बहुसंख्यक हिन्दुओं को एक रखने और सेफ रखने की सनक सवार है। ये सनक भी है और इसे दृढ संकल्प भी कहा जा सकता है। आरएसएस का एजेंडा भी कहा जा सकता है। इसे आप जो चाहे सो कह सकते हैं। सम्भवतः वे राजनीति में अवतरित ही इसी के लिए हुए हैं

मुझे अनुच्छेद 370 वापस लाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरी चिंता जम्मू-काश्मीर कि जनता के साथ हो रहे दुराव को लेकर है। इस समय देश में लोकतंत्र के जितने भी स्तम्भ हैं उनमें से अधिकांश माननीय मोदी जी के सुर में सुर मिला रहे हैं या उनके प्रत्यक्ष और परोक्ष इशारों पर नर्तन कर रहे हैं। किसी एक विश्व विद्यालय के अलप संख्यक या बहुसंख्यक दर्जे का सवाल नहीं है, सवाल ये है कि आने वाले दिनों में क्या अल्पसंख्यकों को इतना दबाया जाएगा कि वे या तो बहुसंख्यक समाज के दास बन जाएँ या फिर देश छोड़कर भाग जाएँ,लेकिन ये दोनों ही सपने पूरे होने वाले नहीं है।

अगर आप कान लगाकर सुनें तो आपको मोदी जी के सुर में वही तारत्व सुनाई देगा जो इजराइल के प्रधान नेतन याहू के या रूस के राष्ट्रपति पुतिन के या अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सुरों में शामिल है। एक अलग तरह का राष्ट्रवाद दुनिया के तमाम देशों में ठाठें मार रहा है। ऐसा दुनिया में पहले भी हुआ है,आज भी हो रहा है और शायद कल भी होगा,लेकिन इस राष्ट्रवाद की उम्र बहुत छोटी होती है। दुनिया में वही राष्ट्रवाद कामयाब है जहां सचमुच सभी जातियों,धर्मों और वर्णों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। भारत जिस बीमारी से 1947 में बचकर निकल गया था आज वही बीमारी तेजी से फैल रही है। बांटने और काटने की बात आजादी के पहले सुनाई दी थी और आज आजादी के 77 साल बाद एक बार फिर से सुनाई दे रही है।

इस देश कि किस्मत में क्या लिखा है ये कहना बहुत कठिन है। उस देश ने बहुत से बुरे दिन देखे है। 1947 से पहले भी और 2014 के बाद भी। जबकि 2014 में नारा अच्छे दिन आएंगे का दिया गया था। नारा केवल नारा ही साबित हुआ। नारा अमल में नहीं आ पाया। इसके लिए देश कि जनता जिम्मेदार है या नेता ये कोई अदालत तय नहीं कर सकती। हमारे पास तो अदालतें आजकल आधे-अधूरे फैसले देने के लिए लोकप्रिय है, फैसले टालने के लिए चर्चित है। नेताओं के साथ आरतियां उतरने के लिए सुर्खियों में है। अब जो होगा सो 23 नबंवर के बाद देखा जाएगा,जब विधानसभा चुनावों /उप चुनावों के परिणाम सामने आएंगे। देखा जाएगा 25 नबम्वर को जब देश के संसद एक बार फिर बैठेगी।

अनुच्छेद 370 को लेकर दोबारा से शुरू हुई यलगार थमने वाली नहीं है। थम भी नहीं सकती,क्योंकि दोनों ही पक्ष झुकने को राजी नहीं है। याद रहे की अनुच्छेद 370 व्यवहार में तो हटाया जा चुका है किन्तु जम्मू-कश्मीर की जनता के दिलों से इसे हटाना आसान काम नहीं है। यदि होता तो विधानसभा चुनाव के बाद्धाटी में नेशनल कांफ्रेंस या इंडया गठबंधन की नहीं भाजपा गठबंधन एनडीए की सरकार होती। खंडित सूबे की जनता ने महाप्रभु मोदी का सपना खंडित कर एक और अपराध कर दिया है।

राहुल गाँधी के निशाने पर राजघराने

-राकेश अचल-

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुलाम भारत के उन राजघरानों के बारे में लिख दिया जो आजाद भारत में भी अपने आपको राजा-महाराजा समझते हैं हालाँकि हैं नहीं और अब उनके लिए दोबारा राजपाट मिलने की कोई संभावना भी नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने व्यापार और बाजार परिदृश्य पर विचार प्रस्तुत करते हुए एक लेख लिखा जो एक अंग्रेजी अखबार में छपा है। ये अखबार किसी जमाने में कांग्रेस का प्रबल विरोधी अखबार था। अखबार का नाम है 'इंडियन एक्सप्रेस।'

राहुल के लेख में उन्होंने एकाधिकार और नफरत फैलाने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने शाही परिवारों को भी निशाने पर लिया। राहुल गाँधी का लेख पढ़ते ही राजघरानों के लोगों को आग सी लग गयी। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राहुल गांधी के लेख की आलोचना की। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झाँसी की रानी के साथ कथित गद्दारी का कलंक लिए घूमने वाले ग्वालियर के सिंधिया राजघराने के मौजूदा चश्मों चिराग केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी पर अपनी नाराजगी जताई।

आपको अतीत में ले जाना चाहता हूँ। हमने पढ़ा है तो आपने भी पढ़ा ही होगा कि भारत में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान हिन्दुस्तान में हिन्दू राजा-महाराजाओं और मुसलमान नवाबों की रियासतें हुआ करतीं थी। यानि जैसे आज आजाद राष्ट्र में एक महाराष्ट्र है वैसे ही गुलाम भारत में एक-दो नहीं बल्कि पूरी 565 रियासतें थीं। यानि 565 हिंदुस्तान। ये सब स्वतंत्र होकर भी परतंत्र थे लेकिन मजे में थे। अंग्रेजों के साथ अधिकांश राजघरानों की संधियां थी।कुछ की तो मुगलों से भी संधियां रहीं। अंग्रेज इन्हें इनाम-इकराम और बड़े-बड़े तमगे भी दिया करते थे, लेकिन इनमें से बहुत से राजघराने थे जो अंग्रेजों से लगातार मुठभेड़ें भी लेते रहते थे ,लेकिन उनकी ये मुठभेड़ें निजी नफा-नुकसान को लेकर हुआ करतीं थीं।

आजकल लोग अखबार कम पढ़ते हैं लेकिन सोशल मीडिया ज्यादा देखते हैं इसीलिए राहुल गाँधी ने भी अपने 'एक्स' के पन्ने पर अपना लेख साझा करते हुए लिखा कि अपना भारत चुनें निष्पक्ष खेल या एकाधिकार? नौकरियां या कुलीनतंत्र? योग्यता या रिश्ते? नवाचार या डराना-धमकाना? बहुतों के लिए धन या कुछ चुनिंदा लोगों के लिए? मैं इस बारे में लिख रहा हूं कि व्यापार के लिए एक नया समझौता सिर्फ एक विकल्प नहीं है, यह भारत का भविष्य है।

आपने शायद राहुल का लेख न पढ़ा हो इसलिए मैं उनके लेख के कुछ अंश यहां साझा करता हूँ। उन्होंने लिखा कि-ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को चुप करा दिया था। यह अपने व्यापारिक कौशल से नहीं, बल्कि अपने दबदबे से कराया गया था। कंपनी ने हमारे अधिक लचीले महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, रिश्वत देकर और धमकाकर भारत का गला घोंटा। इसने हमारे बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया। हमने अपनी आजादी किसी अन्य राष्ट्र से नहीं खोई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम से खो दिया जिसने एक जबरदस्ती तंत्र चलाया।

अब इस लेख में कितनी हकीकत है और कितना अफसाना ये पाठकों को तय करना है ,लेकिन मुझे लगता है कि राहुल ने एक बार फिर उस सामंतवादी समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया है जो हमेशा राजसत्ता के इर्द गिर्द मंडराता रहता है। कल भी मंडराता था और आज भी मंडरा रहा है। उसके लिए दल ज्यादा महत्व नहीं रखते यानि राजघरानों को राजसत्ता के आसपास ही रहना है फिर चाहे वो सत्ता कांग्रेस की हो,भाजपा की हो, गठबंधन की हो या वैसाखियों वाली हो।

राहुल गांधी के लेख की कुछ पंक्तियों ने देश के तमाम राजशाही परिवारों को नाराज कर दिया। राजघरानों के लिए मशहूर राजस्थान के जयपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी अपने एक्स हैंडल से राहुल गांधी पर निशाना साधा। राजकुमारी दीया कुमारी ने लिखा कि मैं संपादकीय में राहुल गांधी की ओर से भारत के पूर्व शाही परिवारों को बदनाम करने के प्रयास की कड़ी निंदा करती हूं। उनका कहना है कि एकजुट भारत का सपना भारत के पूर्व शाही परिवारों के अत्यधिक बलिदान के कारण ही संभव हो सका। ऐतिहासिक तथ्यों की अधूरी व्याख्या के आधार पर किए गए निराधार आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।

राहुल गाँधी के लेख से सबसे ज्यादा आहत हुए उनके पुराने दोस्त और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया। सिंधिया जिस परिवार से आते हैं उसके ऊपर झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के समय ' गद्दारी ' करने का आरोप लगाया गया था,जो आज भी लोकधारणा में जिंदा है। सिंधिया परिवार इस आरोप से इतना लज्जित था कि पिछले डेढ़ सौ साल में इस परिवार का कोई सदस्य रानी लक्ष्मी बाई की ग्वालियर स्थित समाधि पर नहीं गया था,खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी नहीं गए थे,लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें भी रानी झाँसी को वीरांगना स्वीकार कर उनकी समाधि पर शीश नवाने के लिए विवश कर दिया गया था। राहुल के लेख पर बिफरते हुए सिंधिया ने लिखा कि नफरत फैलाने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। राहुल गांधी का भारत की समृद्ध विरासत के बारे में अज्ञान और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता सभी सीमाओं को पार कर गई है। सिंधिया ने आगे कहा कि यदि आप राष्ट्र को 'उन्नत' करने का दावा करते हैं, तो भारत माता का अपमान करना बंद करें और महादजी सिंधिया, युवराज बीर तिकेंद्रजीत, कित्तूर चेन्नम्मा और रानी वेल्लु नचियार जैसे सच्चे भारतीय नायकों के बारे में जानें, जिन्होंने हमारी आजादी के लिए कड़ा संघर्ष किया।

राहुल और सिंधिया लेख भी लिखते हैं ये मुझे पता नहीं था,किन्तु राहुल के लेख पर उफनते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लिखा कि-'अपने स्वयं के विशेषाधिकार के बारे में आपकी चयनात्मक स्मृतिलोप उन लोगों के लिए एक अपमान है जो वास्तव में विपरीत परिस्थितियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।आपकी असंगति केवल कांग्रेस के एजेंडे को और अधिक उजागर करती है-राहुल गांधी आत्मनिर्भर भारत के कोई चैंपियन नहीं हैं,वह केवल एक पुराने अधिकार का उत्पाद हैं।

आखिर आतंकवाद चाहता कौन है?

-योगेश कुमार सोनी-

जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनने के बाद लगातार हो रहे आतंकी हमलों से हर कोई परेशान है। केंद्र सरकार के साथ लगभग सभी राजनीतिक दल इस बात से हैरान भी हैं कि आमजन में दहशत क्यों फैलाई जा रही है।

आश्चर्य इस बात का भी है कि इस बार एक माह के भीतर हमले वहां हुए जहां पहले कभी नहीं हुए। मजदूरों तक को निशाना बनाया गया। इस विषय में सभी दलों के बड़े नेताओं से चर्चा भी हुई तो उन्होंने आतंकवाद का एक सुर में विरोध किया। यह सुनकर अच्छा भी लगा कि हर कोई आतंकवाद के विरुद्ध है। यहां समझना जरूरी है कि विशेषज्ञों का बड़ा तबका यह मानता है कि किसी भी प्रकार का हमला बिना किसी नेता या बड़े रसूख वाले व्यक्ति की मिलीभगत के बिना संभव नहीं। हालांकि पूर्व में जो भी हमले हुए, उनके बारे में पुलिस जांच का निष्कर्ष है कि इनमें स्थानीय लोगों का भी हाथ रहा है। मगर यह लोग कभी नहीं पकड़े गए। जो पकड़ा गया वह अलगाववादी नेता या किसी अन्य पार्टी का कार्यकर्ता व नेता ही मिला, लेकिन कभी भी इस बात को उजागर नहीं होने दिया जाता था।

आश्चर्य की बात यह है कि आतंकी घटनाक्रम को नेता अपने एक पैटर्न से समझाते आ रहे हैं कि आतंकवादी संगठन जम्मू-कश्मीर के युवाओं के दिमाग में जहर भरते हैं जिसको लेकर उनके दिल-दिमाग में कट्टरता आ जाती है और देश विरोधी गतिविधि के में शामिल हो जाते हैं और इसका आरोप पाकिस्तान पर मढ़ देते हैं। बात में काफी हद तक सच्चाई भी है लेकिन सवाल यह ही है कि आमजन जो जीवन में अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है उसे पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से मिलवाता कौन है या सबसे पहले माइंड कौन डायवर्ट करता है। इन सभी बातों के आधार पर तो यह तय हो जाता है कि देश की असली दुश्मन देश में ही हैं। हम हर छोटे से छोटे हमले पर भी पाकिस्तान पर बात टाल देते हैं। यह सत्य है कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्रियां खोले बैठा है लेकिन हमें अपने देश में पल रहे पाकिस्तान परस्त लोगों व आतंकियों पर भी चर्चा करनी होगी। चर्चा हुई भी। पकड़े भी गए लेकिन पूर्ण रूप खत्म न होने पर जनता अभी भी परेशान है।

हाल ही की स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर के लोग अपने घर से बाहर निकलते हैं लेकिन वापस घर आएंगे यह पता नहीं। चूंकि आतंकवादी किसी पर भी बिना वजह हमला कर रहे हैं। उद्देश्य स्पष्ट न होने की वजह से अभी तक तो यह माना जा रहा है कि दहशत फैलाने की वजह से यह सब हुआ। पड़ोसी देश से आतंकवाद पर कई बार चर्चा हुई लेकिन आजादी लेकर आज तक कोई हल नहीं निकला। हमें सबसे पहले उन लोगों पर एक्शन लेना होगा जो अपने ही देश में रहकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। यह स्पष्ट है हर सरकार के कालखंड में वह खुलकर अंजाम देते आ रहे हैं। हर सरकार इसके इसके लिए चिंतित तो जरूर दिखती है लेकिन देश की जनता के मन में प्रश्न जरूर आता है कि बिना किसी की मिलीभगत से आतंकवाद कैसे संभव है। वैसे तो पूरे देश की जनता के लिए मुद्दा सुरक्षा का होता है लेकिन जम्मू-कश्मीर की जनता के लिए यह सर्वप्रथम रहता है। नई सरकार गठित होते ही जिस तरह आतंकवादियों हमले करते जा रहे हैं उससे वह क्या संदेश देना चाहते हैं यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत सभी दल के नेता परेशान हैं। कोई किसी की बुराई-भलाई नहीं कर रहा जिसे देखकर यह तो महसूस हो रहा है कि आतंकवाद को नियंत्रित करना आसान काम नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान से वार्ता करनी चाहिए लेकिन जब से दोनों देश आजाद हुए हैं भारत सरकार ने इस मामले पर शुरूआत से चर्चा ही की है और हल आज तक नहीं निकला। कई बार सुना है कि पाकिस्तान को कड़े स्वर में समझा दिया गया है लेकिन उसका असर कभी नहीं दिखा। बहरहाल,नई सरकार बनते ही जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों ने वहां की जनता को दहला दिया है। हर रोज परिस्थितियां विषम होती जा रही हैं जिसको लेकर मौजूदा स्थिति में यह देश का बडा मुद्दा बन गया। अब आतंकवादी किसी विशेष को टारगेट न करके आमजन को निशाना बना कर एक अलग तरह की दहशत फैला रहे हैं। आतंकवादी अब जम्मू-कश्मीर की जनता के अलावा वहां के प्रवासियों को भी निशाना बना रहे हैं। इसलिए अब आतंकवाद पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ट्रंप की जीत के भारत के लिए मायने

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

ट्रंप की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रंप की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ. इतना ही काफी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रंप को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है और लिज चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नजर में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेजी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें कि आम राजनेता, पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरूआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की जरूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रंप के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे।

ट्रंप के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से ह्यशेलह्न तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है।

दूसरा पहलू यह है कि ट्रंप के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मजबूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर-शराबा होगा।

इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी, इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुध्रुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है।

यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया।

अब आगे अमेरिकी चुनावी सुधारों पर अब गंभीरता से बहस शुरू होगी। व्यवस्था टूट चुकी है और इसे ठीक करने की जरूरत है। सुधार किस तरह की रूपरेखा अपनाएगा, यह केवल विस्तार का विषय है, लेकिन, सिद्धांत रूप में, इसकी आवश्यकता पर बातचीत शुरू होगी। यह एकमात्र तरीका है जिससे अमेरिका सभ्यतागत पतन से बच सकता है जिसकी ओर वह वर्तमान में बढ़ रहा है और ट्रंप यह जानते हैं। हालांकि, कड़े व्यापार रवैये के बावजूद ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल में भारत पर अमेरिकी व्यापार सरप्लस की जांच और संभावित प्रतिबंध लगाने का दबाव रहेगा।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

उत्तर प्रदेश: कपड़ों पर प्रेस करके पैसा कमाने वाला युवक मचा रहा हरियाणवी गाने में धूम

मोहम्मद राशिद

उत्तर प्रदेश: कपड़ों पर प्रेस करके पैसा कमाने वाला युवक हरियाणवी गाने में धूम मचा रहा है। गाना नखरा लाखां का 24 अक्टूबर को यूट्यूब पर रिलीज हो गया है गाने को य ने लिखा है इसमें उसके साथ नायिका युवक का किरदार गाजियाबाद की रहने वाली मॉडल माही सरोज निभा रही है। गाना यूट्यूब पर आने से युवक के परिजनों में खुशी है। अगर कुछ कर पाने की मन में ठान ली जाए तो सफलता कदम अवश्य चूमती है।

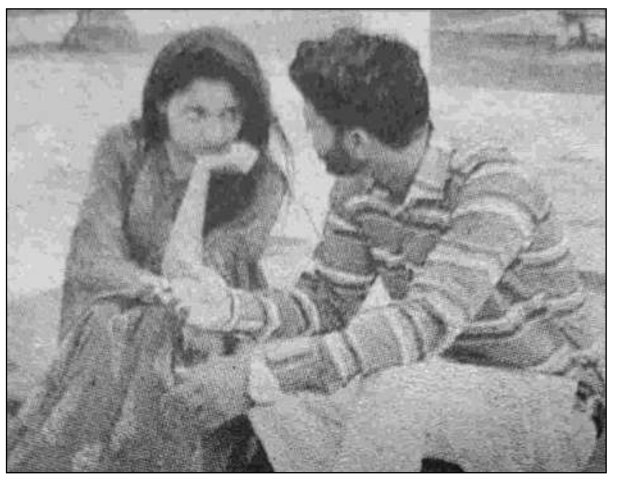

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के विकास नगर निवासी विकी दिवाकर ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है लोगों के कपड़े घरों से लाकर प्रेस करने वाले विकी दिवाकर को गाने लिखने के साथ ही एक्टिंग का भी काफी शौक था कुछ समय पहले विकी ने नखरा लखन का गाना लिखा था इस गाने को लेकर उसने हरियाणा के डायरेक्टर गौरव कोहली से संपर्क किया। गौरव कोहली ने विक्की दिवाकर को सुपर वन म्यूजिक कंपनी के डायरेक्टर राकेश कुमार से मिलाया उन्होंने गाने को पढ़ा गाने में दम होने की वजह से इसकी शूटिंग के लिए गाजियाबाद की मॉडल माही सरोज को भी कास्ट कर लिया इस हरियाणवी गाने में खास बात यह है कि मॉडल के साथ रोल निभा कर विक्की दिवाकर ने इस गाने को खुद ही गया भी है और यह 24 अक्टूबर को यूट्यूब पर रिलीज हो गया है।

दिसंबर में आएगा दूसरा गाना विक्की दिवाकर का कहना है कि, एक गाना 24 अक्टूबर को यूट्यूब पर रिलीज हो गया है अब वह दूसरा गाना लिख रहे हैं सब कुछ ठीक रह रहा तो वह इस गाने को दिसंबर तक सबके सामने हिलाने का प्रयास करेंगे किसी और कंपनी से बात करके इस गाने कोदिया जाएगा। इसके बाद शूटिंग होगी विक्की दिवाकर निरंकारी सत्संग में भी कई बार भजन गा चुके हैं। 3 मिनट 4 सेकंड का है वीडियो नखरा लक्खा का गाना ज्यादा लंबा नहीं है। इस गाने को 3 मिनट 4 सेकंड का सूट किया गया है।

इसकी शूटिंग हरियाणा के बहादुरगढ़ में हुई गाने की शूटिंग के लिए विकी दिवाकर पांच या 6 दिन तक हरियाणा में ही रहे उनका कहना है कि, इस गाने में अभी तक ?100000 खर्च हो गया है। गाना सुनने के बाद युवक और युक्तियां लगातार उनके गाने को सब्सक्राइब कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश: छठ पूजा पर मिली सोनभद्र को पूजा एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: छठ पर्व के मद्देनजर लोगों को आवागमन में कोई परेशानी न हो इसी उद्देश्य से नई पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन चोपन और कटनी साउथ स्टेशन के बीच किया जा रहा है। इस ट्रेन का संचालन 15 नवंबर तक प्रतिदिन किया जाएगा। इस स्पेशल ट्रेन में 5 जनरल बोगी के अलावा आठ स्लीपर श्रेणी और थर्ड एसी के तीन बोगी लगाए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोपन-कटनी पूजा स्पेशल ट्रेन चोपन से प्रतिदिन 9016 नंबर वाली ट्रेन दोपहर 3:30 बजे खुलकर रात 12:40 बजे कटनी पहुंचेगी. कटनी से सुबह 5 बजे ट्रेन संख्या 9015 के रूप में चलकर दोपहर 1:50 बजे चोपन स्टेशन पर आएगी।

पूजा स्पेशल ट्रेन का ठहराव ओबरा डैम, सिंगरौली, गजरा बहरा, सरई ग्राम,निवास रोड, मड़वासग्राम, जोबा, ब्योहारी, विजयसोटा, महरोइ, खन्ना बजारी, तथा बरगवां स्टेशन पर होगा। इससे पूर्व दिवाली और छठ पर्व को देखते हुए अजमेर व कोलकाता के बीच सोनभद्र होते हुए। स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू किया गया था।

इस पर्व को देखते हुए सोनभद्र के चोपन और मध्य प्रदेश के कटनी के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन की सुविधा मुहैया कराई गई है.कटनी -चोपन पूजा स्पेशल ट्रेन का लाभ उत्तर प्रदेश के सोनभद्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग भी उठाएंगे। क्योंकि बिहार झारखंड की सीमा सोनभद्र से सटी हुई है। नई पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन 15 नवंबर तक प्रतिदिन होने से यात्रियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी।

उत्तर प्रदेश: चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली

नरेंदर

उत्तर प्रदेश: आधी रात को नोएडा के वीआईपी सेक्टर माने जाने वाले सेक्टर 14 के पीछे नाले की पटरी पर पुलिस और बदमाश की मुठभेड़ हुई जिसमें दिल्ली व आसपास के क्षेत्र में 36 घटनाओं को अंजाम देने वाला एक शातिर बदमाश पुलिस की गोली से घायल हुआ।

उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्रा के अनुसार 05/11/2024 को सघन चेकिंग अभियान के दौरान थाना फेस-1 पुलिस द्वारा चिल्ला बॉर्डर से गंदा नाला मार्ग पर एक संदिग्ध अपाचे मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को आते हुए देखकर रुकने का इशारा किया गया जिस पर वह व्यक्ति मोटरसाइकिल को वापस गंदे नाले की ओर मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा।

पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास करने पर उक्त मोटरसाइकिल फिसल गयी तथा अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में उक्त अभियुक्त गोली लगने के कारण घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान साजिद पुत्र यूनुस निवासी त्रिलोकपुरी, नई दिल्ली के रूप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर मय 01 खोखा व 01 जिन्दा कारतूस, एक चोरी की मोटरसाइकिल अपाचे व तीन मोबाइल फोन बरामद हुए है।

नेताजी के परपोते ने PM को लिखा पत्र, जापान में संरक्षित 'अवशेषों' को भारत लाने की मांग

चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि दिल्ली के कर्तव्य पथ पर नेताजी के सम्मान में एक स्मारक बनाया जाए। पत्र में उन्होंने लिखा, नेताजी के अवशेष अभी भी जापान के रेनकोजी मंदिर में हैं। यह एक बड़ा अपमान है कि उनके अवशेष एक विदेशी भूमि पर पड़े हुए हैं।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परपोते चंद्र कुमार बोस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे जापान के रेनकोजी मंदिर में रखे नेताजी के 'अवशेषों' को अगले साल 23 जनवरी को उनकी जन्मजयंती से पहले भारत लाने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

पत्र में उन्होंने कहा कि यह नेताजी का 'बड़ा अपमान' है कि उनके 'अवशेष' अभी भी जापान के रेनकोजी मंदिर में रखे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नेताजी की इच्छा थी कि वह आजाद भारत में वापस लौटें। लेकिन उन्होंने भारत की आजादी के लिए 18 अगस्त 1945 को अपनी जान की कुबार्नी दी।

'कर्तव्य पथ पर नेताजी के सम्मान में बने स्मारक'

चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि दिल्ली के कर्तव्य पथ पर नेताजी के सम्मान में एक स्मारक बनाया जाए। पत्र में उन्होंने लिखा, नेताजी के अवशेष अभी भी जापान के रेनकोजी मंदिर में हैं। यह एक बड़ा अपमान है कि उनके अवशेष एक विदेशी भूमि पर पड़े हुए हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि नेताजी के अवशेषों को 23 जनवरी से पहले भारत लाया जाए और उनके सम्मान में दिल्ली में एक स्मारक बनवाया जाए।

'नेताजी के निधन पर अंतिम बयान जारी करे सरकार'

उन्होंने आगे कहा, यह सराहनीय है कि आपके (पीएम मोदी) नेतृत्व में भारत सरकार ने नेताजी से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने के लिए कदम उठाया। सभी फाइलों के सार्वजनिक होने के बाद यह स्पष्ट है कि नेताजी की मृत्यु 18 अगस्त 1945 को हुई थी। इसलिए यह जरूरी है कि अब सरकार की ओर से एक अंतिम बयान जारी किया जाए, ताकि भारत के स्वतंत्रता सेनानी के बारे में जो झूठी धारणाएं फैलाई जा रही हैं, उन्हें समाप्त किया जा सके।

नेहरू सरकार में गठित तीन सदस्यीय समिति का जिक्र

चंद्र कुमार बोस ने 1956 में जवाहर लाल नेहरू सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति का भी जिक्र किया, जिसने नेताजी के निधन पर रिपोर्ट तैयार की थी। उन्होंने यह भी बताया कि 1974 में बने खोसला आयोग की रिपोर्ट और 2005 में न्यायमूर्ति मुखर्जी आयोग की रिपोर्ट में नेताजी की मौत पर विभिन्न निष्कर्ष आए थे, जिन्हें भारत सरकार ने सही पाया और उनका समर्थन किया।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर विधानसभा उपचुनाव जीताने के लिए होगी जनसभा

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर में मझवां विधानसभा उपचुनाव आज दिनांक- 05-11-2024 को भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या जी के समर्थन में आज स्वामी गोविन्द आश्रम इंटर कॉलेज, पैड़ापुर, मीरजापुर में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन" में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय जनप्रिय एवं यशस्वी उपमुख्यमंत्री माननीय श्री बृजेश पाठक जी रहे। इस प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए। माननीय उपमुख्यमंत्री जी भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय का शंखनाद किए। इस प्रबुद्ध सम्मेलन में माननीय मंत्री श्री अनिल राजभर जी, आदरणीया श्रीमती सरोज कुशवाहा जी (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा काशी एवं जिला प्रभारी भाजपा मीरजापुर) माननीय लोकप्रिय जनप्रिय एवं यशस्वी विधायक चुनार परम आदरणीय श्री अनुराग सिंह जी एवं समस्त सम्मानित माननीय जनप्रतिनिधि गण,समस्त सम्मानित पार्टी के पदाधिकारी गण,समस्त सम्मानित पार्टी के कार्यकर्ता बंधु एवं हजारों की संख्या में समस्त सम्मानित प्रबुद्ध जन आदि उपस्थित रहे। अपने भाजपा मंडल जमालपुर की ओर से मंडल अध्यक्ष श्री नरसिंह चौहान जी,मंडल महामंत्री भाजपा जमालपुर श्री जोशी पटेल उपस्थित रहे।

झारखंड: नरेंन्द्र मोदी पर रोक लगानी चाहिए 15 नवम्बर को मधुपुर आने पर

राजेश कुमार यादव/झारखंड: शब बात जुमला तो अभी माधुपुर मे जरूरत नहीं है एम्बुलेंस नहीं दवाई नहीं इलाज नहीं 5लाख मुफ्त इलाज नहीं तो जुमला भाषण दे के ट्रैफिक जाम कर के क्या फायदा माधुपुर मे और पेट्रोल खर्च कर के और चुनाव प्रचार तो 11नोवेम्बर रात से ही बंद होंगे तो 15 नवम्बर को माधुपुर मे भाषण प्रसासन और पोस्टर कैसे पूर्ण तरीके से गलत है और आज ताक माधुपुर प्रगति के लिए बात नहीं किये ना आये माधुपुर याब दिखने लगा माधुपुर क्या है पूर्ण तरीके से पवन्दी लगनी चाहिए।

शब प्रसासन और एम्बुलेंस और रोड जाम रहेंगे। देवघर खाखोला क्या माधुपुर भी लुट कर जायेंगे जुमला भाषण दे कर पहले बोले फुटबाल मैदान सुधारे मधुपुर पुल बनवाये और मधुर थाना बनवाये भेड़वा रास्ता रोशन मोड़ रास्ता बनवाये सप्तार माधुपुर ताक अनुमदलय हॉस्पिटल और सादर हॉस्पिटल और तमाम सरकारी हॉस्पिटल सुधारे और देवघर एयरपोर्ट पूरा साफ सफाई और सुंदरी कारण कराये और मधुपुर मे 2दर्जन चापाकल और 50 पानी दमकल गाड़ी तेयनात क्यो की जायेंगे लेकिन माधुपुर के नाम खराब कर के जायेंगे पहले विधि बेवस्था और कानून की पालन बाद मे माधुपुर मे कदम रखना। पुलिस मित्र आगेर्नाइजेशन एरिया जनरल सेक्रेटरी राजेश कुमार यादव का यह कहना है या चुनाव के बाद अपने तरीका से आये माधुपुर धरती पार मोस्ट वैलकम अभी मधुपुर का माहौल खराब है और सफसाफाई नहीं विधि बेवस्था ठीक नहीं है।

उत्तर प्रदेश: छठ के दूसरे दिन अब होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: लोक आस्था का महापर्व नहाए खाए के साथ मंगलवार को सोनभद्र जिले तथा ग्रामीण इलाकों मे चार दिवसीय छठ पूजा की शुरूआत हो गई है। आज बुधवार को खरना पूजा के पश्चात महिला एवं पुरुष परिवार की सुख व सम्पन्नता के लिए 36 घंटे का व्रत रखेंगे। इसे लोहडा -खरना भी कहा जाता हैं.खरना के दिन व्रती महिलाएं उपवास रखकर शाम को छठ घाट पर पहुंच कर स्नान करेंगी फिर वेदियों की पूजा करने की रिवाज हैं, तथा रात मे खीर का सेवन करेंगी.खीर गन्ने की रस या गुड़ से बनी होती हैं। इसमें नमक का प्रयोग नहीं किया जाता हैं। आज के दिन वर्ती महिलाएं शुद्धता के साथ पकवान तैयार करतीं हैं।

पकवान तैयार करने मे मिट्टी के नये चूल्हे तथा आम के लकड़ी का प्रयोग किया जाता हैं। सूर्य उपासना के महापर्व डाला छठ जिले तथा आसपास के क्षेत्र में काफी उत्साह का माहौल है. इस पर्व में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पर्व को लेकर वर्तियों के घर के लोग आज सुबह से ही खरीदारी करने के लिए बाजार में आ गए। बाजार में सूप,दाऊरी, गन्ना, फल सहित अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी करने के लिए दुकानों पर सुबह से ही भीड़ लगनी शुरू हो गई। बृहस्पतिवार को यानी कल डूबते सूर्य को अर्ध्य के साथ व्रती महिलाएं जगराता करते हुए छठ मैया की आराधना करेंगीं। शुक्रवार को सुबह (8 नवंबर को) उगते सूर्य को अर्ध्य देकर,हवन कर कच्चे दूध का शर्बत पीकर छठ व्रत का समापन किया जाएगा।

हरियाणा: श्यामपुरा में विधायक श्री कंवर सिंह जी यादव को जीत की बधाई

विनोद कुमार

हरियाणा: श्यामपुरा गांव में विधायक श्री कंवर सिंह जी यादव को जीत की बधाई रैली में जनहितकारी एवं समाजसेवी विनोद श्यामपुरिया व उनके छोटे भाई मास्टर सत्यपाल सिंह यादव ने भारत माता अभिनंदन संगठन का मोमेंटो समस्त गांव श्यामपुरा के गणमान्य व्यक्तियों के सामने दिया । और जनहितकारी एवं समाजसेवी विनोद श्यामपुरिया ने विधायक श्री कंवर सिंह जी यादव को भारत माता अभिनंदन संगठन का मोमेंतो देकर कहा कि 11 सितंबर का दिन भारत माता अभिनंदन दिवस देश का सबसे बड़ा दिवस है । क्योंकि इस दिन 11 सितंबर 1893 को पूरे संसार के लोगों ने भारत देश की भारत माता की जय जयकार की थी।

इसी प्रकार संगठन ने सबसे पहले देश के सम्मुख 26 दिसंबर के दिन को बाल बलिदान दिवस के रूप में प्रस्तुत किया था जिसे अब भारत सरकार ने वीर बाल दिवस के रूप में मान्यता प्रदान कर दी है । इस दिन गुरु गोविंद सिंह के दोनों लड़कों को उनकी दादी के सामने दीवार में पहले छोटे लड़के को और उसके बाद बड़े लड़के को दीवार में जिंदा चिनवा दिया था इसके बाद बड़ा लड़का छोटे लड़के को दीवार में चीन रहे थे तो बड़ा लड़का रोने लगा तो उसको पूछा कि आप क्यों रहे हो।

उसने कहा कि मुझे पहले दीवार में चिनवा दो।उसके बाद मेरे छोटे भाई को। इसलिए मैं रो रहा हूं कि मेरा छोटा भाई मेरे से पहले दीवार में चिनवाया जा रहा है।

मध्य प्रदेश: शुजालपुर द्वारा स्वर्गीय राजेश सक्सेना की स्मृति में होगा रक्तदान शिविर एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

बृज कुमार राठौर

मध्य प्रदेश: प्रतिवर्ष अनुसार कायस्थ समाज शुजालपुर द्वारा कायस्थ समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी शुजालपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष स्व. राजेश सक्सेना की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 8/11/24 (शुक्रवार) को प्रातः 10 से 2 बजे तक सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर मंडी में किया गया है।

कायस्थ समाज शुजालपुर द्वारा विगत तीन वर्षों से स्व. राजेश सक्सेना की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है श्री स्व.राजेश सक्सेना द्वारा समाज के प्राचीन चित्रगुप्त मंदिर के जीर्णोद्धार एवं उसके रख रखाव के लिए लगातार प्रयास किए गए एवं भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष के रूप में सफलता पूर्वक कार्य करते हुए आम नागरिकों के हितों के लिए अनेक कार्य किए इसलिये कायस्थ समाज द्वारा उनकी स्म्रति में प्रतिवर्ष शिविर आयोजित करता है जिसमे समाजजन एवं नागरिकों द्वारा रक्तदान एवं नेत्र परीक्षण करवाया जाता है, परीक्षण में आपरेशन हेतु चयनित मरीजो को बस द्वारा संत हिरदाराम हॉस्पिटल ले जाया जाएगा।

कायस्थ महासभा शुजालपुर के अध्यक्ष शैलेंद्र सक्सेना (एडवोकेट) ,संवरक्षक-रमेशचन्द्र सक्सेना, सचिव-संतोष सक्सेना, कोषाध्यक्ष-राघवेन्द्र श्रीवास्तव, ओम सक्सेना, युवा इकाई ज़िलाध्यक्ष गौरव सक्सेना,अभिषेक सक्सेना (चिंटू), संतोष सक्सेना, विनोद सक्सेना (पत्रकार), बंटी श्रीवास्तव, सुरेश सक्सेना, कमल श्रीवास्तव, ब्रजेश सक्सेना, भूपेन्द्र सक्सेना, अभिजीत सक्सेना, आशीष श्रीवास्तव, अंकित सक्सेना, जितेन्द्र श्रीवास्तव, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, देवेन्द्र सक्सेना आदि ने रक्तदान करने की अपील की है,जानकारी कायस्थ महासभा शुजालपुर के मीडिया प्रभारी मनोज सक्सेना ने दी ।

राजस्थान: नई बस सेवा प्रारंभ होने पर किया आभार व्यक्त

गजेन्द्र सिंह

राजस्थान: नई बस सेवा प्रारंभ होने पर विधायक एवं मंत्री व राजस्थान सरकार के मंत्री गौतम दक का आभार व्यक्त किया। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के द्वारा आसावरा माता शक्तिपीठ से भीलवाड़ा नई बस सेवा प्रारंभ करी। इस नई बस सेवा के प्रारंभ होने पर क्षेत्र वासियों ने राजस्थान सरकार सहित क्षेत्रीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या एवं बड़ी सादड़ी विधायक एवं राजस्थान सरकार के मंत्री गौतम दक का आभार व्यक्त किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आसावरा माता से भीलवाड़ा एक नई बस सेवा प्रारंभ की जो की आसावरा माता से प्रातः 7:00 बजे प्रस्थान करेगी भीलवाड़ा के लिए एवं इसी प्रकार यह बस पुनः शाम को 7:15 पर चित्तौड़गढ़ रोडवेज बस स्टैंड से भदेसर होते हुए आवरी माता पहुंचेगी। इस नई बस सेवा के प्रारंभ होने से क्षेत्र वासियों ने राहत महसूस की साथ ही इस बस के भदेसर पहुंचने पर भदेसर कस्बे के ग्राम वासियों के द्वारा बस के चालक अंबालाल एवं परिचालक महेंद्र सिंह का उपरना औढ़ा कर स्वागत किया।

महाराष्ट्र: राष्ट्रीय लोकनायक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार को समर्थन का ऐलान

समीर राजेंद्र वानखेड़े/महाराष्ट्र: विभिन्न पार्टियों और संगठनों की ओर से लगातार बल्लारपुर विधानसभा के बीजेपी उम्मीदवार सुधीर मुनगंटीवार को समर्थन देने का ऐलान किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय लोकनायक जनशक्ति पार्टी भी शामिल है। पार्टी ने अधिकृत पत्र द्वारा मुनगंटीवार को सक्रिय समर्थन की घोषणा करी।

बाल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी-शिवसेना राष्ट्रवादी कांग्रेस आर पी आई आठवले गुट महायुति से उम्मीदवारी मिलने पर राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी द्वारा अधिकृत पत्र द्वारा सुधीर मुनगंटीवार का अभिनंदन किया है । तथा समर्थन दिए जाने की घोषणा करने पर सुधीर मुनगंटीवार ने लोकजनशक्ति पार्टी के सभी नेताओं तथा कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया है। श्री मुनगंटीवार ने पत्र के जरिए अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने मुझे गरीबों, गरीबों, कमजोरों, विकलांगों, मजदूरों, कामगारों, किसानों, खेत मजदूरों, विधवाओं, परित्यक्तों, महिलाओं और आम जनता की सेवा करने का अवसर दिया है। मुझे विश्वास है कि आपके सहयोग से मैं विधानसभा चुनाव भारी अंतर से जीत पाऊंगा। मुझे विश्वास है कि मैं इस विधानसभा चुनाव में विकास के रथ को और तेज दौड़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा। ऐसा विश्वास मुनगंटीवार ने राष्ट्रीय लोकनायक जनशक्ति पार्टी को दिया है।

अब लॉरेंस बिश्नोई बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के गवाहों के पीछे पड़ा, कर रहा धमकी भरा फोन कॉल

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है। विजयादशमी के दिन यानी 12 अक्टूबर को मुंबई के बांद्रा स्थित खेरवाड़ी जंक्शन इलाके में बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान बाबा सिद्दीकी के आसपास कई लोग मौजूद थे। पुलिस ने इन लोगों के बयान दर्ज करना शुरू किया। जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तो यह पता चला कि एक गवाह को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी भरा फोन आया था। इस मामले में संबंधित प्रत्यक्षदर्शी ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया है कि उक्त शख्स के पास कुछ दिन पहले एक अनजान शख्स का फोन आया। इस अज्ञात शख्स ने गवाह को धमकाया और उससे 5 करोड़ रुपये की मांग की। पैसे न देने पर चश्मदीद को जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस का शुरुआती अनुमान है कि फोन लॉरेंस बिश्नोई गैंग का है। बहरहाल अब पुलिस गवाहों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाती है ये तो आने वाले समय में ही पता चलेगा।

सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों की अब खैर नहीं, 5200 लोगों पर लगा 9 लाख का जुर्माना

सूरत। शहर में सार्वजनिक जगहों पर थूंकना लोगों को महंगा पड़ सकता है। पहली बार सूरत में सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। सूरत नगर निगम (एसएमसी) ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहली बार बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की है। एसएमसी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने वालों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया है। दिवाली-न्यू ईयर समेत सड़क पर थूकने पर 5200 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। पुलों, डिवाइडरों, सड़कों और सर्किलों के पेंटवर्क को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई की गई है। साथ ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के 4500 सीसीटीवी से अब 24 घंटे निगरानी की जाएगी। दरअसल त्योहारों को लेकर महोत्सव ताने सूरत के सभी जोन में करोड़ों की लागत से पुल-सड़कों, सर्किलों का रंग-रोगन किया गया था। लेकिन सौंदर्यीकरण को मावा-गुटखा खाकर थूकने वालों ने बिगाड़ दिया। इसके चलते सार्वजनिक स्थानों पर खबरें थूकने वालों के खिलाफ कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के 4500 कैमरों से निगरानी कर थूकने वालों को पकड़ा गया है। सीसीटीवी के जरिए ऐसे 5200 लोगों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया गया है। एसएमसी का दावा है कि सूरत में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की गई है। हालांकि कार्रवाई के बाद भी ऐसे थूकने वाले सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसलिए नगर निगम ने आने वाले दिनों में सख्ती बढ़ाने और जुर्माने की राशि दोगुनी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

पी चिदंबरम ने एयर इंडिया पर लगाए बदइंतजामी के आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने एयर इंडिया के स्टाफ पर बदइंतजामी के आरोप लगाए हैं। खास बात ये है कि चिदंबरम ने ये आरोप सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लगाए हैं। 15 मिनट से वो एयरो ब्रिज पर खड़े होकर फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे, लेकिन विमान का दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने ट्वीट किया है। पी चिदंबरम ने एक्स पर ट्वीट किया, दिल्ली से चेन्नई जा रही उड़ान एआई 540 के सभी यात्री पिछले 15 मिनट से एयरो ब्रिज पर खड़े हैं। हमें गेट पर चढ़ने के लिए मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन विमान के दरवाजे पर इंतजार करने के लिए कहा गया था। यात्री प्रस्थान समय के 10 मिनट बाद ही सवार हो रहे हैं। कोई नहीं जानता कि फ्लाइट कब रवाना होगी। इसके बाद कांग्रेस के सीनियर नेता ने लिखा, मैं एयर इंडिया से अक्सर यात्रा करता रहा हूं। मुझे खेद है कि प्रबंधन के सरकार से निजी क्षेत्र में हाथ बदलने के बाद से व्यावहारिक रूप से कोई सुधार नहीं हुआ है। मैं उड़ान के कई पहलुओं को सूचीबद्ध कर सकता हूं, जिन्हें एक सक्षम प्रबंधन द्वारा बेहतर बनाया जा सकता है। मुझे लगता है कि एयर इंडिया में विभिन्न स्तरों पर सक्षम प्रबंधकों की कमी है।

पटना-नई दिल्ली पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। त्योहारों के अवसर पर यात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए कई पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में छठ पर्व बाद नई दिल्ली जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एक जोड़ी अतिरिक्त पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 03329 पटना-नई दिल्ली पूजा स्पेशल 09.11.2024 एवं 11.11.2024 को पटना से 14.05 बजे खुलकर दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते अगले दिन 08.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 03330 नई दिल्ली-पटना पूजा स्पेशल 10.11.2024 एवं 12.11.2024 को नई दिल्ली से 09.30 बजे खुलकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर के रास्ते अगले दिन 02.20 बजे पटना पहुंचेगी। इस बात की जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने एक विज्ञप्ति में दी। न यादव ने इस बार कड़ा रुख अख्तियार किया है।

आईसीजी महिपालपुर में डेटा सेंटर बनाएगा, आधारशिला रखी गई

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) नई दिल्ली के महिपालपुर में डेटा सेंटर बनाएगा। आईसीजी के उप महानिदेशक (नीति एवं योजना) एवं महानिरीक्षक (आईजी) आनंद प्रकाश बडोला ने प्रोजेक्ट डिजिटल कोस्ट गार्ड (डीसीजी) के टियर-III के तहत डेटा सेंटर की आधारशिला रखी। नवीनतम तकनीक से लैस यह डेटा सेंटर महत्वपूर्ण आईटी संसाधनों की निगरानी और प्रशासन के लिए मस्तिष्क केंद्र के रूप में काम करेगा, जिससे आईसीजी के प्रशासनिक कामकाज को महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

बीजेपी सरकार यदि अटलजी का नजरिया अपनाती तो कश्मीर की स्थिति अलग होती

सीएम उमर अब्दुल्ला ने की पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जमकर तारीफ

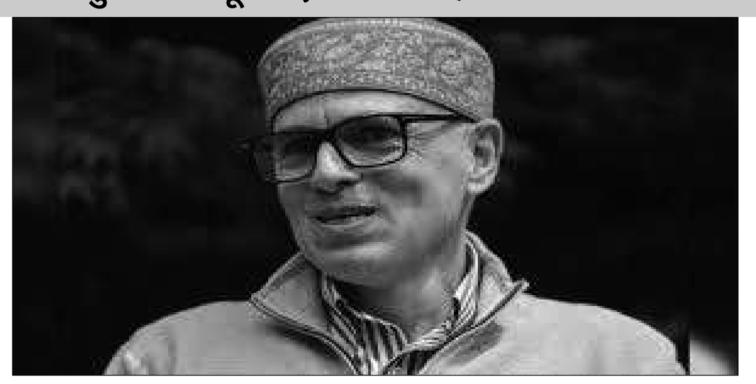

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र मंगलवार को शुरू हो गया है, जिसमें सीएम उमर अब्दुल्ला ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जमकर तारीफ की है। श्रद्धांजलि सभा में सीएम उमर ने अटल जी को याद करते हुए उनके दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि अगर केंद्र में बीजेपी सरकार ने अटलजी का नजरिया अपनाया होता, तो जम्मू-कश्मीर की स्थिति आज अलग ही होती।

उमर अब्दुल्ला ने बताया कि अटलजी ने हमेशा जम्मू-कश्मीर में स्थिति को सुधारने की कोशिश की। अटलजी ने 1999 में दिल्ली-लाहौर बस यात्रा चलाने के दौरान पाकिस्तान की मीनार-ए-पाकिस्तान का दौरा किया था, जो एक कठिन कदम था। इसके बाद उन्होंने सरहद पर खड़े होकर कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। अटलजी का यह विचार था कि बातचीत ही एकमात्र रास्ता है और उन्होंने कई असफलताओं के बावजूद बार-बार दोस्ती का हाथ बढ़ाया।

सीएम उमर ने कहा कि अटल बिहारी जी ने एलओसी के पार रास्तों को खोलने के लिए काम किया, जिससे लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने की कोशिश की, लेकिन बाद में ये रास्ते बंद कर दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि आज जम्मू-कश्मीर को अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है, जबकि अटलजी का दृष्टिकोण हमेशा समग्रता और संवाद पर आधारित था। उमर अब्दुल्ला ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को भी श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। उमर ने मुखर्जी की कड़ी मेहनत और राजनीति में उनके संघर्ष की तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि मुखर्जी ने सभी पदों के साथ न्याय किया और उन्होंने राजनीति में एक बड़ा योगदान दिया।

इसके अलावा सीएम उमर अब्दुल्ला ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी और बीजेपी नेता देवेंद्र सिंह राणा को भी श्रद्धांजलि दी। राणा के निधन पर उन्होंने कहा कि चुनावी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद उनके साथ मेरे बहुत अच्छे रिश्ते थे। मैं नहीं जानता था कि वह इतने बीमार हैं, अगर मुझे पता होता तो मैंने हमारे रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश की होती। अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि श्रद्धांजलि देने के लिए तैयार की गई दिवंगत लोगों की सूची में शामिल सभी 56 लोगों ने जनता की सेवा में अपना योगदान दिया है।

वाराणसी में सामूहिक हत्याकांड से 28 साल पुरानी यादें ताजा

वाराणसी। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र के भदैनी इलाके में हुए सामूहिक हत्याकांड ने 28 साल पुरानी यादें ताजा कर दी। बता दें कि मंगलवार की सुबह शराब ठेकेदार राजेंद्र गुप्ता, उनकी पत्नी, दो बेटे और बेटी के शव उनके घर में मिले थे जिनकी गोली मारकर हत्या की गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है। इस सामूहिक हत्याकांड ने 28 साल पुरानी त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं, जब इसी घर में 1996 में राजेंद्र के भाई कृष्ण कुमार गुप्ता और उनकी पत्नी मंजू गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कृष्ण कुमार और उनकी पत्नी की मौत के बाद राजेंद्र ने उनके दोनों बेटों विक्की और जुगनू उर्फ प्रशांत तथा बहन डॉली की जिम्मेदारी संभाली थी। 1997 में राजेंद्र के पिता लक्ष्मी गुप्ता और उनके गार्ड की भी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में राजेंद्र पर आरोप लगे और उसे जेल भी जाना पड़ा, लेकिन बाद में कोर्ट से जमानत मिल गई। पुलिस पुराने मामले को देखते हुए इस नए हत्याकांड की जांच कर रही है और उनका मानना है कि हो सकता है कि इस घटना को पेशेवर शार्प शूटर ने अंजाम दिया हो। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि इस केस की जांच में हर एंगल को ध्यान में रखा जा रहा है और एक विशेष टीम को इस काम में लगाया गया है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने वाराणसी में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मामले में वाराणसी पुलिस कमिश्नर ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन की हिस्ट्री खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस राजेंद्र के भतीजे जुगनू उर्फ प्रशांत से पूछताछ कर रही है, लेकिन दूसरे भतीजे विक्की से संपर्क नहीं हो पाया है, क्योंकि उसका फोन बंद है।

मोदी और शाह के नेतृत्व में देश का सियासी स्तर गिरा

-संजय राउत ने केंद्रीय नेतृत्व को लिया निशाने पर

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन दोनों के नेतृत्व में देश का सियासी स्तर नीचे चला गया है। संभवतः यही वजह है कि बीते दिनों शरद पवार ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। लेकिन, हम जैसे सभी लोग जो उन्हें चाहते हैं, उनसे आग्रह करना चाहेंगे कि वो राजनीति से अभी संन्यास ना लें।

उन्होंने कहा, कि शायद यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शरद पवार भारतीय राजनीतिक जगत के सर्वाधिक वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं। उनके जैसा वरिष्ठ नेता भारतीय राजनीति में मौजूदा समय में कोई दूसरा नहीं है। हम सभी लोगों ने उनसे राजनीति का पाठ पढ़ा और सीखा है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की यात्रा के दौरान अमिट छाप छोड़ी है। ऐसे में उनकी उपेक्षा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन, इस बात को भी खारिज करना गवारा नहीं रहेगा कि मौजूदा वक्त में जिस तरह से राजनीति का स्तर नीचे चला गया है, वो निंदनीय है। शायद इसी वजह से पवार ने बीते दिनों चुनाव ना लड़ने की इच्छा जाहिर की। लेकिन, हम चाहेंगे कि वो राजनीति में बने रहें। इसी बीच उन्होंने देवेंद्र फडणवीस को भी आड़े हाथों लिया और कहा, कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि, यहां एक बात मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उनका विरोध करने से कुछ होने वाला नहीं है। उद्धव ठाकरे स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनेगा। लेकिन, ना जाने क्यों कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। इसी के साथ सवाल करते हुए राउत ने कहा, कि जब अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो सकता है, तो हमारे महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर क्यों नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनवाकर रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के दौरान भी कई फडणवीस थे, जिन्होंने उनका विरोध किया था। लेकिन, उनके वजूद पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आई थी। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि कोई उनका कितना भी विरोध क्यों ना करे, लेकिन उनकी अस्मिता पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने वाली है।

भड़काऊ भाषण देकर बुरे फंसे मिथुन चक्रवर्ती, उत्तर 24 परगना में दिए गए बयान को लेकर दर्ज की गई एफआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कार्यक्रम में 'भड़काऊ' बयान को लेकर अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। चक्रवर्ती ने भाजपा के सदस्यता अभियान कार्यक्रम के पश्चिम बंगाल चरण में कथित 'भड़काऊ' बयान दिया, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चक्रवर्ती के खिलाफ शिकायत 27 अक्टूबर को साल्ट लेक इलाके में ईजेडसीसी में एक भाजपा कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण से संबंधित है, जिसके आधार पर पुलिस ने विधाननगर दक्षिण पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

बिधाननगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने मामले की जांच शुरू कर दी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने एफआईआर को 'प्रतिशोध की राजनीति' का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि उनके भाषण में कुछ भी उत्तेजक नहीं है। ये कुछ और नहीं बल्कि पुलिस को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर उन्हें डराने की कोशिशें हैं। इस साल की शुरुआत में भारत का सर्वोच्च फिल्म सम्मान, दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने वाले चक्रवर्ती ने 27 अक्टूबर को कहा था कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल का ÷मसनद÷ (सिंहासन) भाजपा का होगा, उन्होंने कुछ भी करने का वादा किया था। लक्ष्य हासिल करने में लगता है।

ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर (ईजेडसीसी) में कार्यक्रम में बोलते हुए, चक्रवर्ती ने कहा कि 2026 में मसनद हमारा होगा, और हम लक्ष्य हासिल करने के लिए सब कुछ करेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की सांप्रदायिक टिप्पणियों के स्पष्ट संदर्भ में, चक्रवर्ती ने चेतावनी दी कि किसी को भी भगवा पार्टी के मतदाताओं को अगले विधानसभा चुनावों में मतदान से दूर रहने के लिए डराने-धमकाने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

हमें स्वदेशी समुदायों की विशिष्टता और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए : बीरेन सिंह

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने थाडौ सम्मेलन में पारित उस प्रस्ताव पर संतोष जताया, जिसमें राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और राज्य के 卐मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध卐 अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है। सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी सरकार शांति लाने के नाम पर बाहरी लोगों को शामिल करके अपनी नीतियों से समझौता नहीं करेगी। पिछले हफ्ते गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में थाडौ जनजाति ने एनआरसी और राज्य के 'मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध' अभियान के प्रति समर्थन जताया था। थाडौ कुकी समुदाय में सबसे बड़ी जनजाति है। हालांकि, हालिया सम्मेलन के दौरान समुदाय ने जोर देकर कहा, 'थाडौ लोगों का एक विशिष्ट जातीय समूह है, जिसकी अपनी अलग भाषा, संस्कृति, परंपराएं और महान इतिहास है। थाडौ समुदाय न तो कुकी है, न ही कुकी के अधीन है और न ही कुकी का हिस्सा है। यह कुकी से अलग एक स्वतंत्र समुदाय है।' व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जुड़ी प्रवेश परीक्षाओं के लिए मुख्यमंत्री कोचिंग योजना की शुरुआत के अवसर पर सिंह ने कहा, 'शांति जरूर बहाल होगी। थाडौ राज्य की सबसे पुरानी जनजातियों में से एक है। थाडौ सम्मेलन में एनआरसी और मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध अभियान के लिए समर्थन जताए जाने के बाद राज्य के कई नागरिक समाज संगठनों ने इस रुख का स्वागत और सराहना की है।' सिंह ने कहा, 'हम शांति के नाम पर अपनी नीतियों से समझौता नहीं कर सकते। समावेशिता की आड़ में हम हर बाहरी शख्स को अपने यहां जगह नहीं दे सकते। हमें अपने स्वदेशी समुदायों की विशिष्टता और पुराने बाशिंदों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। इस उद्देश्य के चलते हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं।' कोचिंग योजना के बारे में सिंह ने कहा कि इसका मकसद मणिपुर के छात्रों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली जेईई (मेन/एडवांस्ड) और नीट जैसी प्रवेश परीक्षाओं में बैठने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा, 'पढ़े-लिखे, शिक्षित लोगों के संघर्ष में शामिल होने की संभावना कम होती है और वे अपनी वाणी एवं कार्यों में शालीनता बनाए रखेंगे। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। हमें संविधान के तहत गारंटीकृत अधिकारों को समझना चाहिए।'

मदरसों ने देश को आईएएस, आईपीएस, मंत्री दिए, उन पर संदेह करना गलत

-पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता अब्बास पे की फैसले की तारीफ

-सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मुस्लिम संगठनों और धार्मिक नेताओं ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की वैधता को बरकरार रखते हुए मदरसों के संचालन के अधिकारों की पुष्टि की। कोर्ट ने कहा कि यह अधिनियम राज्य की उस जिम्मेदारी के अनुरूप है, जो यह तय करती है कि मान्यता प्राप्त मदरसों में शिक्षा का स्तर ऐसा हो जो छात्रों को समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने और जीविकोपार्जन में सक्षम बनाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का मुस्लिम संगठनों और धार्मिक नेताओं ने स्वागत किया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिनियम असंवैधानिक नहीं हो सकता क्योंकि इसके जरिए से हजारों लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि अब मदरसे बिना किसी बाधा के स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने भी फैसले की तारीफ की और कहा कि मदरसों ने देश को आईएएस, आईपीएस, मंत्री और राज्यपाल जैसे अहम पद के विराजमान अधिकारी दिए हैं। उन्हें संदेह की नजर से देखना सही नहीं है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मौलाना काब रशीदी ने इसे एक बड़ा संदेश बताया है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का आभार मानते हुए उसका स्वागत किया। सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कोई कानून तभी असंवैधानिक माना जा सकता है जब वह संविधान के भाग-3 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। उन्होंने साफ कहा कि यह कानून राज्य की विधायी क्षमता के अंतर्गत आता है और उच्च न्यायालय ने इसे धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन मानने में गलती की थी।

हालांकि, कोर्ट ने फ़ाज़िल और कामिल जैसी डिग्रियों पर अधिनियम के प्रावधानों को असंवैधानिक माना क्योंकि ये डिग्रियां यूजीसी अधिनियम के तहत आती हैं, जो उच्च शिक्षा को नियंत्रित करती है। इन प्रावधानों को संविधान के केंद्रीय अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण राज्य की विधायी सीमा से बाहर करार दिया। इस फैसले ने मदरसा अधिनियम को संवैधानिक मान्यता देते हुए, मदरसों को स्वतंत्र रूप से शिक्षा प्रदान करने का अधिकार तय किया है, जबकि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यूजीसी के अधिकार क्षेत्र की भी पुष्टि की।

स्टालिन ने फिर छेड़ी उत्तर-दक्षिण की बहस, द्रविड़ियन मॉडल का जिक्र करते हुए जानें क्या कहा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य के कोंगु बेल्ट (तमिलनाडु का पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भाग) के अपने दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि तमिलनाडु के नेतृत्व में दक्षिणी राज्यों की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्र की वृद्धि, जिससे उत्तरी राज्यों को लाभ मिलता है। उन्होंने सफलता का श्रेय तमिलनाडु के शासन के द्रविड़ियन मॉडल को दिया, जिसे उन्होंने समावेशी, लोकप्रिय और विकासात्मक लक्ष्यों से प्रेरित बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रविड़ मॉडल सरकार लोगों के दिलों से जुड़ी हुई है, चाहे उन्होंने हमें वोट दिया हो या नहीं। इसीलिए लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं और मुझसे और अधिक की उम्मीद कर रहे हैं। विधानसभा और संसद चुनावों के बीच तुलना करने पर डीएमके की लोकप्रियता बढ़ी है।

स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले पांच दशकों में उत्तरी राज्यों के साथ राज्य की प्रगति की तुलना करते हुए तमिलनाडु की प्रगति देश में एक मॉडल के रूप में खड़ी है। तमिलनाडु अब भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक शहरीकृत राज्य है। हम संयुक्त राष्ट्र के मानकों के अनुरूप विकास पहलों को लागू करने में अग्रणी हैं।

इससे पहले तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि दक्षिण की तरह उत्तर भारत के कई राज्यों में अपनी पहचान और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए कोई फिल्म उद्योग नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य अपनी भाषाओं की रक्षा करने में विफल रहे तो हिंदी हावी हो जाएगी और उनकी पहचान खत्म हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि यही कारण है कि द्रविड़ आंदोलन हिंदी थोपे जाने के खिलाफ है, लेकिन उसमें उस के प्रति कोई द्वेष नहीं है। द्रविड़ राजनीति में साहित्यिक और भाषायी लोकाचार पर उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीतिक आंदोलन, जो अपने मजबूत भाषायी और सांस्कृतिक गौरव के लिए जाना जाता है, ने लंबे समय से साहित्य और को अपने आधार स्तंभ के रूप में रखा है।

दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है, 358 रहा औसत एक्यूआई

- बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में हो रही परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। बुधवार को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 रहा। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है। दिल्ली वासियों को खासतौर पर बच्चे और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के दौरान सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केंदीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में बुधवार सुबह 7.30 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 358 अंक रहा। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 234, गुरुग्राम में 304, गाजियाबाद में 276, ग्रेटर नोएडा में 274 और नोएडा में 266 एक्यूआई रहा। दिल्ली के चार इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर मापा गया, जिसमें बवाना में 412, मुंडका में 419, एनएसआईटी द्वारका में 447 और वजीरपुर में 421 एक्यूआई दर्ज किया गया। जबकि दिल्ली एनसीआर के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच में दर्ज किया गया। अलीपुर में 372, अशोक विहार में 398, आया नगर में 334, बुराड़ी क्रॉसिंग में 370, चांदनी चौक में 311, मथुरा रोड में 333, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 367, डीटीयू में 355, द्वारका सेक्टर 8 में 355, आईजीआई एयरपोर्ट में 347, आईटीओ में 327, जहांगीरपुरी में 398, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 315 और लोधी रोड में 309 एक्यूआई रहा। इनके अलावा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 354, मंदिर मार्ग में 356, नजफगढ़ में 354, नरेला में 377, नेहरू नगर में 376, न्यू मोती बाग में 381, नॉर्थ कैंपस डीयू में 373, ओखला फेस 2 में 357, पटपड़गंज में 381, पंजाबी बाग में 388, पूषा में 330, आर के पुरम में 373, शादीपुर में 372, सिरी फोर्ट में 341, सोनिया विहार में 354 और दिलशाद गार्डन में 358 एक्यूआई दर्ज किया गया। एक दिन पहले की बात करें तो मंगलवार को सुबह 7.15 बजे तक दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 384 दर्ज किया गया था। दिल्ली के 14 इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 के ऊपर मापा गया था, जबकि 23 स्थानों पर ये 300 से 400 के बीच बना रहा।

रियलमी जीटी 7 प्रो के स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट ने स्थापित किए एआई परफॉरमेंस में नए मानक

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्टफोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। पहले जहां एआई प्रोसेसिंग के लिए अधिकतर क्लाउड पर निर्भरता थी, वहीं अब एआई शक्तिशाली क्षमताओं के साथ सीधे स्मार्टफोन में ही उपलब्ध हो रही है।

यह बदलाव क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलीट जैसे चिपसेट के विकास के कारण मोबाइल अनुभव को बदल रहा है। ऑन-डिवाइस एआई की वजह से तेज प्रोसेसिंग, बेहतर सुरक्षा, और उन्नत सुविधाएं मिल रही हैं, जैसे कि रियल-टाइम में कंटेंट क्रिएशन, इमेज प्रोसेसिंग, और पर्सनलाइज्ड यूजर अनुभव।

इस बदलाव के दौर में रियलमी ने खुद को 'एआई के डार्क हॉर्स' के रूप में स्थापित किया है। क्वालकॉम और गूगल जैसी कंपनियों के साथ मिलकर रियलमी ने एआई तकनीक को आम लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य बनाया है।

इसका एक उदाहरण है जीटी7 प्रो , जो स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट के साथ आता है और इसमें एआई की आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

रियलमी के एआई लक्ष्य का केंद्र 'नेक्स्ट जेन एआई लैब' है, जहां एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है जो युवाओं को नई तकनीक और क्रिएटिविटी में मदद करता है। जीटी7 प्रो में कई एआई फीचर्स हैं और यह इस दिशा में रियलमी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जीटी7 प्रो का सबसे नया और आकर्षक फीचर एआई स्केच टू इमेज है। पहले, एक सही तस्वीर खोजने के लिए कई फोटो देखने पड़ते थे, लेकिन अब जीटी7 प्रो से आप जो चाहें उसे स्केच कर सकते हैं और एआई उसे सजीव बना देता है। इस फीचर में एआई क्लाउड रिकग्निशन और ट्रांसकोडिंग प्रक्रिया शामिल है, जो आपके खींचे स्केच को जीवंत और विस्तृत इमेज में बदल देती है।

चाहे आपको एक असली फोटो चाहिए हो, थ्री-डी कार्टून, वाटर कलर पेंटिंग, या फ्यूचरिस्टिक डिजाइन, एआई आपकी कल्पना को तुरंत समझकर उसे इमेज में बदल देता है। यह फीचर केवल एक इमेज जनरेटर नहीं है, बल्कि एक क्रिएटिव साथी है, जो कल्पना और वास्तविकता के बीच की दूरी को कम करता है।

'एआई स्केच इट रियल' फीचर इसमें और भी अधिक सुविधाएं जोड़ता है। अब आप किसी मौजूदा फोटो पर नई चीजें ड्रॉ कर सकते हैं, जैसे कि ऑब्जेक्ट्स जोड़ना, बैकग्राउंड बदलना, या नए एलिमेंट्स को जोड़ना। जिससे आपकी क्रिएटिविटी की संभावनाएं और भी बढ़ जाती हैं। उन्नत स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट के कारण जीटी7 प्रो में शानदार एआई क्षमताएं शामिल हैं। यह प्रोसेसर 30 प्रतिशत बेहतर एआई परफॉरमेंस देता है और 20 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत करता है, जिससे मोबाइल एआई प्रोसेसिंग में क्रांति आती है।

यह सिस्टम लगातार आपके उपयोग की आदतों से सीखता है और ऐप्स की लोडिंग स्पीड से लेकर बैटरी मैनेजमेंट तक हर चीज को बेहतर बनाता है। चाहे आप एआई से आर्टवर्क बना रहे हों या फोटो एडिट कर रहे हों, जीटी7 प्रो आपके कार्यों के हिसाब से अनुकूलित करता है और शानदार परफॉर्मेंस बनाए रखता है। इसका एआई इंजन आपकी जरूरतों को पहचानता है और वास्तविक समय में रिसोर्सेज को एडजस्ट करता है, जिससे आपको एक व्यक्तिगत अनुभव मिलता है जो समय के साथ और बेहतर होता जाता है। एआई की ये मुख्य विशेषताएं जीटी7 प्रो के इनोवेटिव स्वभाव को परिभाषित करती हैं, लेकिन इसकी एआई क्षमताएं सिर्फ क्रिएटिव टूल्स और सिस्टम एफिशिएंसी तक सीमित नहीं हैं। इसके कैमरे में 'एआई मोशन डीब्लर' तकनीक है, जो चलती हुई तस्वीरों में स्पष्टता लाने में मदद करती है, ताकि आपकी हर खास पल की तस्वीर बेहतरीन हो।

एआई जूम अल्ट्रा क्लैरिटी के साथ, अत्यधिक जूम पर भी फोटो की डिटेल्स स्पष्ट रहती है। इसका एडवांस एल्गोरिदम्स मिलिसेकंड में कई फ्रेम को एनालाइज करता है, जिससे बेहतरीन इमेज क्वालिटी मिलती है। एआई अल्ट्रा-क्लियर स्नैप कैमरा फ्लैश स्नैप मोड के साथ आती है और पहली बार अंडरवॉटर इमेज मोड भी उपलब्ध कराता है।

गेमिंग प्रेमियों के लिए जीटी7 प्रो एआई-इनेबल्ड फीचर्स लाता है, जो गेमिंग अनुभव को और बेहतर बनाता है। एआई सुपर रेजोल्यूशन गेम के विजुअल्स को 1.5के रेजोल्यूशन तक अपस्केल करता है और एआई सुपर फ्रेम गेमप्ले को 120एफपीएस तक स्मूथ बनाता है। ये फीचर्स गेम की डिमांड और आपकी पसंद के अनुसार अपने-आप एडजस्ट होते हैं, जिससे गेमिंग का एक इमर्सिव अनुभव मिलता है। इन सभी एआई फीचर्स के साथ, जीटी7 प्रो केवल तकनीकी प्रगति का प्रतीक नहीं है, बल्कि रियलमी का एआई हर रोज के उपयोग के लिए सुलभ और उपयोगी बनाने का विजन भी है। जीटी7 प्रो स्मार्टफोन एआई के भविष्य में एक नई झलक देता है।

एआई एक्सप्रेस ने अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की योजना बनाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया (एआई) एक्सप्रेस छोटे शहरों और कस्बों को महानगरों से जोड़ने के साथ ही नए विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ान भरने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एआई एक्सप्रेस ने कहा कि नेटवर्क विस्तार और समूह के साथ तालमेल से उसे बढ़त मिलेगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस में हाल में एआईएक्स कनेक्ट का विलय हुआ है। एयरलाइन के पास लगभग 90 विमानों का बेड़ा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह संख्या 110 को पार कर सकती है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2025 के अंत तक कुल 55 गंतव्यों के लिए उड़ान भरना है और इसने एयर इंडिया समूह की रणनीति के तहत अपने नेटवर्क को युक्तिसंगत भी बनाया है।

अधिकारियों ने कहा कि घरेलू मार्गों को जोड़ने के अलावा, टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन थाईलैंड के बैंकॉक और फुकेट जैसे और विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू करेगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा कि एयरलाइन टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा मेट्रो से लेकर गैर-मेट्रो तक है।

सिंह ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कंपनी मुख्य रूप से टियर-2, टियर-3 शहरों से खाड़ी, पश्चिम-एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और फिर दक्षिण-एशिया से जोड़ेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एयरलाइन की नेटवर्क रणनीति समूह की नेटवर्क रणनीति के साथ गहराई से जुड़ी हुई है।

टाटा समूह ने एआईएक्स कनेक्ट का एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय कर दिया है और विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय अगले सप्ताह पूरा होने वाला है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) अंकुर गर्ग ने कहा कि बैंकॉक और फुकेट के लिए सेवाएं शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंकॉक के लिए उड़ानें टियर-2 शहरों से और फुकेट के लिए उड़ानें मेट्रो शहरों से शुरू हो सकती हैं।

इसके अलावा एयरलाइन भविष्य में मलेशिया, हांगकांग और 'सीआईएस' देशों के लिए उड़ान भरने की संभावनाएं भी तलाश सकती है।

एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 95 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 94.82 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 73.94 करोड़ रुपये रहा था।

एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी आमदनी सितंबर तिमाही में बढ़कर 790.90 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 690.21 करोड़ रुपये थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कंपनी का शुद्ध लाभ 179 करोड़ रुपये रहा था, जो पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही में 141.51 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी के कार्यकारी निदेशक सोराब अग्रवाल ने बयान में कहा, 'सितंबर तिमाही में हमने अपनी तरलता स्थिति को मजबूत किया है, कार्यशील पूंजी दक्षता में सुधार किया है और अपने बहीखाते को और मजबूत किया है।'

भारत का स्मार्टफोन बाजार इस साल 7-8 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण भारत के स्मार्टफोन बाजार में इस साल तेजी का अनुमान जताया जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार में 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वहीं, भारत में मोबाइल हैंडसेट बाजार में स्थिर वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के विश्लेषक-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप (आईआईजी) पंकज जादली ने कहा, 'जैसे-जैसे ब्रांड टेक्नोलॉजी के अंतर को कम करने और किफायती 5जी डिवाइस पेश करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, प्रतिस्पर्धा तेज होने की संभावना बढ़ती जाती है। आने वाली तिमाहियों में एआई-इनेबल्ड डिवाइस को लेकर ग्राहकों की पसंद बनी रहेगी।'

तीसरी तिमाही में, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत के स्मार्टफोन बाजार में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत में उपभोक्ता मांग मजबूत बनी हुई है, जो मिड-रेंज और प्रीमियम स्मार्टफोन को पसंद करने के कारण है। 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट की हिस्सेदारी बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई, जो कि सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की एक बड़ी वृद्धि है। तिमाही के दौरान 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वीवो 5जी स्मार्टफोन बाजार में सबसे आगे रहा, जबकि सैमसंग 17 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। सीएमआर की एनालिस्ट-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप मेनका कुमारी के अनुसार, भारत का स्मार्टफोन बाजार अनुकूलनशीलता प्रदर्शित कर रहा है, जिसमें उपभोक्ता प्राथमिकताएं 5जी अपनाने और प्रीमियम सुविधाओं पर अधिक केंद्रित हैं। 5जी स्मार्टफोन की निरंतर वृद्धि 10 हजार-13 हजार प्राइस बैंड के साथ जुड़ी है। जो कि किफायती कीमत पर हाई-परफॉर्मेंस डिवाइस चाहने वाले ग्राहकों की बढ़ती

सप्ताह भर सेंसेक्स और निफ्टी में दबाव देखा गया

सेंसेक्स 55.47 अंकों की गिरावट के साथ 79,486 अंकों पर बंद, निफ्टी 51.15 अंकों की गिरावट के साथ 24,148.20 अंकों पर बंद

मुंबई, एजेंसी। एफआईआई की बिकवाली, दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे, जियोपॉलिटिकल टेंशन के बीच घरेलू शेयर बाजार में दबाव देखने को मिला जिससे बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया, जिससे शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार बिकवाली के बीच सोमवार को शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट दर्ज की गई। पहले दो घंटों के कारोबार में सेंसेक्स 1400 अंकों तक फिसल गया। बीएसई का सेंसेक्स 1,014 अंकों की गिरावट के साथ 78,710.36 के स्तर पर खुला और 941.88 अंक की गिरावट के साथ 78,782.24 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 308 अंक टूटकर 23,997 के स्तर पर खुला और 309.00 अंक की गिरावट के

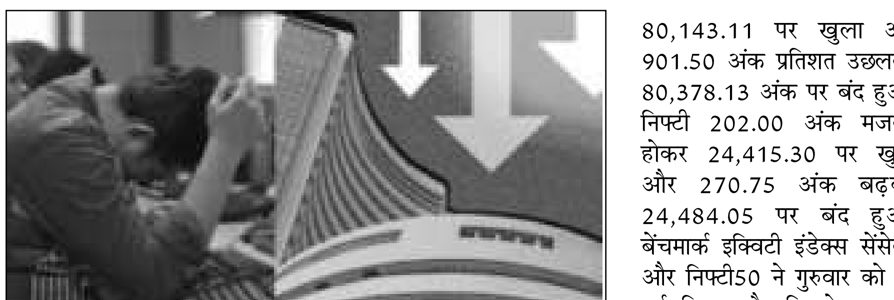

साथ 23,995.35 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में शुरूआती झटकों के बाद अचानक खरीदारी लौट आई है। मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी में आधा करोबारी सत्र बीतने के बाद गजब की तेजी आई ये सूचकांक हरे निशान पर पहुंच गए। सेंसेक्स 607.45 अंकों की बढ़त के साथ 79,389.69 के स्तर पर खुला और 740.89 अंक बढ़कर 79,523.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 187.25 अंक चढ़कर 24,182.60 पर खुला और 217.95 अंक चढ़कर 24,213.30 पर बंद हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव परिणामों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़त पर बुधवार को भारतीय शेयर बाजार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। सुबह आईटी शेयरों में मजबूती की बदौलत 12:18 मिनट पर सेंसेक्स 666.48 अंक चढ़कर 80,143.11 पर खुला और 901.50 अंक प्रतिशत उछलकर 80,378.13 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 202.00 अंक मजबूत होकर 24,415.30 पर खुला और 270.75 अंक बढ़कर 24,484.05 पर बंद हुआ। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी50 ने गुरुवार को यू-टर्न लिया और निचले स्तर पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 925 अंक की गिरावट के साथ 79,453.38 पर खुला और 836.34 अंक गिरकर 79,541.79 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 288 अंक की गिरावट के साथ 24,196 पर खुला और 284.70 अंक टूटकर 24,199.35 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 424.42 अंक गिरकर 79,117.37 पर खुला और 55.47 अंकों की गिरावट के साथ 79,486.32 अंकों पर बंद हुआ।

एप्पल ने भारत में अपनी पहली रिसर्च और डेवलपमेंट सहायक कंपनी की स्थापित

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन निमार्ता एप्पल ने भारत में अपनी नई रिसर्च और डेवलपमेंट सहायक कंपनी की शुरूआत की है। भारत में सहायक कंपनी स्थापित करने को लेकर यह कदम चीन के बाहर एप्पल की सप्लाई चेन और रिसर्च को लेकर अहम माना जा रहा है।

एप्पल की यह सहायक कंपनी रिसर्च, डिजाइन, टेस्टिंग-प्रोवाइडिंग और थर्ड पार्टी के निमार्ताओं को सहायता देने को लेकर काम करेगी।

बाजार के जानकारों के अनुसार, एप्पल का भारत में रिसर्च और डेवलपमेंट सुविधा स्थापित करने का कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे कंपनी को लोकल मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को समझने, मूल

उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) के साथ बेहतर ढंग से जुड़ने और भारत-स्पेसिफिक उत्पाद और समाधान बनाने में मदद मिलेगी।

वर्तमान में एप्पल के पास अमेरिका, चीन, जर्मनी और इजरायल में रिसर्च और डेवलपमेंट सुविधाएं हैं। कंपनी ने रिसर्च और डेवलपमेंट को लेकर भारत की अपनी भविष्य की योजनाओं पर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है।

साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वीपी-इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप, प्रभु राम के अनुसार, जिस तरह से चीन ने अतीत में एप्पल के विकास को बढ़ावा दिया, उसी तरह भारत अगले दशक में भी ऐसा ही करने के लिए तैयार है।

राम ने बताया, 'इस वृद्धि की वजह केवल रिटेल और मार्केटिंग ही नहीं है, बल्कि मजबूत आरएंडडी ऑपरेशन भी है। भारत-केंद्रित आरएंडडी पर ध्यान केंद्रित कर, एप्पल भारतीय ग्राहकों और उससे आगे की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए इनोवेशन के अगले स्तर को बढ़ावा दे रहा है।''

एप्पल भारत और वियतनाम में अपनी मैन्युफैक्चरिंग योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। व्यापार करने में आसानी और अनुकूल लोकल मैन्युफैक्चरिंग नीतियों से उत्साहित, एप्पल के 'मेक इन इंडिया' आईफोन पिछले सभी निर्यात रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं।

कंपनी के सीईओ टिम कुक के अनुसार, भारत में चार और खुद के ब्रांडेड रिटेल स्टोर खोलने की तैयारी है।

वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के दौरान कुक ने कहा, 'हम भारत में जो उत्साह देख रहे हैं, उससे हम उत्साहित हैं, जहां हमने अब तक का सबसे बड़ा राजस्व रिकॉर्ड बनाया है। एप्पल के लिए यह इनोवेशन का एक असाधारण वर्ष रहा है। हम भारत में ग्राहकों के लिए चार नए स्टोर खोलने का इंतजार नहीं कर सकते।'

कुक ने कहा, 'हम शिक्षा के प्रति जुनूनी हैं और मानते हैं कि शिक्षकों को अपने छात्रों को प्रेरित करने और छात्रों को अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानने में मदद करने में टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका है।' लेटेस्ट इंडस्ट्री आंकड़ों के अनुसार, टेक दिग्गज भारत से निर्यात के वित्त वर्ष 2024 के आंकड़ों को पार करने की राह पर है, जो इस वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 25) के पहले छह महीनों में 50,000 करोड़ रुपये (6 बिलियन डॉलर से अधिक) तक पहुंच गया है।

भारत से आईफोन निर्यात 2022-23 में 6.27 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 10 बिलियन डॉलर को पार कर गया। कुल मिलाकर, आईफोन निमार्ता का भारत परिचालन पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 24) में 23.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

एक नजर

हर्षवर्धन अग्रवाल फिक्की के अध्यक्ष निर्वाचित, 21 नवंबर को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े उद्योग निकाय भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने हर्षवर्धन अग्रवाल को नया अध्यक्ष चुना है। उद्योग निकाय फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक (एनईसीएम) में हर्षवर्धन अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। वे 21 नवंबर को 97वीं वार्षिक आम बैठक के समापन पर अपना कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उद्योग संगठन ने बताया है कि इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन अग्रवाल को 2024-25 के लिए उद्योग मंडल फिक्की का अध्यक्ष चुना गया है। अग्रवाल 21 नवंबर को राजधानी नई दिल?ली में आयोजित होने वाली फिक्की की 97वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के समापन पर महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक और मौजूदा अध्यक्ष डॉ. अनीश शाह की जगह लेंगे। उल्लेखीनय है कि हर्षवर्धन अग्रवाल 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर के विविध व्यवसाय समूह इमामी के दूसरी पीढ़ी के नेता हैं। उन्हें 2016 में द इकोनॉमिक टाइम्स और स्पेंसर स्टुअर्ट द्वारा प्रतिष्ठित 'अंडर 40' सूची में भारत के सबसे हॉट यंग बिजनेस लीडर के रूप में सम्मानित किया गया था। वे अपने व्यापक बहु-कार्यात्मक ज्ञान और अनुभव के साथ अग्रवाल समूह इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में एफएमसीजी व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं। हर्षवर्धन अग्रवाल, एक कुशल रणनीतिकार, विविध इमामी समूह के रणनीतिक थिंक-टैंक के एक प्रमुख सदस्य भी हैं, जो संगठन के विकास को आगे बढ़ाते हैं।

एफसीआई और राज्य एजेंसियों ने पंजाब में 120.67 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों ने पंजाब में 120.67 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है। खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) 2024-25 में धान की खरीदारी से अब तक पंजाब में 6.58 लाख किसानों को लाभ मिला है, जिसका न्यूनतम समर्थन मूल?य (एमएसपी) 27995 करोड़ रुपये है। उपभोक्ता खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि 8 नवंबर, 2024 तक पंजाब की मंडियों में कुल 126.67 लाख मीट्रिक टन धान आ चुका है, जिसमें से 120.67 लाख मीट्रिक टन धान राज्य एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा खरीदा गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस बार ग्रेड 'ए' धान भारत सरकार द्वारा तय 2320 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। चालू केएमएस 2024-25 में अब तक सरकार ने कुल 27995 करोड़ रुपये का धान खरीदा है, जिससे पंजाब में करीब 6.58 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। इसके अलावा, 4839 मिलर्स ने धान की छिलाई के लिए आवेदन किया है, जबकि 4743 मिलर्स को पंजाब राज्य सरकार द्वारा पहले ही काम आवंटित किया जा चुका है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया कि पंजाब में खरीफ विपणन सीजन 2024-25 के लिए धान की खरीदारी एक अक्टूबर, 2024 से शुरू हो गई है। पंजाब के किसानों से सुचारु खरीद के लिए पूरे राज्य में 2927 नामित मंडियां और अस्थायी यार्ड चालू हैं।

आरबीआई ने साउथ इंडियन बैंक पर 59.20 लाख रुपये का लगाया जुमार्ना

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने साउथ इंडियन बैंक पर 59.20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। आरबीआई ने बैंक पर ये जुमार्ना 'जमा पर ब्याज दर' और 'बैंकों में ग्राहक सेवा' पर कुछ निदेशों के अनुपालन में खामी की वजह से लगाया है। आरबीआई ने जारी एक बयान में बताया कि साउथ इंडियन बैंक पर 'जमा पर ब्याज दर' और 'ग्राहक सेवा' से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के लिए 59.20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। बैंक नियामक ने जांच में पाया कि बैंक ने कुछ ग्राहकों को बिना उचित सूचना के अकाउंट में न्यूनतम शेष राशि न रखने और कुछ एनआरई बचत खातों पर गलत तरीके से ग्रहणाधिकार अंकित करने के लिए दंडित किया है। रिजर्व बैंक ने बैंक की 31 मार्च, 2023 तक वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए एक वैधानिक निरीक्षण किया था। आरबीआई के निर्देशों और संबंधित पत्राचार के गैर-अनुपालन के आधार पर साउथ इंडियन बैंक को एक नोटिस भी जारी किया था। केंद्रीय बैंक के नोटिस पर बैंक के जवाब तथा व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान दिए गए मौखिक प्रस्तुतीकरणों पर विचार के बाद आरबीआई ने बैंक के विरुद्ध लगाए आरोप को सत्य पाने के बाद मौद्रिक जुमार्ना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक पर यह जुमार्ना वैधानिक और नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है।

अब एलआईसी हेल्थ इंश्योरेंस भी बेचेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अब हेल्थ इंश्योरेंस क्षेत्र में प्रवेश करने कर पर विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एलआईसी मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में हिस्सेदारी खरीद सकती है। एलआईसी के सितंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद हाल ही में एक कॉन्फ्रेंस कॉल में एलआईसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस दिशा में काम तेजी से चल रहा है और नियामकीय अनुमोदन मिलने के बाद कंपनी के पास एक स्टैंडअलोन हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में हिस्सेदारी होगी। हालांकि, उन्होंने अभी तक उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है जिसमें एलआईसी निवेश करने जा रही है। इससे पहले जून तिमाही के नतीजे जारी करते समय भी मोहंती ने संकेत दिया था कि सरकार के स्वामित्व वाली यह कंपनी वित्त वर्ष 2025 में हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में अधिग्रहण कर सकती है। इसके साथ ही 1 अक्टूबर से लागू हुए सरेंडर वैल्यू के नए नियमों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि एलआईसी ने अपने बीमा उत्पादों को नए नियमों के अनुसार फिर से डिजाइन किया है और यह पूरी तरह से नियमों का पालन कर रही है। सितंबर तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 3.75 प्रतिशत घटकर 7,729 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 8,030.28 करोड़ रुपये था। वहीं कंपनी का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स 1.72 फीसदी रहा, जो पिछली तिमाही में 1.95 फीसदी था। तिमाही के दौरान एलआईसी की नेट प्रीमियम इनकम 1.52 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1.2 लाख करोड़ रुपये थी। इस वृद्धि के साथ एलआईसी की नेट प्रीमियम इनकम में 11.5 फीसदी की वृद्धि हुई है।

पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने शनिवार के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपडेट किया है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत अलग-अलग शहरों में कीमतें अलग-अलग हैं। हालांकि ताजा अपडेट के मुताबिक श?निवार को कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है।

सार समाचार

हेनरिक क्लासेन कैलेंडर वर्ष में 100 छक्के लगाने वाले चौथे खिलाड़ी बने, यह प्लेयर 6 बार कर चुका है ऐसा

डरबन (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी। शुक्रवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार मैचों की श्रृंखला के पहले टी20आई के दौरान विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन टी20 में एक कैलेंडर वर्ष में 100 छक्के लगाने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए।

संजू सैमसन की आतिशी बल्लेबाजी और वरुण चक्रवर्ती की फिरकी ने दक्षिण अफ्रीका को मुश्किल में डाल दिया और भारत ने किंग्समीड में पहले टी20आई में 61 रन की जीत के साथ जीत हासिल की।

क्लासेन ने 22 गेंदों पर 25 रन बनाए, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था। इस एक छक्के के साथ 33 वर्षीय खिलाड़ी ने यह उपलब्धि हासिल की। उनके अलावा तीन और खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक ही साल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 100 छक्के लगाए हैं और ये सभी वेस्टइंडीज के हैं। क्रिस गेल ने यह छह बार (2011, 2012, 2013, 2015, 2016 और 2017) ऐसा किया है, जबकि बाएं हाथ के बल्लेबाज निकोलस पूरन (2024) और ऑलराउंडर आंद्रे रसेल (2019) ने एक बार ऐसा किया है।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में उतरेंगे पेरिस ओलंपिक पदक विजेता अमन, बंगलुरू में होगा आयोजन

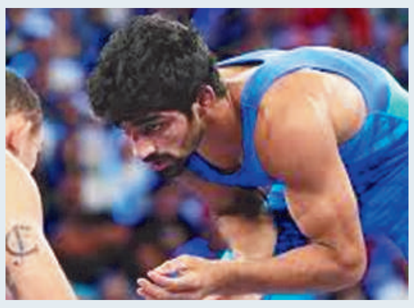

नईदिल्ली, एजेंसी। अमन के अलावा अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियन अंतिम पंघाल, 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया, अंडर-23 विश्व चैंपियन रीतिका हुड्डा, ओलंपियन सोनम मलिक, राधिका, मनीषा भानवाला, बिपाशा, प्रिया, उदित, चिराग, सुनील कुमार और नरिंदर चीमा भी मैट पर उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत छह से आठ दिसंबर तक बंगलुरू होने वाली सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाले स्टार खिलाड़ियों में शामिल होंगे।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने इसकी पुष्टि की। अमन के अलावा अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियन अंतिम पंघाल, 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया, अंडर-23 विश्व चैंपियन रीतिका हुड्डा, ओलंपियन सोनम मलिक, राधिका, मनीषा भानवाला, बिपाशा, प्रिया, उदित, चिराग, सुनील कुमार और नरिंदर चीमा भी मैट पर उतरेंगे। यह प्रतियोगिता कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में होगी और इस चैंपियनशिप में 25 संबद्ध राज्य सदस्य इकाइयों के अलावा रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) और सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएसपीबी) के 1000 से अधिक प्रतिभागियों और अधिकारियों के भाग लेने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान ने हाल ही में निलंबित डब्ल्यूएफआई द्वारा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन को अदालत में चुनौती दी थी।

अदालत ने चैंपियनशिप के लिए मंजूरी दे दी थी, लेकिन कहा था कि रैंकिंग तय करने और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए भारत की प्रविष्टियों पर निर्णय लेने के लिए इसके परिणामों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।

इंडिया-साउथ अफ्रीका टी-20

सैमसन के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

भारत 61 रन से जीता

डरबन, एजेंसी। डरबन के मैदान पर भारतीय सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने इतिहास रच दिया है। उछाल भरी पिच पर सैमसन ने अफ्रीकी गेंदबाजों की खूब खबर ली और 47 गेंदों पर शतक जड़ दिया। सैमसन का यह शतक इसलिए भी खास है क्योंकि पिछले मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों पर शतक लगाया था। ऐसा कर वह बैक टू बैक शतक लगाने वाले पहले भारतीय प्लेयर बन गए हैं। ओवरऑल की बात करें तो इससे पहले गुस्ताव मैकेन, रिले रोसौव और फिल साल्ट ही इंटरनेशनल क्रिकेट में बैक टू बैक शतक लगाने में सफल रहे हैं। सैमसन ने अब इस लिस्ट में जगह बना ली है।

लगातार दो पारियों में भारतीयों द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन

218 - संजू सैमसन (2024) 111 बनाम बांग्लादेश, 107 बनाम साऊथ अफ्रीका

181 - ऋतुराज गायकवाड़ (2023)
173 - रोहित शर्मा (2024)
171 - विराट कोहली (2016)
171 - केएल राहुल (2018)

टी20 में भारत के लिए सर्वाधिक शतक

5 रोहित शर्मा
4 सूर्यकुमार यादव
2 केएल राहुल
2 संजू सैमसन

भारत के लिए सुरेश रैना, दीपक हुड्डा, विराट कोहली, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवड़, अभिषेक शर्मा भी 1-1 शतक लगा चुके हैं।

एक टी20 पारी में स्पिन के खिलाफ सर्वाधिक रन

65(28) अभिषेक शर्मा बनाम जिमबाब्वे, हरारे 2024
64(23) संजू सैमसन बनाम बांग्लादेश, हैदराबाद 2024
58(27) संजू सैमसन बनाम साऊथ अफ्रीका, डरबन 2024
57(24) युवराज सिंह बनाम पाकिस्तान, अहमदाबाद 2012

विदेश में किसी भारतीय विकेटकीपर का उच्चतम स्कोर

टेस्ट प्रारूप - ऋषभ पंत (सिडनी में 159*)
वनडे प्रारूप - ऋषभ पंत (मैनचेस्टर में 125*)
टी-20 प्रारूप - संजू सैमसन (डरबन में 107)

अर्शदीप और पंड्या इतिहास रचने के करीब

क्या भारत-साउथ अफ्रीका सीरीज में जड़ देंगे सैंकड़ा?

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सिर्फ 1 विकेट लिया, लेकिन वह टी 20 इंटरनेशनल में भारत के लिए चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ा, जो उनसे सिर्फ 1 विकेट पीछे हैं। दोनों खिलाड़ियों के पास इतिहास रचने का मौका है।

इस फॉर्मेट में वे 100 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन सकते हैं। देखने वाली बात होगी कि क्या वे यह कारनामा साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में ही कर देंगे या नहीं।

भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज युजवेंद्र चहल हैं। उन्होंने 80 मैच की 79 पारी में 96 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने 87 मैच की 86 पारी में 90 विकेट लिए हैं। जसप्रीत बुमराह ने 70 मैच की 69 पारी में 89 विकेट लिए हैं। बुमराह से आगे निकलने के लिए अर्शदीप को 1 विकेट चाहिए। दो विकेट लेने पर वह भुवनेश्वर से आगे निकल जाएंगे। चहल को पीछे छोड़ने के लिए 9 विकेट चाहिए। अर्शदीप सिंह ने 57 मैच की 57 पारी में 88 विकेट लिए हैं।

हार्दिक पंड्या के 87 विकेट

हार्दिक पंड्या की बात करें तो 106 मैच की 94 पारी में 87 विकेट लिए हैं। उन्हें बुमराह से आगे निकलने के लिए 3 और भुवनेश्वर से आगे निकलने के लिए 4 विकेट चाहिए। चहल को पीछे छोड़ने के लिए 10 विकेट चाहिए।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में पंड्या ने 3 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन वे एक भी विकेट नहीं ले पाए। उनका साउथ अफ्रीका सीरीज में चहल के करीब पहुंचना मुश्किल लग रहा है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में ही अर्शदीप का भी चहल से आगे निकलने की संभावना कम ही है। हालांकि, वे बुमराह और भुवनेश्वर से आराम से आगे निकल सकते हैं। भारत-साउथ अफ्रीका टी20 सीरीज में अभी 3 मैच बाकी हैं। इस दौरान पंड्या और अर्शदीप में दिलचस्प रेस देखने को मिलेगी। दोनों आगे पीछे होते रहेंगे।

एफआईएच अवार्ड्सः

श्रीजेश और हरमनप्रीत सिंह का फिर दिखा दबदबा, अवॉर्ड से किए गए सम्मानित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पीआर श्रीजेश और कप्तान हरमनप्रीत सिंह का एक बार फिर से हॉकी में दबदबा देखने को मिला. दरअसल, पूरे साल शानदार प्रदर्शन करने के लिए इंटरनेशल हॉकी फेडरेशन ने दोनों खिलाड़ियों को ओमान में सम्मानित किया है.

हॉकी स्टार्स अवॉर्ड्स 2023-24 के दौरान श्रीजेश को बेस्ट गोलकीपर ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया. वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत को बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया. इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में उन्होंने लगातार 2 बार इस खिताब को अपने नाम किया था. दोनों खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक में भारत को ब्रॉन्ज मेडल जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. श्रीजेश ने ओलंपिक के बाद रिटायरमेंट ले लिया था. इसके बाद उन्हें जूनियर मेंस टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया था.

ओमान में इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने शुक्रवार 8 नवंबर को 49वां स्टेचुटरी कांग्रेस का आयोजन किया. इस दौरान हरमनप्रीत सिंह और पीआर श्रीजेश को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया. भारतीय कप्तान ने इस खिताब को पाने में मदद करने के लिए अपने साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद कहा.

हरमनप्रीत ने कहा कि 'सबसे पहले, मैं इस सम्मान के लिए स्रद्ध॥ को धन्यवाद देना चाहता हूं. ओलंपिक के बाद घर वापस जाना और वहां हमारे स्वागत के लिए बड़ी भीड़ का होना बहुत ही खास एहसास था. मेरे साथियों के बिना यह सब संभव नहीं हो पाता.' उन्होंने हॉकी इंडिया का भी विशेष धन्यवाद किया. वहीं श्रीजेश ने कहा कि 'मैं आज बहुत खुश हूं. मेरे खेल के करियर के इस आखिरी सम्मान के लिए धन्यवाद. यह पुरस्कार पूरी तरह से मेरी टीम का है.'

इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने हरमनप्रीत और श्रीजेश के अलावा और 4 खिलाड़ियों को अलग-अलग कैटेगरी में साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना.

ऑस्ट्रेलिया में नहीं खलेगी शमी की कमी!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत होगी. इस सीरीज में दिग्गज तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं. वह अपनी चोट से अभी तक उभर नहीं सके हैं, जिसके चलते उन्हें इस दौरे से बाहर रखा गया है, जो टीम इंडिया के लिए एक बड़ा झटका भी है. लेकिन इस सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया को कहीं ना कहीं शमी की रिप्लेसमेंट मिल गया है. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट मैच में एक भारतीय तेज गेंदबाज ने कमाल का प्रदर्शन किया है. ये खिलाड़ी मेन स्क्वॉड का भी हिस्सा है. इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच मेलबर्न में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं. प्रसिद्ध कृष्णा इस सीरीज में काफी अच्छी लय में नजर आए हैं, जो टीम इंडिया के लिए अच्छे संकेत हैं. दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट की पहली पारी में प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट झटके. उन्होंने 16 ओवर में 50 रन खर्च किए और 6 मेडन ओवर फेंके हुए 4 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया.

दूसरी पारी में भी प्रसिद्ध कृष्णा की ओर से घातक गेंदबाजी देखने को मिली. उन्होंने पारी के पहले ही ओवर की दूसरी ओर तीसरी गेंद पर विकेट हासिल किए. इस दमदार प्रदर्शन के साथ प्रसिद्ध कृष्णा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है. उन्हें सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है.

ओलंपिक 2028 में खेलती नजर आएंगी बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू?

नईदिल्ली, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पेरिस ओलंपिक में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी थीं और उनकी इन खेलों में पदक जीतने की हैट्रिक लगाने की उम्मीद धूमिल हो गई थी। अगला ओलंपिक चार साल बाद है और इस बात की चर्चा है कि सिंधू अगला ओलिंपक खेल पाएंगी या नहीं।

अब इस पर उन्होंने अपनी राय रखी है और कहा है कि उनमें अब भी काफी कुछ हासिल करने की क्षमता है। सिंधू का मानना है कि उनमें बीडब्ल्यूएफ सर्किट पर काफी खिताब जीतने की काबिलियत है लेकिन उनकी निगाहें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों पर लगी रहेंगी। अमेरिका में होने वाले ओलंपिक तक वह 33 वर्ष की हो जाएंगी। हालांकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि अगर वह चोट-मुक्त रहीं और शारीरिक रूप से फिट रहीं तो उनका लक्ष्य तीसरा ओलंपिक पदक जीतना होगा।

खेल मंत्रालय उठाएगा खर्च

दक्षिण अफ्रीका में 31 दिनों तक अभ्यास करेंगे नीरज चोपड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका जाएंगे जहां वह 31 दिनों तक ट्रेनिंग करेंगे। नीरज अगले साल होने वाली प्रतियोगिताओं की तैयारी शुरू करने के उद्देश्य से पोटचेफस्ट्रूम जाएंगे।

नीरज पेरिस ओलंपिक में टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक का बचाव नहीं कर सके थे। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता 26 वर्षीय नीरज अंतिम बार सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में खेले थे। नीरज की ट्रेनिंग का खर्च खेल मंत्रालय वहन करेगा। मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा, नीरज अपनी ट्रेनिंग जल्दी शुरू करेंगे और 31 दिन के लिए पोटचेफस्ट्रूम में रहेंगे। नीरज की ट्रेनिंग का खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा जिसमें उनके और उनके फिजियोथेरेपिस्ट के दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान रहने, खाने-पीने और ट्रेनिंग का खर्च शामिल होगा।

पहले भी पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग कर चुके हैं नीरजः नीरज ने पहले भी टोक्यो और पेरिस ओलंपिक से पहले कई बार पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग की है। उन्होंने जनवरी 2020 में भी वहां एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जो दुनिया भर में कोविड-19 महामारी फैलने से ठीक पहले हुई थी। नीरज पूरे वर्ष जांघ की मांसपेशियों की परेशानी से जूझते रहे जिससे पेरिस ओलंपिक और डायमंड लीग फाइनल में उनका प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से परामर्श लेने की बात कही थी जिससे वह इस समस्या से निजात पाने के लिए सर्जरी कराने या नहीं कराने पर फैसला ले सकें।

हाल ही में छूटा था कोच का साथ : टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के तीन साल बाद पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले इस स्टार एथलीट ने कहा था, यह चोटों से घिरा हुआ वर्ष रहा लेकिन अब चोट ठीक है। मैं नए सत्र के लिए पूरी तरह फिट रहूंगा। हाल में वह जर्मनी के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गए।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज के स्क्वाड का ऐलान

● पूरन समेत इन बड़े नामों की वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम ने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। श्रीलंका के टी20 सीरीज में उपलब्ध नहीं रहने वाले निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर, आंद्रे रसेल और अकील होसेन को 9 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले दो टी20 के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया है।

तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की जगह मैथ्यू फोर्ड को चुना गया है। जोसेफ पर 2 मैच का बैन लगा है। चार सीनियर खिलाड़ियों की वापसी के परिणामस्वरूप फेबियन एलन, एलिक एथनाज, आंद्रे फ्लेचर और शमर स्प्रिंगर की चौकड़ी टीम से बाहर हो गई। इस बीच इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान फील्ड सेटिंग से नाखुश वनडे कप्तान शाई होप के प्रति असंतोष दिखाने के बाद जोसेफ को दो मैचों का निलंबन झेलना पड़ा।

फोर्ड का शानदार प्रदर्शन

जोसेफ एक ओवर पूरा करने के बाद मैदान से बाहर चले गए थे, लेकिन कुछ ही देर में वापस लौट आए। जोसेफ की जगह लेने वाले फोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में 16.38 की औसत से आठ विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। बल्लेबाजी इकाई में शाई होप, पूरन, हेटमायर, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस और कप्तान रोवमैन पॉवेल शामिल हैं।

इसके अलावा ऑलराउंडर रसेल, रोस्टन चेस, रोमारियो शेफर्ड और शेरफेन रदरफोर्ड बल्लेबाजी इकाई और मजबूत होगी। तेज गेंदबाजी इकाई में शमर जोसेफ, टेरेंस हिंड्स और फोर्ड शामिल हैं, जबकि होसेन और गुडाकेश मोटी टीम में स्पिनर हैं।

वेस्टइंडीज की टीमः

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिम्रोन हेटमायर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / क्म्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / क्म्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।

नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।

कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।

नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।

पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।

बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महारष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ़ और ढ़ढ़, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम, भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्डे तैयार कर लेना चाहिए। गड्डों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए, जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद, 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है, तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों [illegible] तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक, तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म के लिए साथ आए सिद्धांत चतुर्वेदी और दिशा पाटनी, अगले साल शुरू होगी शूटिंग

सिद्धांत चतुर्वेदी अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर अभिनेता की नई फिल्म को लेकर कई तरह की जानकारियां सामने आ रही हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि उन्हें विकास बहल की भविष्य की साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म मिल गई है, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन भी हैं। साथ ही कुछ दिनों पहले बताया गया था कि सिद्धांत एक हाई-कॉन्सेप्ट कॉमिक कैपर के लिए बातचीत कर रहे हैं और इसमें श्रीलीला और नोरा फतेही भी हो सकती हैं वहीं, अब अभिनेता की एक और नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिद्धांत को एक और रोमांचक फिल्म मिल गई है, वह भी हॉरर कॉमेडी जॉनर में। सिद्धांत चतुर्वेदी और दिशा पाटनी कथित तौर पर एक नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म में स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। इस परियोजना का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे, जो पहली बार इस शैली में काम कर रहे हैं।

इस दिन शुरू होगी शूटिंग

दोनों कलाकार इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, क्योंकि यह हॉरर कॉमेडी का एक अनूठा रूप पेश करता है। यह फिल्म 2025 की शुरुआत में फ्लोर पर आएगी। कथित तौर पर मिलाप जावेरी इस हॉरर कॉमेडी फिल्म का निर्देशन करने के लिए उत्साहित हैं। अब इस खबर के बाद से प्रशंसक भी काफी खुश हैं।

फिल्म का निर्माण और निर्देशन

बताया गया कि मिलाप जावेरी जनसमूह के बारे में सोचते हैं और उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि वे इसमें व्यावसायिक तत्व भी जोड़ेंगे, ताकि फिल्म व्यापक दर्शकों को आकर्षित कर सके। फिल्म को अश्विन वर्दे और सुभाष काले निर्मित करेंगे। यह परियोजना मिलाप जावेरी की बढ़ती निर्देशकीय परियोजनाओं की सूची में एक और अतिरिक्त होगी, जिसमें आगामी कॉमेडी फिल्म मस्ती 4 भी शामिल है।

सिद्धांत-दिशा की आने वाली फिल्में

सिद्धांत चतुर्वेदी को हाल ही में एक्शन फिल्म युद्रा में देखा गया था और नेटफ्लिक्स फिल्म खो गए हम कहां (2023) में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें तारीफें मिलीं। ऐसा कहा जा रहा है कि वह श्रीलीला और नोरा फतेही के साथ एक कॉमिक के लिए भी बातचीत कर रहे हैं। इस बीच, दिशा पटानी ने योद्धा (2024) में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित किया और कल्कि 2898 एडी में एक कैमियो किया। उनकी आने वाली फिल्मों में कंगुवा और मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल शामिल हैं।

नोरा फतेही को करियर के शुरुआत में ही लेनी पड़ी थेरेपी

नोरा फतेही ने हाल ही में बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि कैसे एक न्यूकमर के रूप में उन्होंने कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया। शुरुआत में, वह ऐसे लोगों से मिलीं जो दावा करते थे कि वे उनकी मदद कर सकते हैं लेकिन उनके इरादे छिपे हुए थे। कुछ लोगों ने उन्हें बड़े प्रोडक्शन हाउस से जोड़ने का वादा किया, लेकिन इससे अक्सर डरावनी स्थितियां पैदा हुईं। नोरा ने कुछ अन्य बड़े खुलासों से भी हर किसी को दंग कर दिया है।

नोरा ने सुनाए मासूम दिनों के डरावने किस्से

नोरा फतेही सिर्फ 22 साल की थीं और कनाडा से भारत में नई-नई बसी थीं। किसी को जाने बिना, वह अक्सर गलत लोगों पर भरोसा करती थीं, यह मानकर कि उनके इरादे अच्छे थे। राजीव मसंद के साथ बातचीत में नोरा ने बताया, अब, मैं कहूंगी कि मैं आपके साथ क्यों आ रही हूं? आप मुझसे क्या चाहते हैं? जाहिर है, कोई भी कुछ भी मुफ्त में नहीं करता है, लेकिन उस समय, मैं ऐसी थी जैसे कि भगवान ने इस व्यक्ति को मेरे पास भेजा है और मैंने अपने भोलेपन की वजह से बहुत सारे बेवकूफों का अनुसरण किया।

हर राह पर मिली चुनौती

उन्हें धीरे-धीरे पता चला कि जब ये लोग उन्हें सही लोगों से मिलवाते थे, तब भी इनमें से कुछ लोग बदले में कुछ पाने की उम्मीद करते थे, जिससे उन्हें असुरक्षित महसूस होता था। नोरा ने कहा, इसने मुझे वास्तव में डरावनी स्थितियों में डाल दिया, जहां आखिरी में शख्स ऐसा कहेगा कि चलो, मुझे इससे क्या मिलेगा? और इसने मुझे इन डरावनी स्थितियों में पहुंचा दिया जहां मुझे उस व्यक्ति से लड़ना पड़ा। ये वाकई में बेहद अजीब था।

धीरे-धीरे समझ आए दांवपेंच

नोरा ने धीरे-धीरे हताश दिखने की स्थिति से बचना सीख लिया, क्योंकि यह अक्सर मुसीबतों को आमंत्रित करता था। इसके बजाय, उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि वह अभिनय के लिए तैयार हैं लेकिन पढ़ाई के लिए घर लौटने के लिए भी तैयार हैं। इस दृष्टिकोण ने उन्हें अवांछित ध्यान से बचने में मदद की। हालांकि, नोरा को इंडस्ट्री में जिस अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, उससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर काफी असर पड़ा और अभिनेत्री ने इससे निपटने के लिए थेरेपी की मांग की।

थेरेपी लेने की पड़ गई जरूरत

नोरा को याद आया कि लोग पूछते थे कि क्या वह अगली कैटरीना कैफ बनना चाहती हैं, जिससे उनका सपना असंभव लगने लगा था। नोरा ने अपनी बात में जोड़ा, आप में से बहुत से लोग अच्छे नहीं हैं, बहुत से लोग क्या आप अगली कैटरीना कैफ बनना चाहते हैं? जैसे सवाल पूछकर आपका मनोबल तोड़ देते हैं। मैंने थेरेपी की तलाश की क्योंकि जब आपको बहुत अधिक अस्वीकृति मिलती है, जो मुझे बहुत मिली तो आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक चुनौतीपूर्ण समय था, लेकिन इसने उन्हें मजबूत बनाया। अब, नोरा को बॉलीवुड में सफलता मिल गई है, लेकिन उनकी यात्रा ने उन्हें सावधान रहना और खुद के प्रति सच्चा रहना सिखाया है।

'आजाद' से डेब्यू करेंगे अजय देवगन के भतीजे अमन, साथ दिखेंगी रवीना टंडन की बेटी राशा

फिल्म जगत को एक से बढ़कर एक सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी डेब्यू के लिए तैयार हैं। राशा के साथ अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन नजर आएंगे। हिंदी सिनेमा की खूबसूरत एक्टर रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म 'आजाद' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अमन दिखेंगे। फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर करने जा रहे हैं। अभिषेक के सफल निर्देशक माने जाते हैं। उन्होंने मनोरंजन जगत को 'रॉकऑन', 'केदारनाथ' और 'चंडीगढ़ करे आशिकी' जैसी फिल्में दी हैं।

निर्माताओं ने बुधवार को आगामी फिल्म टाइटल का खुलासा कर प्रशंसकों को एक झलक दिखाई है। रोमांचक फिल्म अमन देवगन और राशा थडानी की बड़ी शुरुआत है। फिल्म का टीजर इस दिवाली पर सिनेमाघरों में बड़ी फिल्मों जैसे सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ रिलीज किया जाएगा। राशा और अमन की पहली झलक 1 नवंबर से देख सकेंगे। रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा निर्मित आजाद भरपूर मनोरंजन का वादा करती है। फिल्म अगले साल जनवरी (2025) में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। चंडीगढ़ करे आशिकी के बाद अभिषेक की यह पहली फिल्म है। अभिषेक ने म्यूजिकल ड्रामा रॉकऑन से बड़ी सफलता हासिल की, जिसमें अभिनेता फरहान अख्तर और प्राची देसाई ने अर्जुन रामपाल के साथ मुख्य भूमिकाएं निभाई थी। रिलीज के बाद फिल्म को आलोचकों ने काफी सराहा था। फिल्म का कॉसेप्ट, कहानी, साउंडट्रैक और कलाकारों के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा हुई। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत व्यावसायिक सफलता वाली रही। इसके बावजूद कपूर के करियर के लिए यह फिल्म शानदार साबित हुई और उन्हें हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। अभिषेक कपूर ने साल 2013 में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत, राजकुमार राव, अमित साध और अमृता पुरी स्टारर फिल्म 'काई पो छे' लिखी थी। उन्होंने फिल्म का निर्देशन भी किया था। यह फिल्म चेतन भगत के उपन्यास 'द 3 मिस्टेक्स ऑफ माई लाइफ' (2008) पर आधारित थी और इसका विश्व प्रीमियर 63वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था।

मंडे टेस्ट में फेल हुई सिंघम अगेन, कलेक्शन में आई बड़ी गिरावट

अजय देवगन की सिंघम अगेन लोगों के दिलों में अपनी खास जगह नहीं बना सकी है। पहले दिन से ही यह फिल्म अच्छी कमाई नहीं कर सकी है। बड़ी स्टारकास्ट और जमकर प्रचार के बावजूद फिल्म की कमाई का ग्राफ लगातार नीचे आ रहा है। आइए जानते हैं कि चौथे दिन फिल्म ने कितना कारोबार किया है।

बॉक्स ऑफिस पर स्थिति खराब सिंघम अगेन की चर्चा बीते काफी समय से चली आ रही थी। इसको लेकर टीम की ओर से काफी ज्यादा प्रचार किया गया, लेकिन कमजोर कहानी इस फिल्म के आड़े आ गई और अब इस पर फ्लॉप होने का खतरा भी मंडराने लगा है। पहले दिन से ही इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर स्थिति डांवाडोल है। वहीं, अब सोमवार की परीक्षा भी यह फिल्म पास नहीं कर सकी है। शुरुआती आंकड़ों की मानें तो चौथे दिन फिल्म की कमाई में बड़ी गिरावट नजर आई है। सोमवार को फिल्म ने खबर लिखे जाने तक महज 12.51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म की कुल कमाई अब तक 134.26 करोड़ रुपये तक ही पहुंच सकी है। कलेक्शन के ये आंकड़े निर्माताओं के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। सिंघम अगेन से बेहतर स्थिति कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 की है। यह फिल्म टिकट खिड़की पर लगातार अच्छा कारोबार कर रही है।

हिट की राह हुई मुश्किल

सिंघम अगेन का बजट करीब 350 करोड़ के आस-पास है। फिल्म के हिट होने के बीच सबसे बड़ी बाधा इसकी लागत ही है। बड़े सितारों से सजी इस फिल्म को हिट होने के लिए 700 करोड़ रुपये का बिजनेस करना होगा, जो कि मौजूदा स्थिति के हिसाब से काफी मुश्किल ही नजर आ रहा है।

डंकी और जुड़वा 2 को लेकर बोलीं तापसी, मैंने पैसों के लिए ये फिल्में नहीं की बल्कि...

अभिनेत्री तापसी पन्नू को उनकी अदाकारी के लिए लोग पसंद करते हैं, फिर वो कॉमेडी रोल के लिए हो या कोई गंभीर किरदार। तापसी पन्नू कई बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शाहरुख खान की फिल्म डंकी को लेकर तापसी ने कुछ बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि बड़े बजट की फिल्मों में भी उन्हें बहुत ज्यादा रुपये नहीं मिले थे। फिल्म के चयन को लेकर तापसी ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में बताया कि इसके साथ ही फिल्म करने के बाद प्रशंसकों को प्यार और आलोचना दोनों ही आपके रास्ते में आते हैं। तापसी का मानना है कि वे जो फिल्में करती हैं, उनमें ब्लॉकबस्टर लिखा नहीं होता, लेकिन जब उन्हें प्रशंसकों का प्यार मिलता है तो वे ब्लॉकबस्टर हो जाती हैं। अपनी फिल्मों के चयन को लेकर उन्होंने कहा कि वह जिस तरह की फिल्म करना चाहती हैं, उनका चयन करना मुश्किल है। तापसी ने कहा कि लोगों को लगता है कि मैंने जुड़वा और डंकी जैसी फिल्में पैसों के लिए की हैं, लेकिन नहीं। ये इसका बिल्कुल उल्टा है। मुझे उन फिल्मों के लिए ज्यादा रुपये मिले हैं, जिनमें मुख्य किरदार मैं थी। तापसी ने कहा कि निर्माताओं को लगता है कि फिल्म में पहले से बड़ा अभिनेता है, हमें कोई और बड़ा सितारा नहीं चाहिए। रोजाना हम ऐसी ही चीजों से गुजरते हैं।

एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे सलमान खान-अजय देवगन

रोहित शेट्टी की फिल्म में करेंगे काम

निर्माता निर्देशक रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स की फिल्मों के कारण चर्चा में रहते हैं। रोहित शेट्टी ने दिवाली पर अपनी फिल्म सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस और दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। रोहित शेट्टी अब अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। खबरों की मानें तो रोहित शेट्टी अभिनेता सलमान खान और अजय देवगन एक साथ एक और नई और बड़ी एक्शन फिल्म के लिए काम कर रहे हैं।

सिंघम अगेन में किया कैमियो

सलमान खान और अजय देवगन की साथ में एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं। इस खबर को सुनने के बाद प्रशंसक काफी खुश और उत्साहित हैं। सलमान खान ने हाल ही में अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में कैमियो किया है। दोनों ही अभिनेताओं के देश में बहुत बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं।

प्रशंसकों ने की सिंघम अगेन की तारीफ

आज बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। इसमें सलमान खान ने दबंग सीरीज से चुलबुल पांडे की अपनी लोकप्रिय भूमिका में कैमियो किया है। प्रशंसक उनकी भूमिका को देखकर खुशी से झूम उठे और ट्विटर पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं।

साल 2010 में आई थी फिल्म दबंग

साल 2010 में अभिनेता सलमान खान अपनी फिल्म दबंग में चुलबुल पांडे का किरदार निभाया था, फिल्म को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है। साथ ही अजय देवगन के साथ रोहित शेट्टी ने पहली कॉप यूनिवर्स फिल्म सिंघम के साथ शुरुआत की थी। इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स फिल्म सिंघम अगेन में कई सारे बॉलीवुड सितारे नजर आए। इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन के साथ दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, करीना कपूर, सलमान खान, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार, अर्जुन कपूर जैसे सितारे नजर आए।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009